बिलासपुर, रविवार, 24 मई 2026 कृष्ण पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 42

पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com

सात पीढ़ियों से जीवंत बस्तर की अनूठी परंपरा: 'बंधा मतौर' उत्सव में पहुंचे हजारों ग्रामीण

■ बरकई में आस्था, कौतूहल और सामाजिक समरसता का महासंगम

सन्नी ठाकुर

फरसगांव/कोंडागांव/नवप्रदेश। आधुनिकता के इस दौर में भी छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल अपनी सदियों पुरानी और हैरतअंगेज लोक-परंपराओं को समेटे हुए है। इसका एक जीवंत और चमत्कारी नजारा कोंडागांव जिले के माकड़ी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बरकई में देखने को मिला, जहाँ सात पीढ़ियों से चली आ रही ऐतिहासिक 'बंधा मतौर' उत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

हर तीन साल में एक बार होने वाले इस पारंपरिक महापर्व में इस बार आस-पास के 12 पाली के हजारों ग्रामीणों का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस उत्सव की सबसे विस्मयकारी विशेषता यह है कि जैसे ही तालाब के किनारे मोहरी (पारंपरिक वाद्य यंत्र) पर विशेष 'सती पाढ़' धुन गूंजती है, तालाब की हजारों मछलियां खुद-ब-खुद पानी की सतह पर आकर उछलने लगती हैं। इतना ही नहीं, सामूहिक मत्स्याखेट के बाद मालगुजार के पानी को छूते ही बची हुई मछलियां पल भर में गायब हो जाती हैं। बस्तर की यह अनूठी परंपरा न केवल लोगों के कौतूहल का केंद्र है, बल्कि यह जल संरक्षण, नई फसल की खुशहाली और सामाजिक समरसता का एक अद्भुत संदेश भी देती है।

'सती पाढ़' धुन का रहस्य और चमत्कार

विशेष पारंपरिक धुन: ग्राम पुजारी द्वारा देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद मालगुजार को बाजा-मोहरी के साथ तालाब (बंधा) तक लाया जाता है।
मछलियों का उछलना: जैसे ही मोहरी पर एक विशेष पारंपरिक धुन 'सती पाढ़' बजाई जाती है, तालाब की हजारों मछलियां खुद-ब-खुद पानी की सतह पर आकर उछलने लगती हैं।
मां सती का आशीर्वाद: लोक-विश्वास के अनुसार, यह कोई साधारण मत्स्य आखेट नहीं बल्कि साक्षात मां सती का आशीर्वाद है।

मालगुजार का अनुभव और लोक-विश्वास

पीढ़ियों पुरानी शक्ति: मालगुजार देशमन पांडे के अनुसार, पूर्वजों के समय इसमें तंत्र-मंत्र का विधान भी शामिल था। स्वरूप भले बदला हो, लेकिन देवी-देवताओं की शक्ति आज भी अटूट है।
स्पर्श मात्र से गायब होना: इस उत्सव का सबसे विस्मयकारी पहलू यह है कि सामूहिक आखेट के बाद जैसे ही मालगुजार द्वारा दोबारा पानी को स्पर्श किया जाता है, बची हुई तमाम मछलियां पल भर में शांत और ओझल (गायब) हो जाती हैं।

सामूहिक मत्स्याखेट का महाअभियान

हजारों ग्रामीणों की भागीदारी: मालगुजार से आदेश मिलते ही हजारों की संख्या में ग्रामीण पारंपरिक हथियारों के साथ तालाब में उतरते हैं।
सीमित समय: यह सामूहिक रूप से मछली पकड़ने का महाअभियान करीब 1 से 2 घंटे तक चलता है।

जल संरक्षण व सामाजिक समरसता का संदेश

प्रकृति के प्रति आभार: यह उत्सव जल स्रोतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने, नई फ़सल की खुशहाली और गांव को विपत्तियों से बचाने के लिए मनाया जाता है।
सामूहिक भोज (गोठ): इस अवसर पर विशेष सामूहिक भोज और लोक नृत्यों का आयोजन किया जाता है, जो आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है।

कड़े सुरक्षा इंतजाम

सुरक्षा के कड़े नियम: भारी भीड़ को देखते हुए तालाब समिति व ग्रामीणों ने बच्चों और बुजुर्गों के पानी में उतरने पर रोक लगाई थी।
पुलिस बल की तैनाती: आयोजन को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए विशेष पुलिस बल और गार्ड्स की तैनाती की गई थी।

आज बेबाक

जिस तरह चोरों को सारे लोग चोर नजर आते हैं ठीक उसी तरह कामचोरों को भी सभी कामचोर नजर आते हैं। इन चमन चतुरों को किसी का कोई भी अच्छा काम पसंद नहीं आता और उसकी आलोचना करने लगते हैं। आसमान की ओर मुंह उठाकर थूकने लगते हैं। कुछ बुड़बकों ने भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया विदेश यात्रा का भी मजाक उड़ाया लेकिन जब वे चालीस अरब डालर का विदेशी निवेश लेकर लौटे तो इनकी बोलती बंद हो गई। इसे ही कहते हैं हाथी चले बाजार, कुत्ते भूंके हजार।

विदेश मंत्री रूबियो दिल्ली में पीएम से मिले, क्षेत्रिय और वैश्विक शांति से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

ट्रम्प ने पीएम मोदी को दिया न्योता

■ भारत की चिंताओं को दूर करना रुबियो का मुख्य काम

नई दिल्ली/वार्ता। एशियाई राजनीति में मची हलचल के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चीन दौरे के ठीक सात दिन बाद हुई इस हाई-प्रोफाइल बैठक को कूटनीतिक हलकों में अमेरिका का 'डैमेज कंट्रोल मिशन' माना जा रहा है।

एक घंटे से ज्यादा चली इस बैठक में न सिर्फ पीएम मोदी को अमेरिका आने का न्योता दिया गया, बल्कि पिछले कुछ समय से भारत-अमेरिका संबंधों में चल रहे तनाव को दूर करने पर भी गंभीर चर्चा हुई।

अमेरिकी मीडिया का 'डैमेज कंट्रोल' का दावा क्यों?

अमेरिकी मीडिया का यह मानना कि यह यात्रा एक 'डैमेज कंट्रोल' (तनाव कम करने का मिशन) है, इसके पीछे दो मुख्य अंतरराष्ट्रीय कारण है। रूबियो का यह दौरा ट्रम्प की चीन यात्रा के ठीक 7 दिन बाद हो रहा है। बीजिंग में ट्रम्प ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 'महान नेता' और 'खास दोस्त' कहकर उनकी जमकर तारीफकी थी। इस तारीफसे एशियाई देशों (विशेषकर भारत) में यह चिंता बढ़ी कि क्या अमेरिका की चीन नीति में कोई बदलाव आ रहा है। पाकिस्तान को लेकर नया रुख: ट्रम्प द्वारा हाल ही में पाकिस्तानी नेताओं की तारीफकरने और उन्हें ईरान संकट में मध्यस्थ के रूप में पेश करने से भारत में यह संदेश गया कि वाशिंगटन एक बार फ़िर पाकिस्तान को तरजीह दे रहा है। ऐसे में भारत की चिंताओं को दूर करना रूबियो का मुख्य काम माना जा रहा है।

तनाव के प्रमुख कारण

टैरिफवॉर: ट्रम्प सरकार द्वारा भारतीय सामानों पर भारी सीमा शुल्क (टैरिफ) लगा देना।
नोबेल शांति पुरस्कार विवाद: ट्रम्प का यह दावा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम कराया था, जिसके लिए वे नोबेल पुरस्कार की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन भारत द्वारा इस दावे को सार्वजनिक रूप से खारिज करने और पीएम मोदी द्वारा उन्हें नामित न करने से कड़वाहट बढ़ी थी।

एक नई शुरुआत की कोशिश

■ अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की दिल्ली के 'सेवा तीर्थ' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई यह बैठक करीब 1 घंटे से ज्यादा चली। इस बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मौजूदगी इसकी गंभीरता को दर्शाती है।
■ **व्हाइट हाउस का न्योता:** रूबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफसे पीएम मोदी को जल्द ही अमेरिका आने का आधिकारिक न्योता दिया है। इसे दोनों देशों के बीच पिछले कुछ समय से जमी बर्फको पिघलाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।
■ **प्रमुख मुद्दे:** बैठक में मुख्य रूप से सुरक्षा, व्यापार, ऊर्जा और क्रिटिकल टेक्नोलॉजी (महत्वपूर्ण तकनीकों) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई, ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 500 बिलियन तक ले जाने के लक्ष्य को गति दी जा सके।

सूरज के तेवर तल्ख: छत्तीसगढ़ समेत 11 राज्यों में भीषण लू का अलर्ट और 2 दिन राहत नहीं

■ चलेगी गर्म हवाएं, आंधी-तूफान की भी चेतावनी

रायपुर/नई दिल्ली/नवप्रदेश। देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ भी इस समय भीषण गर्मी और जानलेवा लू (हीटवेव) की चपेट में है। शनिवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के 11 राज्यों में तापमान 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ सहित इन सभी 11 राज्यों में हीटवेव का ऑरेंज/रेड अलर्ट जारी किया है। अगले दो दिनों तक चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

गर्मी का सबसे वीभत्स रूप तेलंगाना में देखने को मिला है, जहाँ लू की चपेट में आने से अब तक 16 लोगों की जान जा चुकी है। राज्य के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों में भारत का कब्जा, छत्तीसगढ़ भी शामिल

प्राइवेट मौसम एजेंसी 'एक्यूआई' के मुताबिक, शुक्रवार को दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की लिस्ट में सभी शहर भारत के ही रहे। छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा के कई शहर दोपहर होने से पहले ही 42 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गए। दोपहर 3 बजे दुनिया के 22 सबसे गर्म शहरों में पारा 47 डिग्री से ज्यादा था।

6वीं के छात्र को जहरीले सांप ने डसा, झाड़-फूंक के चक्कर में मौत

बालोद/नवप्रदेश। बालोद जिले के डौंडी थाना क्षेत्र के ग्राम छिन्दगांव में अंधविश्वास और लापरवाही के चलते 11 साल के मासूम की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे 6वीं कक्षा का छात्र गीतेश ढीमर अपने घर की बाड़ी में ब्रश कर रहा था। इसी दौरान ड्रम के नीचे छिपे जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप काटने के बाद बच्चा चिल्लाते हुए परिजनों के पास पहुंचा और घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए घर से महज 2 किमी दूर स्थित डौंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बजाय निजी वाहन से करीब 50 किमी दूर बालोद ब्लॉक के एक गांव स्थित मंदिर में झाड़फूंक कराने ले गए।

चीन की कोयला खदान में ब्लास्ट, 90 लोगों की मौत

■ 247 मजदूर काम कर रहे थे, जिनपिंग बोले- गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे

बीजिंग/ए.। चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा चीन में पिछले एक दशक का सबसे बड़ा कोयला खदान हादसा माना जा रहा है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक विस्फोट

शुक्रवार को शांक्सी प्रांत के किनयुआन काउंटी में हुआ। यह इलाका बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। हादसे से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अमरनाथ यात्रा 2026: गुफा में बनी 6 से 7 फीट की शिवलिंग

श्रीनगर/वार्ता। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली भव्य तस्वीर सामने आ गई है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार, गुफा में 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपने पूर्ण आकार में आ चुका है, जिसके सुरक्षा बलों के जवानों ने सबसे पहले दर्शन किए। इस वर्ष यह पवित्र यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी। रास्ते से हटाई जा रही बर्फ मार्ग में अभी भी 12

फीट तक बर्फ जमी हुई है। बालटाल और पहलगाम मार्गों से बर्फहटाकर ट्रैक को 12 फीट चौड़ा करने का काम तेजी से जारी है।

टेंट की जगह मिलेंगे आधुनिक कमरे: श्रद्धालुओं की सुविधा के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों का कराया अन्नप्राशन

■ गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम में दी शुभकामनाएं

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बलौदबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित सुशासन तिहार समाधान शिविर में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर बच्चों एवं महिलाओं से आत्मीय मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल

विकास विभाग के स्टॉल में आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम में नन्हे बच्चों को अपने हाथों से अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर शेवांशी चक्रधारी, राध्या यादव, हिमांशी निषाद, कान्हा सेन एवं अहान बंजारे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेह एवं आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने स्वस्थ बच्चों से भी मुलाकात की। इनमें रुपेश पटेल, चंचल पटेल, प्रींसू चक्रधारी, हार्दिक बंजारे एवं लोककाव्या खांडे शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जानकारी लेते हुए अभिभावकों को बच्चों के बेहतर पोषण ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बस्तर के युवाओं ने हिमाचल की पहाड़ियों में तलाशा सामाजिक नेतृत्व का नया रास्ता

पहाड़ों की गोद में बस्तर का आत्ममंथन

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर के युवाओं ने साबित कर दिया है कि उनकी उड़ान केवल जंगलों और पहाड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे देश के नेतृत्व की नई इबारत लिखने को तैयार हैं। बस्तर जिला प्रशासन की एक अनूठी और महत्वाकांक्षी पहल के तहत जगदलपुर के 16 होनहार युवाओं ने हिमाचल प्रदेश के बीर में आयोजित 'प्लेस ऑफ पॉसिबिलिटीज यूथ फेस्टिवल' में हिस्सा लिया। 10 दिवसीय इस ऐतिहासिक अध्ययन भ्रमण के दौरान इन युवाओं ने किताबी दुनिया से बाहर निकलकर जीवन कौशल, टीमवर्क और आधुनिक सामाजिक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

व्यावहारिक गतिविधियों से विकास

10 दिनों के दौरान प्रतिभागियों ने ह्यूमन लाइब्रेरी, योगाभ्यास, नेचर वॉक, ट्रेकिंग, कैंपिंग और स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास) जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

संवाद और सामूहिक नेतृत्व

युवाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समूह चर्चाओं और स्वरचित नाटकों के माध्यम से अपनी संवाद क्षमता, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों को व्यावहारिक रूप से सीखा।

पहाड़ियों के बीच आत्मविश्लेषण

बिलिंग और राजगंधा की खूबसूरत वादियों में आयोजित विशेष कैंप युवाओं के लिए सबसे यादगार रहा। यहाँ उन्होंने प्रकृति की गोद में बैठकर आत्मचिंतन किया और परिवार व समाज के सकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की।

टूटा पुल बना ग्रामीणों की पीड़ा का प्रतीक; खेतों में अंतिम संस्कार करने की मजबूरी

'सिस्टम' का ग्रहण 4 साल से श्मशान नहीं पहुंची अर्थी

■ कई बार शासन से लगा चुके हैं गुहार

कुलदीप साहू

नगरी/धमतरी। किसी प्रियजन को खोने के बाद नम आंखों से अंतिम यात्रा पर निकले परिजनों की राह अगर एक टूटा हुआ पुल और उफ़नता नाला रोक दे, तो यह प्रशासनिक संवेदनशीलता पर बड़ा सवाल है। धमतरी जिले के वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत खम्हरिया में पिछले चार वर्षों से ग्रामीण इसी दर्दनाक स्थिति से गुजर रहे हैं। गांव और पारंपरिक श्मशान घाट के बीच बहने वाले तेरगी नाला का पुल बरसों पहले ढह चुका है। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच, आज भी इस गांव के लोगों को अपने अपनों की सम्मानजनक विदाई के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

65 लाख की लागत, भ्रष्टाचार की भेंट: वर्ष 2008 के आसपास तेरगी नाला पर लगभग 65 लाख रुपये की लागत से पुल का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सिर्फआश्वासन की घुट्टी, समाधान शून्य

ग्राम पंचायत खम्हरिया के सरपंच संतकुमार मरकाम ने बताया कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को कई बार लिखित आवेदन दिए जा चुके हैं। ग्रामीणों द्वारा चक्का जाम की चेतावनी दिए जाने पर अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन देकर मामला शांत तो करा दिया, लेकिन सालों बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह केवल सड़क या पुल का मुद्दा नहीं, बल्कि इंसानी गरिमा और आस्था से जुड़ा संवेदनशील विषय है। प्रशासन को तुरंत यहाँ नया पुल और पहुंच मार्ग बनाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

बैज का बयान विकृत और महिला विरोधी मानसिकता का प्रमाण: भाजपा

गरियाबंद/ नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद रूपकुमारी चौधरी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली दौरे और वहाँ की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के संदर्भ में दिए गए अमर्यादितए ओछे और अत्यन्त आपत्तिजनक बयान की कटुतम शब्दों में निंदा की है। श्रीमती चौधरी ने कहा कि बैज का यह बयान न केवल उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाता हैए बल्कि यह कांग्रेस पार्टी की विकृत और महिला.विरोधी सोच का भी जीता.जागता सबूत है।भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व सांसद श्रीमती चौधरी ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का इटली दौरा वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव और कूटनीतिक मजबूती का प्रतीक है। ऐसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय संबंधों और वहाँ सोशल मीडिया पर सहजता से बनी एक रील ;मेलोनी.मेलोडीद्ध को लेकर बैज द्वारा श्हनीमूनश् जैसा शर्मनाक शब्द प्रयोग करना बेहद घृणास्पद है। यह टिप्पणी देश के सर्वोच्च पद की गरिमा और एक विदेशी महिला राष्ट्रप्रमुख के सम्मान पर सीधा आघात है।

खाद के लिए तालाबंदी कर पिछले साल जैसी फिर उठी मांग

धरसीवां / कूंरा / नवप्रदेश। खाद की माग को लेकर किसान लगातार माग कर रहे है किसानों को प्रति एकड़ लिमिट आधे से भी कम करके भाजपा सरकार किसानों को आफत में डाल दिया है किसानों द्वारा लगातार समितियों में जाकर पूरी खाद की माग कर रहे है जो पूर्व वर्षों में दिया करते थे , इसमें प्रति एकड़ 1बोरी डीएपी 50kg 2 बोरी यूरिया ,1बोरा पोटाश , 2 बोरी राखड़ पहले दिया जाता था बल्कि और भी जरूरत के हिसाब से दे दिया जाता था वर्तमान में किसानों को केवल 25द्मद्द ष्ठ। क्क1बोरी यूरिया,15द्मद्द पोटाश दिए जाने का आदेश निकाल कर किसानों को बाध्य किया जा रहा है किसान लगातार समितियों में पहले जैसे खाद की मात्रा देने की माग कर रहे है सरकार की सुशासन तिहार में भी किसानों द्वारा लगातार खाद की पूर्व की भाती माग किया जा रहा है किसानों द्वारा लगातार समितियों के माध्यम से सरकार से माग किया जात रहा है आज दोदे कला सेवा सहकारी समिति में पूर्व वर्ष की भाती खाद की माग को लेकर एकत्रित किसानों द्वारा समिति प्रभारी को जिलाधीश के नाम ज्ञापन सौंप कर रोष में समिति में तालाबंदी किया गया और माग किया गया कि पूर्व की भाती हमे खाद दी जाए ताकि किसानों को बाहर से बिचौलियों से ठगी का शिकार न होना पड़े,एक तरफसरकारी समितियों में खाद की संकट के नाम पर खाद कम दिया जा रहा है लेकिन निजी खाद दुकानों में वही ष्ठ। क्कयूरिया एवं पोटाश पर्याप्त मात्रा में ऊंची दर पर बेचा जा रहा है 1350 का ष्ठ। क्क2000 , 2200 में बेचा जा रहा है वही 260 का यूरिया 800 से 1000 में बेचा जा रहा है एक तरफसरकार कहती है कि खाद का किल्लत है फिर निजी खाद दुकानों में पर्याप्त खाद उपलब्ध कैसे है इसका अर्थ है किसानों को सरकार द्वारा लगातार हताश किया जाता रहा है,अगर समय पर पूर्व की भाती खाद नहीं मिलने की स्थिति में धान की उत्पादन पर भारी असर पड़ने वाला है ।

पाण्डातराई नगर पंचायत की बड़ी कार्रवाई

कवर्धा/ नवप्रदेश। पण्डरिया विधानसभा अंतर्गत नगर पंचायत पाण्डातराई के वार्ड क्रमांक 05 में चल रहे तालाब विकास कार्य में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर नगर पंचायत प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान संबंधित ठेकेदार द्वारा निर्धारित मानकों के विपरीत लाल ईंट का उपयोग किया जा रहा था।मामले की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत अमला मौके पर पहुंचा और जांच के दौरान निर्माण कार्य में लाल ईंट का प्रयोग पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त हिस्से को तुड़वा दिया गया। साथ ही संबंधित ठेकेदार को कड़ी हिदायत दी गई कि भविष्य में निर्माण कार्य में केवल फ्लाई ऐश ब्रिक्स का ही उपयोग किया जाए। नगर पंचायत अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई विभागीय आदेशों एवं शासन द्वारा निर्धारित निर्माण मानकों के अनुरूप की गई है। अधिकारियों ने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सुशासन तिहार के समाधान शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

■ **377 आवेदनों में अधिकांश का मौके पर निराकरण**

नगरी / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार संचालित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को ग्राम पंचायत गट्टासिल्ली में क्लस्टर स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गट्टासिल्ली सहित बागरूमनाला, करैहा, गेदरा, आमदी, चिवरी, सराईटोला, गोविंदपुर, बटनहरा, झुझराकसा एवं घोटगांव सहित कुल 11 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण शामिल हुए।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं एवं मांगों को लेकर पहुंचे। इस दौरान कुल 377 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 370 मांग संबंधी एवं 7 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल थे। प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 341 मांगों एवं 5 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष 31 आवेदनों पर प्रक्रिया जारी है।

कार्यक्रम में सिहावा विधानसभा क्षेत्र की विधायक अंबिका मरकाम, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष भोजराज ठाकुर, जनपद पंचायत नगरी के सभापति प्रेमसिंह सलाम, अनुविभागीय अधिकारी प्रीति दुर्गम एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित बोझा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं से संबंधित सामग्रियों का वितरण भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने 7 लोगों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए, वहीं 3 हितग्राहियों को फूड बास्केट एवं 4 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को कुपोषण किट प्रदान की गई। शिक्षा विभाग ने 10 दिव्यांग विद्यार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए।शिविर में ग्रामीणों ने वर्ष 2025 में की गई लंबित मांगों को भी पुनः उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि भारतमाला परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान भारी वाहनों की आवाजाही से क्षेत्र की सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी है। इस संबंध में पूर्व में भी विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण कंपनी को अवगत कराया गया था तथा पिछले सुशासन तिहार में भी आवेदन दिया गया था, लेकिन एक वर्ष बीत जाने के बाद भी सड़क मरम्मत का कार्य नहीं हो सका। ग्रामीणों ने इस बार पुनः आवेदन देकर सड़क सुधार की मांग की है।इसके अलावा ग्राम पंचायत करैहा में हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी में उन्नयन, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में आहता निर्माण तथा स्वास्थ्य केंद्र में आईएमओ एवं सीएचओ पदस्थापना की मांग रखी गई। ग्राम पंचायत झुझराकसा में जन आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र एवं कमारपारा में आंगनबाड़ी केंद्र की मांग की गई। साथ ही अर्जुनी से आमलीपारा चौक, आमलीपाड़ा से बासपानी तथा साकरा मोड़ से झुझराकसा तक प्रधानमंत्री सड़क निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।ग्राम पंचायत गोविंदपुर के ग्रामीणों ने गट्टासिल्ली मुख्यालय में 108 एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने, नगरी मुख्यालय में सोनोग्राफी विशेषज्ञ डॉक्टर की पदस्थापना, प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला गोविंदपुर में आहता निर्माण तथा नेगीनाला कमारपारा में बोरखनन की मांग रखी।

शहर की सफाई में अध्यक्ष व पार्षदों की जिम्मेदारी तय

सुको ने ज्यदा कचरा पैदा करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई का अधिकार कलेक्टर को दिया

फिंगेश्वर / नवप्रदेश। नगर पंचायत के वार्डों की सफाई का जिम्मा अब केवल सफाइकर्मियों की ही नहीं, अध्यक्ष और पार्षदों की भी रहेगी। इतना ही नहीं यदि प्रतिदिन 100 किग्रा से अधिक कचरा और 40 हजार लीटर से अधिक गंदा पानी यदि किसी कॉमर्शियल या रेसीडेंसियल सोसायटी से निकल रहा और यदि नियमानुसार इसका निष्पादन नहीं किये, तो उन्हें दंडित करने का अधिकार कलेक्टर को दिया गया है। इस दंड में जुर्माने की रकम से लेकर बिजली-पानी भी बंद किया जा सकता है। इस नये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रुल्स) 2026 को लागू करने सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी कर दिया है। इसी आदेश

के परिपालन में 22 मई को नगर पंचायत फिंगेश्वर के सामान्य सभा सभागार में वर्कशॉप का आयोजन स्वच्छ भारत मिशन द्वारा आयोजित किया गया, इसमें अध्यक्ष श्री राजेंद्र (धनराज) सूर्यवंशी, और 15 पार्षदों सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी चंदन मानकर,उप अभियंता हरिशंकर वर्मा व कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस नये नियम के

अनुसार पार्षदों को सफाई और स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। इतना ही नहीं नगर पंचायत को अब शहर के 15 वार्डों के बीच सफाई में प्रतिस्पर्धा आयोजित कर हर तीन या 6 महीने में स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता के माध्यम से नागरिकों को जागरुक भी करना

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में वार्ड पार्षदों की भूमिका प्रमुख होने जा रही है। इसमें 4 डब्बा सफाई प्रणाली व्यवस्था को सफल बनाने जनसहभागिता सहित जनप्रतिनिधि पार्षदों का पूर्ण सहयोग आवश्यक है। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि कर्मचारियों को बुलाकर उन्हें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के नये नियमों 4 डब्बा सफाई प्रणाली की जानकारी दी जाये एवं नागरिकों को इस हेतु सभी वार्डों में पार्षद की अगुवाई में लगातार जागरूक बनाया जाये। 2-3 बार जागरूकता अभियान के बाद भी कचरा पृथकीकरण का कार्य ना करने वालो पर व्यवस्था सुधार हेतु विधि अनुरूप कार्रवाई की जाये। कार्यशाला का संचालन मुख्य नगर पालिका अधिकारी चंदन मानकर ने किया एवं नये नियम की जानकारी उप अभियंता हरिशंकर वर्मा ने दी।

गार्बेज फ्री सिटी के स्टार रेंटिंग में भूमिका वार्ड पार्षदों की भूमिका गार्बेज फ्री सिटी के स्टार रेटिंग में भी रहेगी। इसके लिए 10 पैरामीटर तय किये गये हैं। इनमें दृश्य स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन, खुले में गंदा पानी न फैलने दें, स्वच्छता जागरुकता पर भरपूर अभियान , सफाईमित्र सुरक्षा शिविर, डोर टू डोर कचरा संग्रहण सौ फीसदी, खुले मै शौच पूरी तरह प्रतिबंधित, सेप्टिक सफाई का मशीनीकरण, नागरिक प्रतिक्रिया एवं शिकायत का सूचीबद्ध एवं ट्रिपल आर केंद्र को प्रभावी बनाना प्रमुख है।साथ ही भूमिगत जल स्तर सही बना रहे इसलिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग के बारे में जानकारी दिया कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण प्रत्येक घरों मे किया जाये जिससे भूमिगत जल स्तर बना रहे।

वार्डों में पहुंचकर योजनाओं की समीक्षा कर रहे विधायक

■ **राशन कार्ड, आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति जानी**

महासमुंद/ नवप्रदेश। महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा इन दिनों लगातार शहर के विभिन्न वार्डों का दौरा कर आमजन से सीधे संवाद कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने वार्ड क्रमांक 25 पहुंचकर केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली तथा वार्डवासियों की समस्याएं भी सुनीं।

वार्डवासियों ने विधायक के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं और आवश्यकताएं रखीं। वहीं जिन हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ मिला है, उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। कई लोगों ने बताया कि उन्हें आवास योजना सहित अन्य सुविधाओं का लाभ मिलने से जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य में भाजपा की सरकार आमजन के हित में अनेक लोक कल्याणकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से वे लगातार वार्डों में पहुंचकर योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं।

सामूहिक बस यात्रा से दिया ईंधन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

■ **कलेक्टर ने अधिकारियों की टीम को समाधान शिविर के लिए किया रवाना**

महासमुंद / नवप्रदेश। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज कलेक्ट्रेट परिसर से कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिला स्तरीय अधिकारियों की टीम को समाधान शिविर के लिए बस से रवाना किया। जिला प्रशासन की इस पहल के जरिए ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा तथा शासकीय कार्यों में मितव्ययिता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा लगातार पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग को लेकर जनजागरूकता बढ़ाने की अपील की जा रही है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सामूहिक बस यात्रा की व्यवस्था की है, ताकि शासकीय कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी सकारात्मक संदेश समाज तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत वाहनों की अपेक्षा सामूहिक परिवहन व्यवस्था अपनाने से ईंधन की बचत होती है, प्रदूषण कम होता है तथा प्रशासनिक कार्यों में अनावश्यक खर्च पर भी नियंत्रण संभव हो पाता है। यह पहल शासन की मितव्ययिता नीति और हरित वातावरण निर्माण की दिशा में एक सार्थक कदम है।

बसना में किसान कांग्रेस की नव नियुक्त कार्यकारिणी का हुआ सम्मान समारोह

■ **संगठन मजबूती और किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने का लिया संकल्प**

महासमुंद। जिला किसान कांग्रेस ब्लॉक बसना की नव नियुक्त कार्यकारिणी के सम्मान में स्थानीय रेस्ट हाउस बसना में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री राजा देवेंद्र बहादुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानिक साहू ने की। वहीं किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष केशव साव विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसान कांग्रेस की नव नियुक्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर एवं स्वागत कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने, किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा गांव-गांव तक कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को पहुंचाने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों के हितों की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी तथा कृषि, सिंचाई, समर्थन मूल्य और खाद-बीज जैसी समस्याओं को लेकर निरंतर आवाज बुलंद करेगी।कार्यक्रम में मंजीत सिंह सलूजा, तौकीर दानी, तनवीर सईद, इस्तियाक खेरानी, मंदाकिनी साहू, तनूजा साहू, यास्मीन बेगम, राधेश्याम नायक, श्यामलाल प्रधान, दक प्रधान, भागीरथी दास, चरण सिंह छाबड़ा, खालिद दानी, महिपाल सिंह, गोरेलाल, देवेंद्र पटेल, भूषण पटेल, गजेंद्र साहू, पार्षद रोहित साहू, पार्षद मनोज प्रधान एवं परमानंद नागेश सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर शुरू

■ **17 मई से 6 जून तक चलेंगे विभिन्न खेलों के प्रशिक्षण, बच्चों और युवाओं को मिलेगा विशेषज्ञों का मार्गदर्शन**

महासमुंद / नवप्रदेश। जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले में जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 17 मई से 6 जून 2026 तक जिले के विभिन्न खेल मैदानों एवं प्रशिक्षण केंद्रों में संचालित होगा। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य जिले के नवोदित खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

अनेक खेलों का दिया जा रहा प्रशिक्षण-ग्रीष्मकालीन शिविर में हैंडबॉल, बास्केटबॉल, नेटबॉल, बैडमिंटन, फुटबॉल, रग्बी, सॉफ्टबॉल, बेसबॉल, हॉकी, लॉन टेनिस, सॉफ्ट टेनिस, तीरंदाजी, ताइक्वांडो, कराते, शतरंज, योगासन एवं वॉलीबॉल सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्मी को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण शिविर सुबह एवं शाम दो-दो घंटे संचालित किए जा रहे हैं, ताकि खिलाड़ी आरामदायक वातावरण में अभ्यास कर सकें।

अनुभवी प्रशिक्षकों का मिल रहा मार्गदर्शन

शिविर में विभिन्न खेलों के अनुभवी प्रशिक्षक, व्यायाम शिक्षक, सचिव एवं वरिष्ठ खिलाड़ी बच्चों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। टेनिस एवं सॉफ्ट टेनिस में अंजनी साहू, हैंडबॉल में सैयद इमरान अली, बास्केटबॉल एवं नेटबॉल में शुभम तिवारी, अभिषेक अम्बिलकर एवं कुलेश्वर चंद्राकर, शतरंज एवं योगासन में संदीप पटले एवं सत्यनारायण दुर्गा प्रशिक्षण दे रहे हैं।

जनसेवा ही हमारा संकल्प है, जनता की समस्याओं का समाधान ही हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता: अनुज

परसदा में लगा समाधान शिविर, विधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

धरसीवां / कूंरा । प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य में सुशासन तिहार-2026 का आयोजन किया जा रहा है जिसमे 01 मई से 10 जून तक समाधान शिविरो का आयोजन प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा। जहाँ जनप्रतिनिधियों द्वारा जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के साथ ही छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से पहुँचाया जाएगा7 यह अभियान शासन की पारदर्शिता, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करेगा। इसी कड़ी में आज ग्राम परसदा में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया गया द्य जिसमें विधायक अनुज शर्मा ने जनता से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए और उपस्थित अधिकारियो को तत्काल उनके निराकरण करने के लिए दिशा-निर्देश दिए।इस दौरान विधायक अनुज शर्मा ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों से मुलाकात कर उनके अनुभवों और उन योजनाओं से उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन के बारे में जाना तथा शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, आयुष्मान कार्ड, गैस सिलेंडर, ड्राइविंग लाइसेंस, आयुर्वेदिक दवाईयां, कृषि बीज, आवास योजना तहत खुशियों की चाबी एवं महिलाओं को पोषण आहार और योजनाओं के तहत मिलने वाली सामग्रियों का वितरण कर विभागीय व स्वसहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में सुशासन सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। सुशासन तिहार 2026 के माध्यम से प्रशासन अब सीधे जनता के द्वार पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने, उसका निराकरण करने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए पूर्ण पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही है। यह आयोजन प्रशासन और जनता के बीच सीधे संवाद का एक अहम मंच है, जिससे विकास कार्यों में गति और योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार लगातार सुशासन की स्थापना की दिशा में काम कर रही है।

इस तिहार के माध्यम से सभी स्तरों पर जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से करते हुए शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। भाजपा सरकार का मूल उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

शादीशुदा प्रेमी पर लिव-इन पार्टनर का हमला, समझौते के बाद अलग रहने पर बनी सहमति

बिलासपुर/नवप्रदेश। अफेयर और लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर देर रात जमकर हंगामा हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि लिव-इन में रह रही युवती ने अपने शादीशुदा बॉयफ्रेंड पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मामला थाने तक पहुंच गया, जहां घंटों तक हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा।

घटना सकरी थाना क्षेत्र की है। युवती और युवती के बीच हुए विवाद का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि दोनों के बीच समझौता हो गया है, जिसके चलते पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है। जानकारी के मुताबिक, कुदूदंड का रहने वाला सुरेंद्र पहले से शादीशुदा है। बताया जा रहा है कि वह अपने परिवार से अलग होकर सकरी स्थित अटल आवास में एक दूसरी युवती के साथ रह रहा था। दोनों के बीच लंबे समय से अफेयर है और वे साल 2024 से साथ रह रहे थे। इसी दौरान उनके संबंध से उनकी सात महीने की एक बेटी भी है।

स्टाम्प पेपर पर हुआ समझौता

पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच स्टाम्प पेपर पर समझौता कराया गया। इसमें दोनों ने आपसी सहमति से अलग-अलग रहने का फैसला किया। समझौते में यह भी लिखा गया कि दोनों साल 2024 से साथ रह रहे थे और उनकी सात महीने की एक बेटी भी है, जो अब अपनी मां के पास रहेगी। लेकिन समझौते के बाद भी थाने में काफी देर तक हंगामा चलता रहा। वहां मौजूद लोगों के मुताबिक, युवती ने थाने के अंदर भी युवक के साथ मारपीट की।

घटना का वीडियो आया सामने

मारपीट की इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में महिला युवक को थाना परिसर में पीटते हुए दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों के बीच युवती के शराब सेवन को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं, हालांकि पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सीएसपी निमितेश सिंह ने कहा कि युवक-युवती थाने पहुंचे थे। बाद में उन्होंने समझौता कर लिया, जिसके चलते पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है। अब वायरल वीडियो की भी जांच की जाएगी और उसके आधार पर कार्रवाई भी की जाएगी।

युवती ने युवक को मार दिया चाकू

बताया जा रहा है कि बुधवार की रात किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे हिंसक झगड़े में बदल गई। गुस्से में युवती ने अपने बॉयफ्रेंड पर किसी धारदार वस्तु से हमला कर दिया। इस घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को सकरी थाना ले जाया गया। थाने में देर रात तक दोनों पक्षों को समझाने और मामले को सुलझाने की कोशिश चलती रही।

रिटायरमेंट के 3 माह बाद जारी हुई थी चार्जशीट, नियम का उल्लंघन

हाईकोर्ट ने रिटायर्ड संयुक्त आयुक्त की चार्जशीट पर अंतरिम रोक लगाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त संयुक्त आयुक्त भागीरथी जोशी के खिलाफ जारी विभागीय चार्जशीट की प्रभावशीलता और आगे की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति विभु दत्त गुरु ने डब्ल्यूपीएस नंबर 4224/2026 में सुनवाई के दौरान पारित किया।

याचिकाकर्ता बीआर जोशी वर्ष 1993 में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में नियुक्त हुए थे और 31 जनवरी 2026 को संयुक्त आयुक्त पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के करीब तीन महीने बाद, 9 अप्रैल 2026 को विभाग ने उनके खिलाफ विभागीय चार्जशीट जारी कर जांच प्रक्रिया शुरू की। चार्जशीट में लगाए गए आरोप वर्ष 2004-05 और 2007-08 से जुड़े बताए गए हैं। याचिका में कहा गया कि संबंधित मामलों की जांच पहले ही सक्षम अधिकारियों, कलेक्टर और लोकायुक्त स्तर पर हो चुकी थी। जांच के बाद मामलों को बंद भी कर दिया गया था। मामले को प्रथम दृष्टया गंभीर मानते हुए हाईकोर्ट ने 9 अप्रैल 2026 को जारी चार्जशीट के प्रभाव और संचालन पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई पांच सप्ताह बाद तय की है।

चार साल पुराने मामले में कार्रवाई शुरु नहीं की जा सकती: अधिवक्ता

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र पाली ने तर्क दिया कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1976 के नियम 9(2)(बी)(2) के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारी के खिलाफ ऐसे मामलों में विभागीय कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती जो चार वर्ष से अधिक पुराने हों। इसके अतिरिक्त, नियम 9(2)(बी)(1) के तहत राज्यपाल या सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है, जो इस मामले में प्राप्त नहीं की गई थी।

कोर्ट मैनेजर भर्ती परीक्षा 2026 के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर

बिलासपुर/नवप्रदेश। गत 19 अप्रैल 2026 को आयोजित पीएससी मुख्य परीक्षा का परिणाम आयोग द्वारा मात्र एक सप्ताह के भीतर जारी कर दिया गया। इतनी कम अवधि में उत्तर पुस्तिकाओं का निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन संभव है या नहीं, यह स्वयं एक बड़ा सवाल बन गया। आयोग की अनदेखी के बाद अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट की शरण ली है, अगली सुनवाई 5 अगस्त 2026 को तय की गई है। आयोग ने शिकायतों को लगातार नजरअंदाज किया, तब अभ्यर्थियों ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी, लेकिन वहां भी चुप्पी साध ली गई। मजबूर होकर अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। सुनवाई के दौरान भी आयोग की ओर से कोई ठोस एवं संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई लगभग तीन माह आगे बढ़ा दी गई। कल 21 मई को सुनवाई के दौरान वादी अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता सुमित सिंह राठौर और दीपा श्रीवास ने जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की वेकेशन बेंच में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि,सीजीपीएससी द्वारा आयोजित कोर्ट मैनेजर भर्ती परीक्षा 2026 की चयन प्रक्रिया में धांधली हुई है। इसकी गंभीरता पूर्वक जांच होने तक चयनित अभ्यर्थियों के इंटरव्यू व इसके बाद दी जाने वाली पोस्टिंग पर रोक लगा दी जाए। पीड़ित अभ्यर्थियों का कहना है कि यह मामला सीधे युवाओं के भविष्य, रोजगार और पूरी भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता से जुड़ा हुआ है, अभ्यर्थियों के अनुसार आज 22 मई को चयनित अभ्यर्थियों का इंटरव्यू है, जिसके बाद उन्हें पोस्टिंग दे दी जाएगी तो जाएंगे सुप्रीम कोर्टपरिवादी पीड़ित अभ्यर्थियों का कहना है कि अब वे इस मामले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय जाने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें आशंका है कि यदि तत्काल निष्पक्ष हस्तक्षेप नहीं हुआ तो योग्य अभ्यर्थियों का भविष्य हमेशा के लिए प्रभावित हो सकता है। कई अभ्यर्थियों का यह भी कहना है कि यदि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता होती तो आयोग उत्तर पुस्तिकाएं, मूल्यांकन प्रक्रिया और चयन मानदंड सार्वजनिक करने से नहीं बचता। पीड़ित अभ्यर्थियों का आरोपपीड़ित अभ्यर्थियों द्वारा लगाया गया सबसे गंभीर आरोप यह है कि, कई ऐसे अभ्यर्थियों का इंटरव्यू के लिए चयन हुआ है जिन्होंने मुख्य परीक्षा में उत्तर पुस्तिका लगभग खाली छोड़ दी थी,वहीं दूसरी ओर वर्षों से मेहनत कर रहे योग्य अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया। एक ही परीक्षा कक्ष से असामान्य रूप से बड़ी संख्या में चयन होना भी पूरी चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा जांच और ड्रेस कोड के पालन में भी भारी असमानता के आरोप लगाए हैं उनका कहना है कि कुछ अभ्यर्थियों को विशेष छूट दी गई जबकि सामान्य अभ्यर्थियों पर कठोर नियम लागू किए गए।

जल संकट से निपटने नए बोर खनन पर रोक, उद्योगों के लिए पिजोमीटर अनिवार्य

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में गहराते जल संकट को देखते हुए कलेक्टर संजीव अग्रवाल ने कड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु में नए बोर खनन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि गर्मी में नया बोर करने से पहले से स्थापित नलकूपों का जलस्तर नीचे चला जाता है या वे सूख जाते हैं। यह निर्देश उन्होंने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित नगरीय एवं ग्राम पंचायतों की एक उच्च स्तरीय बैठक में दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जल संरक्षण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पानी बचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि परंपरागत उपायों (जैसे रिचार्ज पिट, सोक्ता गड्ढा, डबरी, चेक डैम) से केवल सतही जल (0 से 40 मीटर तक) ही रिचार्ज हो पाता है। गहरे एक्वाफर (40 से 200 मीटर तक) को रिचार्ज करने के लिए अब जीएलएस तकनीक और भुवन ऐप की मदद से सही स्थलों का चयन कर 'इंजेकशन वेल' का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा एवं अन्य विभागीय योजनाओं को मिलाकर बड़े स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने औद्योगिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को सख्त हिदायत दी है कि वे अपने परिसर और फ्रैक्चर जोन में अधिक से अधिक बोर खनन कराकर वर्षा जल का संचय करें। इसके साथ ही, सभी उद्योगों में पिजोमीटर लगाना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि पानी की वास्तविक खपत और भू-जल स्तर की सटीक निगरानी की जा सके। कार्यशाला में भारत सरकार के पूर्व राष्ट्रीय नोडल अधिकारी सुधीन्द्र मोहन शर्मा ने भी भू-जल ऐप के उपयोग को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एसडब्ल्यूएम रूल्स 2026 को कड़ाई से लागू करने पर चर्चा हुई। अब घरों से गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष कचरा अलग-अलग (4 भागों में) लिया जाएगा। नियम तोड़ने वाले बड़े संस्थानों पर जुर्माना लगेगा और केवल गैर-रीसायकल कचरा ही लैंडफिल में जाएगा। अवैध कचरा फेंकने और जलाने पर पूरी तरह रोक रहेगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ संदीप कुमार अग्रवाल सहित एनटीपीसी, राशिन स्टील और कालिन्दी ईस्पात जैसे बड़े उद्योगों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अवैध कबाड़ पर कार्रवाई 40 गोदाम सील 18 गिरफ्तार, कबाड़ से भरा वाहन जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। पुलिस ने अवैध कबाड़ कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत 40 कबाड़ गोदामों को सील किया गया है। साथ ही मस्तूरी क्षेत्र से कबाड़ से भरा एक वाहन जब्त किया गया और विभिन्न स्थानों पर छापेमारी के दौरान 18 व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया।

यह कार्रवाई पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर की गई। जिले भर में अवैध कबाड़ कारोबार, चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में कबाड़ गोदामों और कारोबारियों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान कुल 49 कबाड़ कारोबारियों की जांच की गई। इनमें से 40 कबाड़ गोदामों को सील कर दिया गया, क्योंकि उनके पास आवश्यक वैधानिक दस्तावेज नहीं थे। संबंधित कारोबारियों के दस्तावेजों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बिलासपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध कबाड़ कारोबार, चोरी के सामान की खरीद-फरोख्त या बिना वैधानिक दस्तावेजों के व्यापार करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त अभियान जारी रहेगा। संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

ट्रेनों, स्टेशनों में विशेष निगरानी, ज्वलनशील सामग्री और धूम्रपान पर सख्त कार्रवाई

बिलासपुर/नवप्रदेश। गर्मी के मौसम में आगजनी की संभावित घटनाओं की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल ने यात्री ट्रेनों, स्टेशनों तथा यार्डों में विशेष फायर सेफ्टी ड्राइव चला रहा है। इस अभियान के तहत यात्री गाड़ियों, यार्डों में खड़ी स्टेबल रैक/कोचों तथा रेलवे परिसरों में व्यापक स्तर पर सघन जांच एवं निगरानी की जा रही है। अभियान के अंतर्गत पेन्ट्रीकार, स्टेबल रैक, पार्सल कार्यालयों एवं स्टेशन पार्किंग क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। मंडल एवं जोनल मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी विभिन्न स्टेशनों एवं यार्डों का निरीक्षण कर स्टेबल रैक तथा यार्ड से प्लेटफार्म तक आने वाली ट्रेनों की गहन जांच की जा रही है। इस दौरान फायर सेफ्टी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना को रोका जा सके। अभियान के दौरान ट्रेनों में गैस सिलेंडर, इलेक्ट्रिक हीटर एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों के अवैध परिवहन के मामलों में अब तक 23 व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

गोंदिया स्टेशन में 16 ट्रेनों की जांच, 545 मामलों में 2.64 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा टिकटधारी यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने, यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 21 मई से 14 जून तक विशेष 'नाका टिकट चेकिंग अभियान' चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह के निर्देशन में बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने हेतु 22 मई को गोंदिया स्टेशन पर विशेष सघन नाका टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान में दोनों मंडल वाणिज्य प्रबंधक पी बी राव एवं अनिल एल बागले के नेतृत्व में 02 मुख्य टिकट निरीक्षक, 36 टिकट जांच कर्मचारी, 02 एमटीएस कर्मचारी तथा 02 आरपीएफ कर्मियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान कुल 16 ट्रेनों में व्यापक टिकट जांच की गई। विशेष जांच अभियान के अंतर्गत बिना टिकट, अनियमित टिकट तथा अन्य रेल अधिनियम उल्लंघनों के कुल 545 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनसे कुल 2,64,510 की राशि रेलवे प्रशासन द्वारा वसूल की गई। बिना टिकट यात्रा करने वाले 236 मामले में 1,43,570, अनियमित यात्रा करने वाले 237 मामले में 1,13,540, बिना बुक सामान/अन्य 66 मामले में 6,600, अन्य प्रकरण (गंदगी फैलाने वाले) 04 मामले में 400 तथा धूम्रपान निषेध उल्लंघन करने वाले 02 मामले में 400 रुपए की वसूली की गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने बताया कि रेलवे प्रशासन यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं व्यवस्थित यात्रा वातावरण उपलब्ध कराने हेतु समय-समय पर इस प्रकार के विशेष टिकट जांच अभियान संचालित करता रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व उचित यात्रा टिकट अवश्य लें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश हेतु प्लेटफॉर्म टिकट खरीदें। साथ ही रेलगाड़ी एवं रेलवे परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा गंदगी फैलाने एवं धूम्रपान जैसी गतिविधियों से बचें। रेलवे राष्ट्र की महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति है, इसकी सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

योजनाः जंगल-पहाड़ के बीच स्वास्थ्य की नई उम्मीद बनी मोबाइल मेडिकल यूनिट

पीएम-जनमन योजना से दूरस्थ जनजातीय गांवों तक पहुंचीं स्वास्थ्य सेवाएं

बिलासपुर/नवप्रदेश। पहाड़ों और घने जंगलों से घिरे दूरस्थ जनजातीय गांवों में रहने वाले लोगों के लिए कभी इलाज कराना किसी चुनौती से कम नहीं था। मामूली बीमारी होने पर भी कई किलोमीटर पैदल चलकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचना उनकी मजबूरी थी। कई बार समय पर इलाज नहीं मिलने से हालात गंभीर हो जाते थे। लेकिन अब पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट इन इलाकों के लोगों के जीवन में उम्मीद और राहत लेकर पहुंच रही है।

विशेष रूप से पीवीटीजी के लिए शुरू की गई यह पहल अब गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रही है। जब आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस मोबाइल मेडिकल यूनिट किसी दूरस्थ बस्ती में पहुंचती है, तो ग्रामीणों के चेहरों पर राहत साफ दिखाई देती है। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे बिना लंबी दूरी तय किए अपने गांव में ही डॉक्टर से जांच और उपचार प्राप्त कर रहे हैं। राज्य में इस योजना की शुरुआत 31 दिसंबर 2025 को की गई थी। तब से मार्च 2026 तक 3 हजार 103 लोगों का निःशुल्क उपचार किया जा चुका है। इन यूनिट्स के माध्यम से न केवल मरीजों की जांच की जा रही है, बल्कि उन्हें आवश्यक दवाइयां और लैब जांच की सुविधा भी मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही है। मोबाइल मेडिकल यूनिट अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। इसमें ईसीजी मशीन, सक्शन मशीन, ऑटोस्कोप, ऑक्सीजन सिलेंडर और आपातकालीन स्ट्रेचर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सेवाओं के लिए अब ग्रामीणों को शहरों या स्वास्थ्य केंद्रों तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। दूरस्थ गांवों में रहने वाले कई बुजुर्ग बताते हैं कि पहले बीमारी होने पर इलाज के लिए पूरा दिन लग जाता था, लेकिन अब डॉक्टर खुद गांव तक पहुंच रहे हैं। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को भी समय पर स्वास्थ्य जांच और उपचार मिलने लगा है, जिससे ग्रामीणों में भरोसा और जागरूकता दोनों बढ़ रही है। स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट हर महीने औसतन 24 दिन निर्धारित रोस्टर के अनुसार गांवों का भ्रमण करती हैं। जिले में इस योजना के तहत 3 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित हैं। प्रत्येक यूनिट में एक चिकित्सक, स्टाफ नर्स और लैब यूजर तैनात किए गए हैं, जो पूरी संवेदनशीलता के साथ ग्रामीणों की सेवा कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर पीएम-जनमन योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना का उद्देश्य देश के दूरस्थ जनजातीय समुदायों तक शासन की मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स इस उद्देश्य को जमीन पर साकार करती नजर आ रही हैं।

अवैध उत्खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, 3 ट्रैक्टर व 4 हाइवा जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने सेलर, गढ़वट और लोखंडी क्षेत्रों में छापामार अभियान चलाकर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और चार हाइवा वाहन जब्त किए हैं। खनिज विभाग ने गुरुवार को जांच अभियान के दौरान अवैध रेत उत्खनन और परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ीं। इन जब्त वाहनों को रतनपुर और कोनी थाना पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया है। इसी कार्रवाई के तहत, मुरूम और गिट्टी का बिना रॉयल्टी के ट्रांसपोर्टेशन करते पाए जाने पर चार हाइवा वाहन भी जब्त किए गए। इन हाइवा वाहनों को सिरगिट्टी और तोरवा थाना पुलिस को सौंपा गया है। प्रशासन का कहना है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम यह अभियान चला रही है।

ईद-उल-अज़हा : कुर्बानी, त्याग और आपसी मोहब्बत का त्योहार

ईद-उल-अज़हा, जिसे हम आमतौर पर बकरीद या बड़ी ईद भी कहते हैं, इस्लाम के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है। यह दिन सिर्फ दावतों और नए कपड़ों का नहीं, बल्कि इबादत, त्याग (Sacrifice) और अल्लाह की रज़ा में अपना सब कुछ न्योछावर करने के जज्बे का नाम है। पैगंबर हज़रत इब्राहिम (अ.ले.) की सुन्नत को याद करते हुए दुनिया भर के मुसलमान इस दिन कुर्बानी देते हैं और खुशियां बांटते हैं।

बकरीद का इतिहास और महत्व

हज़रत इब्राहिम की सुन्नत: यह त्योहार हज़रत इब्राहिम और उनके बेटे हज़रत इस्माइल (अ.ले.) के उस महान इम्तिहान की याद दिलाता है, जहां उन्होंने अल्लाह के हुक्म पर अपनी सबसे प्यारी चीज़ कुर्बान करने का फैसला किया था।

समर्पण का संदेश: यह दिन हमें सिखाता है कि सही रास्ते पर चलने के लिए अगर अपनी सबसे अज़ीज़ चीज़ की भी कुर्बानी देनी पड़े, तो पीछे नहीं हटना चाहिए।

हज की मुकम्मली: बकरीद का दिन सालाना हज यात्रा के पूरा होने (समापन) का भी प्रतीक है।

कुर्बानी का असल मक़सद : सिर्फ रस्म नहीं, एक पैगाम

नीयत की पाकीज़गी : कुरान के मुताबिक, अल्लाह तक न तो कुर्बान किए गए जानवर का गोश्त पहुंचता है और न ही खून, बल्कि उस तक सिर्फ इंसान की नीयत और उसका 'तकवा' (परहेजगारी) पहुंचता है।

बुराइयों का त्याग: जानवर की कुर्बानी के साथ-साथ इंसान को अपने अंदर के गुस्से, लालच, अहंकार और नफ़रत जैसी बुराइयों की भी कुर्बानी देनी चाहिए।

गोश्त के तीन बराबर हिस्से

बकरीद का सबसे खूबसूरत पहलू इसका सामाजिक ढांचा है। कुर्बानी के गोश्त को तीन बराबर हिस्सों में बांटा जाता है, जो समाज में बराबरी का संदेश देता है:-

पहला हिस्सा: अपने परिवार और घर के लिए।

दूसरा हिस्सा: रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों के लिए।

तीसरा हिस्सा: सबसे ज़रूरी-गरीबों, बेसहारा और ज़रूरतमंदों के लिए, ताकि कोई भी इस खुशी से महरूम (वंचित) न रहे।

बकरीद के दिन की सुन्नतें

ईद की नमाज़: दिन की शुरुआत सुबह जल्दी उठकर, गुस्ल (स्नान) करके, साफ या नए कपड़े पहनकर ईदगाह या मस्जिद में नमाज़ अदा करने से होती है।

खाली पेट जाना: ईद-उल-फ़ित्र (मीठी ईद) के उलट, बकरीद की नमाज़ के लिए कुछ भी खाए बिना जाना सुन्नत है, ताकि दिन का पहला निवाला कुर्बानी के बाद ही लिया जाए।

तकबीरें पढ़ना: नमाज़ के रास्ते में और ईद के दिनों में अल्लाह की बड़ाई (तकबीर) को धीरे-धीरे पढ़ते हुए जाना।

दावत, पकवान और रौनक

पारंपरिक पकवान: बकरीद का ज़िक्र मटन बिरयानी, कोरमा, कबाब और कलेजी के सालन के बिना अधूरा है।

मीठे का स्वाद: इस दिन घरों में खीर, हलवा और शीर खुरमा भी खास तौर पर बनाया जाता है जो त्योहार की मिठास बढ़ाता है।

दुआएं और ईदी: बड़ों से दुआएं और ईदी लेना, और दोस्तों-रिश्तेदारों के घर जाकर गले मिलना इस त्योहार की रौनक को दोगुना कर देता है।

ईद-उल-अज़हा हज बकरीद का संबंध

ईद-उल-अज़हा (जिसे आमतौर पर बकरीद कहा जाता है) और हज का आपस में बहुत गहरा और अटूट संबंध है। ये दोनों ही इस्लाम के सबसे पवित्र स्तंभों और इतिहास से जुड़े हुए हैं।

हज़रत इब्राहिम (अले.) का इतिहास और बलिदान

हज और बकरीद दोनों की बुनियाद पैगंबर हज़रत इब्राहिम (अब्राहम) और उनके परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है।

बकरीद का संबंध

अल्लाह ने हज़रत इब्राहिम की वफ़ादारी की परीक्षा लेने के लिए उन्हें अपने प्यारे बेटे हज़रत इस्माइल की कुर्बानी देने का ख्वाब दिखाया। जब इब्राहिम अपने बेटे की कुर्बानी देने के लिए तैयार हो गए, तो अल्लाह ने उनकी निष्ठा देखकर उनके बेटे की जगह एक दुंबे को बदल दिया। इसी सर्वोच्च बलिदान की याद में बकरीद पर पशुओं की कुर्बानी दी जाती है।

हज का संबंध

मुस्लिमों में ईद-उल-अज़हा पर ही हज पर जाना अच्छा माना जाता है। हज के दौरान की जाने वाली लगभग सभी रस्में (जैसे काबा के चक्कर लगाना, सफ़ा और मरवा पहाड़ियों के बीच दौड़ना, और मीना में शैतान को कंकड़ मारना) हज़रत इब्राहिम, उनकी पत्नी हाजरा और उनके बेटे इस्माइल के जीवन के संघर्षों की याद दिलाती हैं।

व्यंग्य-कथा : बहू का बदला

डॉ. किशोर अग्रवाल

बारह बजे रात की नीरवता में, घर में धड़ाम की आवाज़ सुन चौंक पड़ी सुरेखा ने उसे पहचान लिया। मुन्नी 3 दिन से लगातार सोई न थी तो कंधे से लगाये बाल्कनी में टहलते हुए रातें बीत रही थीं। यह वही चोर था जो परसों मिश्रा जी के यहाँ घुसा था फिर भी इत्मिनान के लिये पूछ लिया "कौन हो?"

"चोर।" इमानदारी से जवाब मिला।

"धीरे-भैया, धीरे। आवाज़ न करो, यह मुनिया बड़ी कठिनाई से आज सो पायी है। वैसे मैने तुम्हे चीन्ह लिया है।"

"कैसे?" "तुम वही हो न जो परसों मिश्राजी के यहाँ घुसे थे। बड़ा माल मत्ता साफकिया तुमने, हमने पेपर में पढ़ा था।" "झूठ है, पेपर मे ज्यादा ही कुछ लिखा है, हम उतना थोड़ी ले गये। मिश्राजी खुद अपना माल मत्ता कोने पर रहने वाली गायिका के यहाँ दे आते हैं। कई बार तो हमें ही रात मे मिले हैं। हम घुसे तो मौका मिल गया। सारा ही हमारे नाम लिखवा दिया, जैसे ट्रकों से की गई चावल चोरी चूहों के नाम लिखवा दी जाती है।"

"अच्छा तेज आवाज़ मे न बोलो बिटिया उठ कर घर सिर पर उठा लेगी तो चोरी भी न कर पाओगे जिसके लिये तुम आये हो। कुछ मिला यहाँ?"

"अरे पहले ही कमरे मे तुम मिल गई हो, अभी ढूंढा कहाँ है।"चोर ने मायूसी से कहा।

"चलो खैर, हम मुन्नी के पास से नहीं उठ पा रही और दूध पिलाने का समय हो गया है, तुम हमारी मदद करो तो हम तुम्हारी मदद करें।"

"मै भला क्या मदद कर सकता हूँ!"

"अरे चोर भैया! किचन मे चले जाओ, वहाँ गरम पानी का फ्लास्क रखा है, उसमें तीस एमएल दूध व आधा चम्मच चीनी मिलाकर निप्पल वाली बोतल मे भर कर ला दो, भैया तुम्हारा उपकार रहेगा।"

आज्ञा का पालन कर चोर दूध की बोतल थमाते हुए "अब बताओ तुम क्या मदद करोगी?"

"अरे! बिल्कुल मदद करेंगे। हमारे कमरे में तो देखो कुछ है नहीं, वह बुढ़िया सास सारा गहना अपने पास रखती है और हमें पहनने भी नहीं देती। तो तुम ऐसा करो बगल के कमरे में पुस्तकों की रैक मे से पुस्तकें हटाकर रैक का पिछवाड़ा खोल लो उसमें तो तुम्हें नगद नोट मिल जाएँगे और फिर बुढ़िया के बिस्तर के सिरहाने के बांये कोने पर जो एक पुराना खुला संदूक है, वह दिखाने के लिये खुला छोड़ा है ताकि शक न हो पर उसमें गहने रखे हैं, मेरे भी हैं वह वहाँ से ले लो।"

"अरे आपने तो मेरी राह आसान कर दी, ये पाँच सौ रुपया मुन्नी के लिये शगुन का रख लो। लगता है सास का सलूक ठीक नहीं तुमसे?"

"तुमने यह इतनी मदद की मेरी दूध बनाने में तो मैने भी कर दी, तुम बड़े समय से आये हो चोर जी, मुझे सबक तो सिखाना ही था। अच्छा यह बताओ पंद्रह तारीख को फ्री हो क्या?"

"क्यों कोई खास बात?"

"हाँ मुन्नी की जनम दिन है, सपरिवार आना तुम और अपनी पत्नी को यहाँ चोरी किये गहने भी पहना कर लाना। मैं बुढ़िया का चेहरा देखना चाहती हूँ। मैं आपको फोन भी करवा दूँगी हमारे इनसे, ढंग से। गहने हम तो पहन नहीं सकते सांप सी कुंडली मारे बैठी है पर दूसरी कोई पहने तो वही देख लेंगे, सोच रहे हैं। आना जरूर।" "पर तभी आ पायेंगे यदि उस दिन हमारी कोई रेड कहीं पर प्लान न हो।" "अरे आज ही इतना मिल जाएगा अगली रेड बाद में कर लेना। कमाते हो तो लुत्फ भी लिया करो, घरवाली को पहनाओ ओढ़ाओ। यह न करोगे तो तुम्हारी घरवाली भी किसी को निमंत्रण दे देगी, समझो भैया।"

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आप अपने आप को अन्य लोगो की अपेक्षा उच्चतम आंकेंगे। वैचारिक स्थिति आज बेहतर रहने से घर बाहर प्रसंसा होगी।

वृष : आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दायक रहेगा। घर एवं बाहर का वातावरण अनुकूल रहने से मन इच्छित कार्य कर सकेंगे। दिन के आरंभ में आलस्य रहेगा लेकिन बाद में अपनी जिम्मेदारियों को समय पर पूर्ण करेंगे।

मिथुन : आज का दिन अशांति से भरा रहेगा। प्रातः काल में ही आसपडोसी अथवा पारिवारिक सदस्य से किसी पुरानी बात को लेकर कहासुनी होगी।

कर्क : नौकरी पेशा जातको के लिए आज का दिन शांति वाला रहेगा अधिकारियों से अपनी बात आसानी से मनवा लेंगे।

सिंह : आज आपके अंदर चंचलता अधिक रहेगी। आज जल्दी से किसी कार्य को करने का मन नहीं करेगा घरेलू कार्यों को भी यथा संभव टालने की कोशिश करेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके लिए हानिकर रहेगा। अस्त व्यस्त दिनचार्य रहने के कारण सभी कार्य धीमी गति से होंगे। स्वभाव में भी आज उदासीनता अधिक रहेगी।

तुला : आज आपके दिन का आरंभ शुभ समाचार से होगा। परिजनों से मनोकामना पूर्ति करवा सकेंगे लेकिन आज आपके लिए व्यावसायिक अथवा अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यों को आगे के लिए सरकाना ही बेहतर रहेगा।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए शान्तिप्रद रहेगा। आज की दिनचार्य थोड़ी विलम्ब से आरम्भ होगी सुस्ती अधिक रहने से कार्य क्षेत्र पर भी विलम्ब होगा। आर्थिक विषयो को लेकर आज ज्यादा सरदर्दी नहीं लेंगे।

धनु : भजन पूजन में समय देंगे धार्मिक क्षेत्र की यात्रा भी हो सकती है। सेहत प्रातः काल से ही नरम-गरम रहने से कार्यों के प्रति उत्साह कम रहेगा।

मकर : आज के दिन भी आपको विविध परेशानियों का सामना करना पड़ेगा सेहत असामान्य रहने से मानसिक उद्वेग रहेगा ऊपर से घरेलू परेशानियां भी पीछा नहीं छोड़ेंगी घर में किसी ना किसी से तकरार अथवा नारजगी का सामना करना पड़ेगा।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहेगा परन्तु आज आपका विनोदी स्वभाव रंग में भंग भी डाल सकता है। सामने वाले का स्वभाव अचानक बदलने से हतप्रभ रहेंगे। नौकरी वाले जातक आराम के मूड में रहेंगे।

मीन : आज के दिन आपके सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। घर के लिए नए सामान की खरीददारी करेंगे। आज आप आराम की जिंदगी बिताने पर ज्यादा जोर देंगे।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) भारत में कौन.सा रेलवे जोन अगली पीढ़ी के रेल पार्सल एप्लिकेशन को लागू करने वाला पहला जोन बना है?

2) 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी कौन सा भारतीय शहर करेगा?

3) प्रतिवर्ष दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस किस तारीख को मनाया जाता है?

4) वैज्ञानिकों ने हाल ही में प्राचीनकाल में आग जलाने के सबसे पुराने प्रमाण किस देश में खोजे हैं?

5) हाल ही में निधन होने वाले बिस्वा बंधु किस राज्य की विधानसभा के अध्यक्ष थे?

उत्तरमाला- (1) दक्षिण मध्य रेलवे (2) अहमदाबाद (3) 22 मई (4) इंग्लैंड (5) त्रिपुरा

पहेली

शब्द सामर्थ्य -047

बदलते बस्तर की नई तस्वीर, बंदूक के साए से सुशासन की छांव तक

■ बाइक पर सवार होकर नक्सलियों के गढ़ रहे गांवों में पहुंचे कलेक्टर-सीईओ

■ स्कूल, अस्पताल, सड़क, पुल-पुलिया निर्माण की तत्काल स्वीकृति

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर के सुदूर वनांचलों से डर और उपेक्षा का अंधेरा अब छंटने लगा है, और इसकी गवाह बनी सुकमा की वो तस्वीरें जहां जिले के मुखिया खुद दुर्गम रास्तों की परवाह किए बिना जनता के द्वार पहुंचे रहे हैं। कलेक्टर श्री अमित कुमार और जिला सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर ने कोंटा विकासखंड के धुर नक्सल प्रभावित रहे और पहुंचविहीन गांवों भेज्जी, मैलापुर, दंतेशपुरम, बुर्कलंका, गछनपल्ली, बोदराजपदर और डब्बाकोंटा का ऐतिहासिक दौरा किया। सालों से मुख्यधारा से कटे इन गांवों के उबड़-खाबड़ और

पथरीले रास्तों पर जब अधिकारियों का काफिला मोटरसाइकिल पर सवार होकर निकला, तो यह सिर्फ एक निरीक्षण नहीं, बल्कि ग्रामीणों के मन में प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति अटूट विश्वास जगाने का सफर बन गया। आजादी के बाद पहली बार किसी कलेक्टर को अपने बीच पाकर ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रशासन का सबसे बड़ा फोकस ग्रामीणों की सेहत और बच्चों की शिक्षा पर रहा। कलेक्टर ने संवेदनशील पहल करते हुए भेज्जी पंचायत में उप स्वास्थ्य केंद्र की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई, जबकि मैलासुर में इसके लिए तत्काल जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए। गछनपाल्ली में स्वास्थ्य कर्मियों के रहने के लिए स्टाफ क्वार्टर को मंजूरी दी गई, ताकि चौबीसों घंटे इलाज की सुविधा मिल सके।

चौपाल पर संवाद और 'सुशासन परिसर' की सराहना

अधिकारियों ने बुर्कलंका में बन रहे 'सुशासन परिसर' का बारीकी से निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने दुर्गम घने जंगलों के बीच बसे इस गांव में बने परिसर की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायी बताया। इस बहुद्देशीय परिसर में एक ही बाउंड्रीवाल के भीतर स्कूल, आंगनबाड़ी, पंचायत भवन, पीडीएस सेंटर और सामुदायिक भवन को समेटा गया है, जो ग्रामीणों को एक ही छत के नीचे सारी मूलभूत सुविधाएं देने का बेहतरीन मॉडल है। सुशासन शिविर के दौरान मैलासुर पंचायत में अधिकारियों ने जमीन पर बैठकर सरपंच, पटेल, मुखिया और ग्रामीणों से सीधा संवाद किया, सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी और निर्माणाधीन कार्यों को समय पर पूरा करने का संकल्प दोहराया।

न्यूज गैलरी

ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहा नवीन तालाब निर्माण कार्य

रायपुर/नवप्रदेश। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवा तरिया-आय के जरिया अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन तालाब निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार सभी विकासखण्डों में युक्तधारा पोर्टल एवं CLART ऐप के माध्यम से नवा तरिया के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन किया गया है। नवा तरिया निर्माण कार्यों में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि तालाबों के माध्यम से आय के नए स्रोत विकसित हो सकें। इसके साथ ही युवाओं एवं ग्रामीणों को भी जनसहयोग के रूप में अभियान से जोड़ने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। जिले में वर्तमान में 26 नवा तरिया स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 21 कार्य प्रगतिरत हैं। इन कार्यों में अभी कुल 3158 मजदूर कार्यरत हैं।

छत्तीसगढ़ के लाल अनीमेश कुजुर ने रचा इतिहास

100 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवा एथलीट अनीमेश कुजुर ने रांची में आयोजित नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.15 सेकेंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में हर्ष और गौरव का वातावरण है। अनीमेश कुजुर की इस ऐतिहासिक सफलता पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अनीमेश ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ की नई पहचान बना रहे हैं। श्री चौधरी ने कहा कि अनीमेश कुजुर की यह उपलब्धि राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि प्रतिभा एवं निरंतर प्रयास के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समस्त छत्तीसगढ़वासियों को अनीमेश पर गर्व है तथा विश्वास है कि वे आने वाले समय में भी देश और प्रदेश का नाम नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते रहेंगे।

रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। जांजगीर-चांपा जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सघन जांच अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान एक जेसीबी मशीन सहित 7 वाहनों को जब्त किया गया। खनिज अधिकारी ने बताया कि केवा-पिपर्दा के मध्य हसदेव नदी क्षेत्र में अवैध रेत खनन में संलिप्त एक जेसीबी मशीन को जब्त कर थाना बम्हनीडीह में सुरक्षित रखा गया है। इसके अलावा बिर्रा, केवा (नवापारा) एवं हाथनेवरा क्षेत्रों में जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 3 हाईवा और 4 ट्रैक्टर सहित कुल 7 वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में से 6 को पुलिस लाइन खोखरा तथा एक ट्रैक्टर को थाना बिर्रा में सुरक्षार्थ रखा गया है। प्रशासन ने बताया कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन से संबंधित प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 हेतु नामांकन आमंत्रित

रायपुर/नवप्रदेश। बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी। विभाग ने बताया कि इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व-नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की बनी रणनीति

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहकार से समृद्धि की संकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय द्वारा नवा रायपुर में पूर्वी क्षेत्र के छह राज्यों की एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। कार्यशाला की अध्यक्षता केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने की। इसमें सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बिहार, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारी कार्यशाला में शामिल हुए।

यह कार्यशाला ग्रामीण विकास, किसानों की आय वृद्धि और सहकारी संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। सहकारिता आधारित योजनाओं से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा किसान, पशुपालक और मत्स्य पालक आत्मनिर्भर बनेंगे।

बैठक में केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की पहल पर संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। सहकारी संस्थाओं को ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला में पैक्स समितियों के बिजनेस डायवर्सिफिकेशन यानी व्यवसायिक विस्तार पर सार्थक चर्चा हुई। अधिकारियों ने पैक्स समितियों को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने पर गहन मंथन किया, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके।

पैक्स को बहुउद्देशीय बनाने पर जोर

डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के गठन और सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया। देशभर में 2 लाख नई डेयरी, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की दिशा में हो रही प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही विश्व की सबसे बड़ी सहकारी अनाज भंडारण योजना के क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि पैक्स समितियों को केवल ऋण वितरण तक सीमित न रखकर बहुउद्देशीय ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत खाद-बीज वितरण, धान खरीदी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, डेयरी, मत्स्य पालन, वेयरहाउसिंग और ग्रामीण उद्यमिता जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे किसानों और ग्रामीणों को गांव स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

कैट प्रतिनिधी मंडल ने प्रदेश के लिए 20 करोड रूपये चिल्हर की मांग की

■ छत्तीसगढ़ में चिल्हर की कमी से व्यापार हो रहा प्रभावित

रायपुर/नवप्रदेश। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स कैट छत्तीसगढ़ ने प्रदेश में 5, 10 एवं 20 के नए नोटों तथा सिक्कों की भारी कमी को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रिय महाप्रंबधक से तत्काल पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है।

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेन्द्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन श्री सुरिन्दर सिंह, श्री जीवत बजाज, महामंत्री श्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष श्री विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री वासु माखीजा, श्री राम मंधान, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी एवं श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि ने बताया कि आज टीम ब्।प्ज् प्रतिनिधी मंडल ने त्ठप् के क्षेत्रिय महाप्रंबधक से प्रदेश के लिए 20 करोड रूपये चिल्हर की मांग की छत्तीसगढ़ में चिल्हर की कमी से व्यापार हो रहा प्रभावित इस विषय पर ज्ञापन सौपा। इस दौरान प्रतिनिधी मंडल ने क्षेत्रिय महाप्रंबधक को अवगत कराया कि प्रदेश के अधिकांश जिलों में स्थित बैंकों में छोटे नोट एवं सिक्के पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं, जिसके कारण आम नागरिकों एवं व्यापारियों को रोजमर्रा के लेन-देन में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली उत्पादन बढ़ाए बिना ईवी लेने की सलाह हास्यपद : ठाकुर

■ बत्ती गुल और लो वोल्टेज की गम्भीर समस्या तो पहले ठीक कर ले

रायपुर/नवप्रदेश। सरकारी विभागों एवं आम जनता को ईवी लेने की सलाह को हास्यपद करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार ईंधन संकट के चलते सरकारी विभागों एवं आम जनता को ईवी लेने की सलाह दे रही है लेकिन बिजली उत्पादन को बढ़ाने के दिशा में कोई योजना नहीं बना रही है, ऐसे में सरकार की सलाह हास्यपद एवं जिम्मेदारी से भागना है। वर्तमान में जितना बिजली उत्पादन हो रहा है उतने में शत-प्रतिशत घरों में पर्याप्त सप्लाई नहीं हो रहा है। बिजली कटौती, लो वोल्टेज की गम्भीर समस्या से प्रदेश जूझ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में 6 से 7 घंटा तो शहरी क्षेत्रों में 2 से 3 घण्टा बिजली बंद हो रही है। जनता परेशान है फिर सरकार इस प्रकार उलजुलूल सलाह क्यों दे रही है? प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश बिजली उत्पादन मामले में सरप्लस राज्य है फिर बिजली कटौती एवं लो वोल्टेज की समस्या क्यों है? इसका जवाब सरकार को देना चाहिये? सोलर पैनल को बढ़ावा दिया जा रहा है लेकिन अभी तक सोलर पैनल के बेहतर परिणाम नजर नहीं आ रहा है, सोलर से बिजली उत्पादन के दावे किए जा रहे है लेकिन बिजली कटौती, लो वोल्टेज पर बिजली विभाग मौन है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रव । धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि सरकार बिजली आपूर्ति में भेदभाव कर रही है, ग्रामीण क्षेत्रो की जनता को बिजली के अधिकार से वंचित कर रही है।

जैन साधु साध्वियो के पद विहार में पूर्ण सड़क सुरक्षा हेतु सौंपा ज्ञापन

रायपुर/नवप्रदेश। सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर द्वारा आज श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग को छत्तीसगढ राज्य सीमा में जैन मुनियों के पैदल विहार (भ्रमण) के दौरान पूर्ण सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने बाबत ज्ञापन दिया गया । ज्ञापन मे विभिन्न प्रांतों से जैन मुनि महाराजों एवं माताजी का पैदल विहार छत्तीसगढ राज्य में होने पर उनकी सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। उल्लेखनीय है कि जैन मुनि पूर्ण अहिंसा का पालन करते हुए नंगे पैर, बिना किसी साधन के विहार करते हैं । ज्ञापन में विगत 4 दिन पूर्व रीवा म.प्र. में पैदल विहार करते हुए आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका उपशममति माताजी को पीछे से वाहन ने टक्कर मारी और, कुछ समय पश्चात दोनों माता जी का समाधि मरण हो जाने के दर्दनाक हादसे पर भारतवर्ष के साथ छत्तीसगढ की जैन समाज भारी रोष, दुःख एवं क्षोभ के साथ आक्रोश व्यक्त किया गया । ज्ञापन पर श्री छाबड़ा ने वर्ष भर पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया । ज्ञापन प्रदान करने वाले प्रतिनिधिमंडल मे सर्व श्री सनत जैन, प्रदीप जैन, संजय नायक, नरेश सिंघई, नवीन मोदी, लोकेश चंद्रकांत जैन, सुरेश मोदी, सुबोध जैन, राजेंद्र जैन उमाठे, हिमांशु जैन, निलेश जैन बजाज, संदीप जैन आम्रपाली, मनोज जैन,प्रियेश जैन,आदि उपस्थित रहे ।

जशपुर के सेब से बदल रही किसानों की तकदीर

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ फल उत्पादन के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम अब साफदिखाई देने लगा है। कभी धान और पारंपरिक फसलों तक सीमित रहने वाला जशपुर आज सेब की खेती के कारण प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहा है। जिला प्रशासन और रूरल डेवलपमेंट एंड डेवलपमेंट सोसायटी, नाबार्ड के संयुक्त प्रयासों से मनोरा और बगीचा विकासखंड में सेब की खेती सफलता की नई कहानी लिख रही है। वर्ष 2023 में आदिवासी किसानों द्वारा शुरू की गई यह पहल अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रही है। वर्तमान में जिले के लगभग 410 किसानों ने करीब 410 एकड़ भूमि पर सेब के पौधे लगाए हैं और इस वर्ष पौधों में बेहतर आकार एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता के फल आने लगे हैं। जशपुर के किसानों का कहना है कि यहां उत्पादित सेब स्वाद और गुणवत्ता में कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश के सेबों से किसी भी मायने में कम नहीं हैं।

सरकार उर्वरकों की उपलब्धता पर श्वेत पत्र जारी करें

रायपुर/नवप्रदेश। खरीफके लिए खाद उपलब्ध करवा पाने के मामले में सरकार ने ठोस प्रयास शुरू नहीं किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कृषि मंत्री केवल मीडिया में बयान देकर अपने कर्तव्य की पूर्ति समझ लिए है। सरकार ने अभी तक उर्वरकों की व्यवस्था के बारे में निश्चित बनी हुई है। अभी तक सरकार को किसानों की जरूरत के अनुसार सोसायटियों से मांग का डाटा एकत्रित कर सभी सोसायटियों में खाद पहुंचाना शुरू कर देना चाहिए। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार बताये कि इस वर्ष कितने उर्वरकों की जरूरत का आंकलन किया गया तथा सरकार के पास कितनी उपलब्धता की व्यवस्था की गयी है? सरकार उर्वरकों की उपलब्धता पर श्वेत पत्र जारी करें। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की सरकार आदतन किसान विरोधी है, पिछले खरीफ सीजन में खाद का संकट छत्तीसगढ़ के किसानों ने भोगा हैं, अब फिर वही स्थिति बन रही है, सरकार के संरक्षण में नकली खाद, अमानक खाद, नैनो यूरिया के नाम पर गुणवत्ताहीन खान लेने किसानों को मजबूर किया गया, ऐसे ही झूठे दावे सरकार ने पिछले करीब सीजन में भी सरकार करती रही और किसान खाद के लिए दर-दर भटकते रहे, यूरिया और डीएपी का स्टॉक डिमांड के आधा भी उपलब्ध नहीं कर पाई सरकार। बिचोलीयों और कालाबाजारी करने वालों को इस सरकार का संरक्षण था चार गुना अधिक दाम पर किसान जमाखोरों से 460 का यूरिया 2000 में और 1350 का डीएपी 4 हजार तक में खरीदने मजबूर हुए फिर भी पर्याप्त खाद किसानों को नहीं मिल पाया, अब आगामी खरीफ सीजन में भी यही स्थिति बनती हुई दिख रही है। आगामी खरीफ सीजन में लगभग साढ़े सात लाख मीट्रिक टन यूरिया और साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन डीएपी की आवश्यकता होगी।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर कोपरा जलाशय में जागरूकता कार्यक्रम

जैव विविधता के संरक्षण के लिए सरकारी प्रयास के साथ समाज की भागीदारी जरूरी

■ स्वच्छता अभियान, बर्ड वॉक और सीड बॉल निर्माण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर कोपरा रिजर्वायर परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन को लेकर जनजागरण कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधता के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रकृति संरक्षण के लिए सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था। आयोजकों ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

स्वच्छता से हुई शुरुआत

कार्यक्रम की शुरुआत क्लीनलीनेस ड्राइव से हुई। नागरिकों, स्वयंसेवकों और पर्यावरण प्रेमियों ने जलाशय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने स्वच्छ और हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।

बर्ड वॉक में पक्षियों का अवलोकन

इसके बाद आयोजित बर्ड वॉक में प्रतिभागियों ने क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न पक्षियों का अवलोकन किया। विशेषज्ञों ने बताया कि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में पक्षियों की अहम भूमिका है। उन्होंने पक्षियों और जैव विविधता के पारस्परिक संबंधों की जानकारी दी।

सीड बॉल निर्माण बना आकर्षण

वृक्षारोपण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित सीड बॉल निर्माण गतिविधि आकर्षण का केंद्र रही। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सीड बॉल तैयार किए। यह पहल वन क्षेत्र विस्तार और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हस्ताक्षर अभियान से जताई प्रतिबद्धता

जैव विविधता संरक्षण, प्रकृति संवर्धन और वन्यजीव सुरक्षा के प्रति उपस्थित लोगों ने हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता जताई। सभी ने पर्यावरण बचाने और भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सामाजिक संगठनों, विद्यार्थियों, नागरिकों और प्रकृति प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सतत विकास के संदेश के साथ हुआ।

एनएमडीसी अपोलो अस्पताल में प्राइवेट मरीजों की जान से खिलवाड़? डायलिसिस सुविधा पर उठे सवाल

■ **सरकारी अस्पताल की मशीन बंद, एनएमडीसी में सुविधा शुरू फिर भी निजी मरीजों को इंतजार**

बचेली/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में डायलिसिस यूनिट तकनीकी खराबी के कारण बंद पड़ी है, जिसके चलते किडनी मरीजों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को मजबूरन रायपुर, हैदराबाद और विशाखापट्टनम जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा है। इस बीच एनएमडीसी अपोलो अस्पताल बचेली में हाल ही में डायलिसिस एवं सीटी स्कैन यूनिट का शुभारंभ होने के बाद स्थानीय लोगों को राहत की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब इस सुविधा को लेकर दोहरे मापदंड के आरोप सामने आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, बीते दिनों एनएमडीसी के सीएमडी के आगमन पर अस्पताल में अत्याधुनिक डायलिसिस और सीटी स्कैन सुविधा शुरू की गई। कुछ दिनों तक परीक्षण के बाद सेवाएं प्रारंभ भी कर दी गईं, लेकिन आरोप है कि फिलहाल इन सुविधाओं का लाभ केवल एनएमडीसी कर्मियों एवं आदिवासी वर्ग के मरीजों को दिया जा रहा है, जबकि निजी मरीजों को यह कहकर वापस किया जा रहा है कि अभी तक शुल्क निर्धारित नहीं हुआ है।

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब डायलिसिस जैसी जीवन रक्षक सुविधा उपलब्ध है, तब गंभीर किडनी रोगियों को इलाज से वंचित क्यों रखा जा रहा है? कई मरीज ऐसे हैं जिन्हें सप्ताह में कई बार, तो कुछ को प्रतिदिन डायलिसिस की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में समय पर उपचार नहीं मिलने से मरीजों की जान पर खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएमडीसी द्वारा क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात अलग नजर आते हैं। जिला अस्पताल की डायलिसिस यूनिट बंद होने और एनएमडीसी अस्पताल में निजी मरीजों को सुविधा नहीं मिलने से आम जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है। मरीजों एवं परिजनों का आरोप है कि यदि मशीनें चालू हैं तो फिर जरूरतमंदों को सुविधा देने में देरी क्यों की जा रही है? स्वास्थ्य सेवाओं में इस प्रकार की भेदभावपूर्ण व्यवस्था कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

दो दिनों में होगी चालू

इस संबंध में एनएमडीसी अपोलो अस्पताल बचेली की सीएमए डॉ. श्यामली रॉय ने कहा कि – डायलिसिस यूनिट प्राइवेट मरीजों के लिए एक-दो दिन में चालू कर दी जाएगी। मैनेजमेंट द्वारा शुल्क तय किया जाना था, इसी वजह से विलंब हुआ। फिलहाल क्षेत्र के मरीजों और उनके परिजनों की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आखिर यह सुविधा आम लोगों के लिए कब तक पूरी तरह शुरू होगी और लोगों को बड़े शहरों के चक्कर लगाने से राहत कब मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर्यावरण सुरक्षा पर ज़ोर

काँकेर/नवप्रदेश। विश्व जैव विविधता दिवस वन विभाग के सौजन्य से मनाया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि जन सहयोग समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में बताया कि आज पर्यावरण सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता है और विशेषकर हमारे काँकेर के संदर्भ में यहां की जीवन रेखा दूध नदी का संरक्षण ,ऐतिहासिक तालाबों का संरक्षण आदि अति आवश्यक विषय हैं ,जिन पर हमारी संस्था वर्षों से कार्य कर रही है । हम किसी से आर्थिक सहयोग नहीं चाहते किंतु इतना सक्रिय सहयोग अवश्य चाहते हैं कि नदी तालाब में घरों और दुकानों का कचरा ना डालें। क्योंकि ऐसा करने से होता यह है कि हम लोग जितनी सफ़ाई करते हैं, उतना ही कचरा फिर जमा हो जाता है। फिर हमारे प्रयास सार्थक नहीं रह पाते। अतः स्वच्छता अभियान में पूरी सफलता के लिए आवश्यक है कि आम जनता तथा दुकानदार अपना कचरा नगर पालिका की वाहनों को दें तथा नदी तालाबों पर दया करें।अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 22 मई 2026 के इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अजय पप्पू मोटवानीजी, डॉ शैलेंद्र सिंह, प्राचार्य पॉलिटेक्निक कॉलेज काँकेर प्रवीण गुप्ता, समाजसेवी काँकेर टी के जैन भूतपूर्व सैनिक काँकेर मनोज दुबे समाजसेवी काँकेर एवं वन विभाग के अधिकारी गण उपवन मंडल अधिकारी काँकेर, वन परिक्षेत्र अधिकारी काँकेर, वन परिक्षेत्र अधिकारी सरोना, वन परिक्षेत्र अधिकारी नरहरपुर, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोरर, वन परिक्षेत्र अधिकारी चारामा, एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरहरदेव के शिक्षक अमित कुमार सिंह , सौरभ साहू एवं अन्य कर्मचारी तथा ग्रामीण उपस्थित थे।

क्वार्टर फाइनल में मेघालय की शानदार जीत,केरल का सफर थमा

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्वामी विवेकानंद अंडर-20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मेघालय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केरल को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। आरके आश्रम ग्राउंड में खेले गए इस मुकाबले में मेघालय की टीम शुरू से ही आक्रामक अंदाज में नजर आई और पहले हाफ में ही दो गोल दागकर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। केरल की टीम पूरे मैच में वापसी की कोशिश करती रही, लेकिन मेघालय की सुदृढ़ रक्षापंक्ति और अनुशासित खेल के सामने उसकी एक नहीं चली।मैच की शुरुआत से ही मेघालय के खिलाड़ियों ने तेज आक्रमण किया। 17वें मिनट में मेबनलामलिंटी मशारिंग ने शानदार गोल दागकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद केरल पर दबाव बढ़ गया और मेघालय ने खेल की गति अपने नियंत्रण में रखी। पहले हाफके अंतिम क्षणों में 44वें मिनट के आसपास मेघालय ने एक और गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे केरल की मुश्किलें और बढ़ गईं।

बचेली के युवा चढ़ रहे नशे की गिरफ्त में

मेडिकल दुकानों से खुलेआम बिक रहीं नशे में इस्तेमाल करने वाली दवाइयां

■ **बिना डॉक्टर की पर्ची मिल रही प्रेगाबलिन जैसी दवाएं**

■ **नगरवासियों ने की सख्त कार्रवाई की मांग**

बचेली/नवप्रदेश। नगर में युवाओं के बीच नशे का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले जहां मामला गांजा, शराब और कफसिरप जैसे नशों तक सीमित था, वहीं अब मेडिकल दुकानों से मिलने वाली दवाइयों का दुरुपयोग तेजी से बढ़ने लगा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई मेडिकल स्टोर्स में बिना डॉक्टर की सलाह और वैध पर्ची के युवाओं को दवाइयां आसानी से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार नगर का एक बड़ा युवा वर्ग नशे की गिरफ्त में आ चुका है। कुछ युवक गांजा और अन्य मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, तो कई अब दवाइयों के जरिए नशा करने लगे हैं। हाल के दिनों में ÷प्रेगाबलिन 75 एमजी÷ नामक दवा का उपयोग युवाओं के बीच तेजी से बढ़ा है। आरोप है कि मेडिकल दुकानों से यह दवा बिना किसी चिकित्सकीय पर्चे के खुलेआम बेची जा रही है।

जानकारी के मुताबिक प्रेगाबलिन प्रतिबंधित दवा नहीं है, लेकिन इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने इसे ÷शेड्यूल ॥1÷ श्रेणी में रखा है। नियमों के अनुसार इस दवा की बिक्री केवल रजिस्टर्ड डॉक्टर के वैध पर्चे पर ही की जा सकती है। साथ ही मेडिकल संचालकों को मरीज का नाम, डॉक्टर का नाम और बेची गई मात्रा का पूरा रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य होता है। बावजूद इसके नगर में नियमों की खुलेआम अनदेखी किए जाने के आरोप लग रहे हैं।

स्थानीय युवाओं और नागरिकों का कहना है कि पहले नीले कैप्सूल, कोरेक्स सिरप और नींद की दवाओं का दुरुपयोग होता था, लेकिन अब युवा लगातार नए-नए नशे के विकल्प तलाश रहे हैं। इसी कड़ी में प्रेगाबलिन जैसी दवाओं का सेवन तेजी से बढ़ा है। डाक्टरों के अनुसार इस दवा का अधिक मात्रा में सेवन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। लंबे समय तक दुरुपयोग से व्यक्ति में चक्कर, सुस्ती, मानसिक असंतुलन और नशे की लत जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

मामले को लेकर अब ड्रग इंस्पेक्टर की निगरानी और कार्यशैली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। नगरवासियों का आरोप है कि मेडिकल दुकानों में नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई करने के बजाय मौन बना हुआ है।

कलेक्टर ने आत्मसमर्पित महिला को सौंपा ऋण का चेक

कांकेर/नवप्रदेश। राज्य शासन की मंशानुरूप आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज अपने कक्ष में कोयलीबेड़ा विकासखण्ड के ग्राम सरगीकोट निवासी आत्मसमर्पित महिला माओवादी श्रीमती प्रमिला मण्डावी को एक लाख रूपए का चेक किराना व्यवसाय संचालित करने के लिए चेक सौंपा। उक्त चेक महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ महिला कोष योजना के तहत प्रदाय किया गया।

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

इसके अलावा कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने नरहरपुर निवासी श्रीमती अहिमत रावटे एवं श्रीमती लोकेश्वरी रसिया को स्थानीय व्यंजन विक्रय केन्द्र (मिलेट कार्ट) के संचालन हेतु एक-एक लाख रूपए के ऋण का चेक उक्त योजनांतर्गत प्रदान किया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ महिला कोष के तहत महिला स्व-सहायता समूहों को ऋण तथा व्यक्तिगत महिलाओं को सक्षम योजना के तहत प्रथम बार में अधिकतम दो लाख रूपए की ऋण सहायता राशि तीन प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर दिया जाता है।

त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनावः चारामा जनपद में नामांकन प्रक्रिया पूर्ण

चारामा/नवप्रदेश। जनपद पंचायत क्षेत्र में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नामांकन दाखिल करने और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी तस्वीर साफहो चुकी है। जनपद पंचायत द्वारा सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं, जिसके साथ ही प्रचार का दौर शुरू हो गया है। आगामी 1 तारीख को मतदान संपन्न होगा।

किशनपुरी सरपंच पदः त्रिकोणीय से अब सीधा मुकाबला-

ग्राम पंचायत किशनपुरी में सरपंच पद के लिए मुकाबला बेहद दिलचस्प मोड़ पर आ गया है। पहले यहाँ त्रिकोणीय मुकाबले की उम्मीद थी, लेकिन वर्तमान कार्यवाहक सरपंच देवेंद्र नेताम द्वारा अपना नाम वापस लेने के बाद अब चुनावी मैदान में केवल दो दिग्गज आमने-सामने हैं- दुर्गा प्रसाद रावटे, इंद्र कुमार करबागिया (पूर्व सरपंच)।

पंच पदों की स्थितिः कहीं निर्विरोध, तो कहीं मैदान खाली
7 ग्राम पंचायतों के विभिन्न वार्डों में पंच पदों के लिए स्थिति इस प्रकार हैः

गीतपहर (वार्ड 03): यहाँ 2 उम्मीदवारों ने नामांकन भरा था, लेकिन 1 प्रत्याशी द्वारा नाम वापस लेने के बाद यह चुनाव निर्विरोध संपन्न हो गया है।

यहाँ होगा सीधा मुकाबला (2-2 उम्मीदवार): बासनवाही (वार्ड 04), दरगाहन (वार्ड 05) और पंडरी पानी (वार्ड 03) में दो-दो उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होगा।

एक-एक नामांकन (निर्विरोध की संभावना): लखनपुरी (वार्ड 08), कहाड़गोदी (वार्ड 12) और मुड़खुसरा (वार्ड 02) में केवल 1-1 उम्मीदवार ने ही पर्चा भरा है।खाली रहा वार्डः मुड़खुसरा के वार्ड क्रमांक 04 में वर्तमान स्थिति के अनुसार एक भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है, जिससे यह सीट खाली रह गई है।

जिओ टॉवर से 9 लाख की बैटरी चोरी के आरोपी कंपनी के निकले

05 आरोपी गिरफ्तार बाकी आरोपियों की तलाश जारी

कांकेर/नवप्रदेश। रावघाट में जिओ टाँवर में लगे बैटरी को चोरी करने वाले 05 आरोपीयो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 05 चोर जिओ कम्पनी में काम करने वाले निकले।इन पांच आरोपियों से क़रीब 9 लाख की बैटरी जब्त किया है। आरोपियों को पकड़ने में थाना रावघाट एवं काईम टीम की अहम भूमिका रही।घटना का संक्षिप्त विवरण मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम वर्षे में लगे जिओ कम्पनी के टॉवर में लगे सोलर प्लेट की 72 नग बैटरी को 28 मार्च 2026 से 15अप्रैल 2026 के चीच कोई अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले जाने बताने पर प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना रावघाट में अपराध क्रमांक 03/2026 थारा 303(2), 3(5) भान्यासं. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए निखिल अशोक राखेचा पुलिस अधीक्षक कांकेर के मार्गदर्शन आशीष बंधोर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतागढ के निर्देशन गिरिजा शंकर साव उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में व थाना प्रभारी राम कुमार साय के नेतृत्व में प्रकरण की विवेचना के दौरान चोरी गये समान एवं आरोपियों के पता साजी हेतु थाना रावघाट एवं काईम टीम को मिलाकर विशेष टीम गठित किया गया, विवेचना के दौरान पता साजी करने पर जिओ टॉवर की बैटरी चोरी करने वाले संदिग्ध व्यक्ति देवराज बघेल एवं माखन तुमरेकी दोनो निवासी दल्ली राजहरा जिला बालोद की सूचना मिलने पर दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर ग्राम वर्चे में लगे जिओ टॉवर की 72 नग बैटरी माह अप्रैल 2026 में अन्य साथियों एली मसीह, राजेश यादव के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया तथा जिओ टॉवर के बैटरियों चोरी करते समय वेन्यू कार स्विफ्ट डिजायर कार एवं पिकअप वाहन का उपयोग करते थे तथा चोरी की गयी बैटरी को राजेश नेताम (बिहारी) कवाड़ी को बेचते थे। प्राप्त पैसे को आरोपीगण आपस में बांट लेते थे, आरोपीगणों से घटना में उपयोग की गयी वेन्यू कार सी0जी0 13 ए0के0 9607, बोरी हुए जिओ कम्पनी की 24 नग बैटरी, जिओ कम्पनी का जैकेट हैलमेट, पाना पेन्चिस नगद 5300 रूपये को जप्त किया गया है 19 मई 2026 को आरोपीगणों की विधिवत गिरफ्तारी कर रिमाण्ड फार्म तैयार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।अपराध में संलिप्त अन्य आरोपियों की पता तलाश की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त व विवरण एवं आपराधिक रिकार्डः माखन तुमरेकी पिता स्व.आनंदी तुमरेकी उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 01 पन्डरदल्ली दल्लीराजहरा थाना राजहरा जिला बालोद देवराज बघेल पिता गजराज बघेल उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक वल्लभ नगर पटेल कालोनी दल्ली राजरहा थाना दल्ली राजरहा जिला बालोद.एली मसीह पिमा रोमी मसीह उम्र 28 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11 मथुरा नगर चिखलाकसा थाना राजहरा जिला बालोद.राजेश यादव पिता हेम कुमार यादव उम्र 29 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 26 चंदेलीभाठा दल्ली राजरहा थाना राजहरा जिला बालोद.राजेश नेताम पिता छोटेलाल नेताम उम्र 30 वर्ष, निवासी वार्ड कामक 03 पटेल कालोनी दल्ली राजहरा थाना राजहरा जिला बालोद शमिल है।

स्तर के स्वाभिमान और जल-जंगल-जमीन की रक्षा का सवाल

विधायक सावित्री मंडावी ने गृहमंत्री अमित शाह से पूछे तीखे सवाल

चारामा/नवप्रदेश। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के दौरान सियासत पूरी तरह गर्मा गई है। एक ओर जहां भारतीय जनता पार्टी इस दौरे को बस्तर के विकास और नक्सलवाद के खात्मे के ऐतिहासिक पड़ाव के रूप में देख रही है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस ने बस्तर के मूल अस्तित्व और आदिवासियों के अधिकारों को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

भानुप्रतापपुर क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी और बस्तर संभाग के जनप्रतिनिधियों ने गृहमंत्री के इस दौरे का स्वागत तो किया, लेकिन साथ ही बस्तर के आम जनमानस की चिंताओं को सामने रखते हुए 14 सूत्रीय मांग पत्र (ज्ञापन) सौंपकर सीधे तीखे सवाल दागे हैं।

विकास या उद्योगपतियों को फायदा शोषण पर उठे सवाल

विधायक सावित्री मंडावी ने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की है कि जिन-जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, वहां अक्सर 'विकास' का मुखौटा लगाकर स्थानीय स्तर पर केवल बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। इसके कारण जल-जंगल-जमीन से जुड़े मूल निवासियों और आदिवासियों का शोषण तेजी से बढ़ा है। इसी संदर्भ में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री को यह ज्ञापन सौंपकर त्वरित समाधान की मांग की है।

मांग पत्र के वो 14 सवाल, जिन्होंने हिला दी बस्तर की कूटनीतिः

1. नगरनार और खदानों का निजीकरण क्यों

नगरनार स्टील प्लांटः विनिवेशीकरण (निजीकरण) की सूची में शामिल एनएमडीसी स्टील प्लांट को न बेचने की क्या केंद्र सरकार लिखित गारंटी देगी

बैलाडीला की खदानेंः बैलाडीला के महत्वपूर्ण डिपॉजिट 1, 1क्क को आर्सेलर मित्तल और डिपॉजिट 1ष्ट को रूंगटा स्टील एवं हाहालदी लौह अयस्क जैसी निजी कंपनियों को क्यों बेचा गया

नंदराज पहाड़ः आदिवासियों के आस्था के केंद्र नंदराज पहाड़ की विवादित लीज को अब तक रद्द क्यों नहीं किया गया

2. स्थानीय आदिवासियों पर मुकदमे और बंद स्कूल

निर्दोष आदिवासियों की रिहाईः बस्तर की जेलों में बंद 4 हजार से अधिक निर्दोष आदिवासियों और 20 हजार से अधिक ग्रामीणों पर दर्ज फर्जी मुकदमों व स्थायी वारंटों को सरकार कब वापस लेगी

2000 स्कूल बंद क्योंः बस्तर संभाग के अंदरूनी इलाकों में लगभग 2000 से अधिक सरकारी स्कूलों को किस नीति के तहत बंद किया गया उन्हें दोबारा कब खोला जाएगा

3. बस्तर का हकः मुख्यालय और विशेष आर्थिक पैकेज

एनएमडीसी मुख्यालयः एनएमडीसी का मुख्य प्रशासनिक मुख्यालय हैदराबाद से जगदलपुर (बस्तर) कब स्थानांतरित किया जाएगा

50 हजार करोड़ का पैकेजः बस्तर संभाग के सर्वांगीण विकास के लिए बस्तरवासियों की मांग के अनुरूप 50 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज केंद्र सरकार कब जारी करेगी

ग्राम पंचायतों को फंडः बस्तर सहित छत्तीसगढ़ के सभी नक्सल प्रभावित जिलों की प्रत्येक ग्राम पंचायत को विकास के लिए 1-1 करोड़ रुपये की राशि कब मिलेगी

4. बुनियादी बदहाली, धान घोटाला और महंगाई

सड़क और पुल-पुलियाः पिछले वर्ष की भारी बारिश से बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा में ध्वस्त हुए पुल-पुलियों और सड़कों की मरम्मत अब तक क्यों नहीं हुई इस मानसून में सैकड़ों गांवों का संपर्क कटने की नौबत पर प्रशासन मौन क्यों है

धान की बर्बादीः बस्तर में 10 करोड़ रुपये मूल्य का धान ओडिशा तस्करी होते पकड़ा गया और 3 लाख क्विंटल धान सड़कर बर्बाद हो गया। इस भारी नुकसान का जिम्मेदार कौन है और दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई

कलेपाल में खुला स्वरोजगार का नया रास्ता

दंतेवाड़ा जगदलपुर/नवप्रदेश। कुआकोंडा ब्लॉक के ग्राम कलेपाल और आसपास के ग्रामीणों के लिए अब रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना आसान होगा। नवरत्न कंपनी एनएमडीसी की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत गांव में तीन नवनिर्मित दुकानों का लोकार्पण किए जाने से ग्रामीणों को अब सामान खरीदने-बेचने के लिए 12 किलोमीटर दूर किरंदुल का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। गांव में ही बाजार सुविधा उपलब्ध होने से न केवल लोगों का समय और खर्च बचेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कलेपाल के साथ चोलनार,टिकनपाल,पालनार और गुमियापाल सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी इस पहल का सीधा लाभमिलेगा,जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मंत्री अग्रवाल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधा संवाद कर सुनीं समस्याएं

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिले में नागरिकों समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

आज लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत पुहपुटरा क्लस्टर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। वहीं शिविर में प्राप्त नवीन आवेदनों में मांग के 770 एवं शिकायत के 54 कुल 824 आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को तय समय-सीमा में निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। जनसमस्या निवारण शिविर में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। संवाद के दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से निराकरण सुनिश्चित किया जाए साथ ही आवेदकों को उनके आवेदन की स्थिति एवं समाधान की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य गांव के अंतिम छोर पर रहने वाले पात्र व्यक्ति तक शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया विष्णु देव साय द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान

में रखते हुए इस अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत विभिन्न क्लस्टरों में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। शासन की मंशा है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि गांव स्तर पर ही उन्हें राहत मिल सके। पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने कहा कि समाधान शिविर केवल शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने का भी प्रभावी मंच है। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि पात्र हितग्राही इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन स्तर में सुधार कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक हितग्राही को उनके आवेदन के समाधान की जानकारी समय पर प्राप्त हो, जिससे शासन के प्रति लोगों का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में एक अनूठी पहल है

न्यूज गैलरी

3 मई को विकासखण्ड मैनपाट में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। 'सुशासन तिहार-2026' अंतर्गत 23 मई को विकासखण्ड मैनपाट के उडुमकेला के शिविर स्थल उडुमकेला में शिविर लगेगा। जिसमें 11 ग्राम पंचायतों कुनिया, नर्मदापुर, उरंगा, बरिमा, कलजीवा, असकरा, उडुमकेला, जजगा, कोट, काराबेल, वंदना के ग्रामीण अपने मांगो एवं शिकायतों सम्बन्धी आवेदन देंगे। शिविर प्रभारी अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर एवं सहायक प्रभारी अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैनपाट होंगे। इसी प्रकार नगर पंचायत सीतापुर में शिविर स्थल मा.शा. केशला के पास 02 वार्डों हेतु शिविर लगेगा। जिसमें वार्ड क्रमांक 7 एवं 8 वार्ड शामिल हैं। शिविर प्रभारी अधिकारी उप अभियंता मुकेश दुबे एवं सहायक प्रभारी अधिकारी सहायक ग्रेड-3 विक्रांत सोनी होंगे। बता दें शासन के निर्देशानुसार जन शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने तथा आम जनता को सुगम, पारदर्शी एवं त्वरित रूप से सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत 10 जून तक जिले में शिविर आयोजित होंगे।

प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 28 लाख की आर्थिक स्वीकृत

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। अपर कलेक्टर सरगुजा द्वारा प्राकृतिक आपदा में मृतकों के वारिसों को 28 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिसमें तहसील मैनपाट के कुनिया निवासी सुहानो मझवार की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस सुशील माझी, तहसील मैनपाट के कुनिया निवासी रामप्रसाद की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर हीरासाय, तहसील मैनपाट के असगंवा निवासी पिलो मझवार की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस रामजीत मझवार, तहसील मैनपाट के सपनादर निवासी मुन्ना मांझी की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस शांतिबाई, तहसील रघुनाथपुर के करदोनी निवासी अनिल यादव की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस राजेश यादव, तहसील रघुनाथपुर के केपी निवासी बिता गिरी की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस एतवारी एवं तहसील सीतापुर के ढेकीटोली निवासी मुनेश्वर चैहान की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर उनके वारिस कलावती बाई को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। इस राशि की मंजूरी राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड 6-4 संशोधित प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत दी गई है।

सुशासन तिहार में बिना भटके पूरा हुआ फौती नामांतरण का काम

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित जन समस्या निवारण शिविरों में लोगों की मांगों एवं शिकायतों का मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सिरकोतंगा के रहने वाले श्री ओम प्रकाश सिंह ने सुशासन तिहार के अंतर्गत फौती नामांतरण के लिए आवेदन दिया था। उनके आवेदन पर राजस्व विभाग द्वारा प्राथमिकता के साथ निराकृत करते हुए फौती नामांतरण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। श्री सिंह ने बताया कि पहले इस प्रकार के कार्यों के लिए लोगों को कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन सुशासन तिहार के माध्यम से उनका कार्य आसान हो गया और तय-समय में पूरा हुआ। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें कहीं भटकना नहीं पड़ा और बिना किसी परेशानी के उनका फौती नामांतरण हो गया। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का तहेदिल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल से ग्रामीणों की समस्या का समाधान हो रहा है। उन्होंने सुशासन तिहार की इस व्यवस्था की सराहना करते हुए और अपनी संतुष्ट जाहिर की। ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। शिविर में राजस्व, पंचायत, सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य विभागों से संबंधित आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में समाधान शिविर आयोजित किए जाने से आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है।

किसान क्रेडिट कार्ड से अब समय पर मिलेगी खाद-बीज और बढ़ेगी आय

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और कृषि कार्यों को सुगम करने के उद्देश्य से शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रभाव दिखने लगा है। जिले में आयोजित श्सुशासन तिहारश् के तहत मुड़गांव में लगाए गए समाधान शिविर में ग्राम परसा के किसान दिनेश कुमार यादव को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ प्रदान किया गया। केसीसी कार्ड के मिलने से दिनेश की खेती-किसानी से जुड़ी सबसे बड़ी आर्थिक चिंताएं अब दूर हो गई हैं। किसान क्रेडिट कार्ड प्राप्त करने के बाद हर्ष व्यक्त करते हुए दिनेश कुमार यादव ने बताया कि अब उन्हें कृषि कार्यों के लिए शासन की ओर से समय पर खाद, बीज और आवश्यक धनराशि उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने अपनी पूर्व की परेशानियों को साझा करते हुए कहा कि पहले समय पर नगद राशि नहीं मिल पाने के कारण रोपा लगाने और कृषि कार्यों के लिए मजदूरों को मजदूरी देने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना प्राथमिकता: अग्रवाल

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को जिला पंचायत के वीसी कक्ष में जिले में आमजनों हेतु जरूरी सड़क, बिजली, पेयजल सहित व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। इसके लिए विभागीय अधिकारी अपने कर्त्तव्यों का गम्भीरता से निर्वहन करें। आमजन की समस्या का यथाशीघ्र निराकरण कर उन्हें लाभान्वित किया जाए। सभी विभाग आपसी सामंजस्य के साथ कार्य करें, लोगों को शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। आगामी मानसून से पूर्व विभाग आवश्यक तैयारी कर लें। शेष निर्माण कार्य, मरम्मत, सुधार सहित अन्य कार्य समय सीमा में पूरा करें, ताकि आमजनों को समस्या का सामना ना करना पड़े।

बैठक में मंत्री अग्रवाल ने सर्वप्रथम जिले में विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं, बिजली कटौती, ट्रांसफार्मर सुधार, लो-वोल्टेज की शिकायतों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्वीकृत सभी सब स्टेशन कार्य शुरू कर जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि आमजनों को बिजली से सम्बंधित समस्या का सामना ना करना पड़े। उन्होंने प्रस्तावित सब स्टेशनों का तत्काल प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रेषित करने कहा, वहीं शहर में प्रस्तावित 5 सब स्टेशनों को अग्रिम आधिपत्य के लिए नगर निगम को निर्देशित किया गया। उन्होंने अधिकारियों से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के शेष हितग्राहियों की पंचायतवार सूची तैयार कर सरपंच सचिवों को उपलब्ध कराने कहा, ताकि हितग्राहियों को जल्द योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा बारिश और गर्मी के मौसम को देखते हुए आपातकालीन टीम सक्रिय रहे, उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान हो। बैठक में मंत्री अग्रवाल ने जिले में सड़क व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सड़कों के सुधारीकरण, लंबित निर्माण कार्यों में तेजी लाने और ठेकेदारों पर गुणवत्ता के मानकों का पालन करने के लिए कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश से पूर्व सभी निर्माण कार्य प्राथमिकता के साथ पूरे हो जाएं, आमजनों को आवागमन में समस्या ना हो। उन्होंने कार्यपालन अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग को शहर में सड़कों के जल्द मरम्मत और सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए। चिन्हांकित जलभराव वाले क्षेत्रों को नगर निगम की टीम के साथ समन्वय कर सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों में प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शहर में ऐसे कई स्थान हैं जहां जर्जर भवनों को हटाकर शासकीय आवास बनाए जा सकते है, ऐसे स्थानों का चिन्हांकन करें। सिविल लाइन में नए शासकीय आवासों के निर्माण हेतु स्थल निरीक्षण कर कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने मेडिकल कॉलेज के शेष निर्माण कार्य को जल्द पूर्ण करवाने निर्देशित किया। उन्होंने अम्बिकापुर शहर में महामाया चैक से बंगाली चैक के बीच सड़कों में गड्ढे भरवाकर मरम्मत करवाने, मनेन्द्रगढ़ रोड में पीजी कॉलेज ग्राउण्ड के सामने जलभराव की स्थिति में सुधार हेतु मरम्मत कार्य करवाने कहा।

इस दौरान शहर में पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट तथा जल निकासी जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली गई। उन्होंने आगामी मानसून को देखते हुए जलभराव की समस्या से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियाँ करने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया। उन्होंने अवैध कब्जों पर आवश्यक कार्यवाही करने, किराया ना देने वाले दुकानों से वसूली करने कहा। बैठक में आमजनों की मूलभूत आवश्यकताओं से सम्बंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर मंत्री श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए।

किसानों का आरोप-डीजल की हो रही कालाबाजारी

सक्ती/नवप्रदेश। सक्ती जिले के हसौद क्षेत्र में डीजल की कालाबाजारी का मामला चर्चा में है। किसानों और ट्रैक्टर मालिकों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र के कुछ बड़े रसूखदार लोग भारी मात्रा में डीजल का स्टॉक कर रहे हैं। इससे किसानों और वाहन चालकों को पर्याप्त डीजल नहीं मिल रहा।

ग्रामीणों का कहना है कि पेट्रोल पंपों पर दिनभर डीजल खत्म होने की बात कही जाती है। रात में ज्यादा कीमत लेकर चोरी-छिपे डीजल बेचा जाता है। खेती-किसानी के सीजन में डीजल की कमी से कृषि काम प्रभावित हो रहे हैं। ट्रैक्टर संचालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। ट्रैक्टर मालिकों ने पेट्रोल पंप संचालकों पर कम डीजल देने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि टंकी फुल कराने के बाद घर पहुंचकर जांच करते हैं। टंकी में 10 से 15 लीटर तक डीजल कम निकलता है। इसे लेकर कई बार शिकायत की गई। अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नाम न छापने की शर्त पर बताया गया कि कुछ पेट्रोल पंप संचालकों और रसूखदार लोगों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से डीजल स्टॉक की जांच कराने की मांग की है। पेट्रोल पंपों की नियमित मॉनिटरिंग की मांग की है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों और किसानों ने चेतावनी दी है कि जल्द कालाबाजारी पर रोक नहीं लगी तो आंदोलन करेंगे।

खुलासा: 'ऑपरेशन हंट' के तहत 3 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। थाना बिर्रा क्षेत्र के ग्राम करही में हुए चर्चित गोलीकांड मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान 'ऑपरेशन हंट' के तहत इस सनसनीखेज हत्याकांड में शामिल 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। घटना करीब एक माह पुरानी है, जिसमें अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी थी तथा उसके छोटे भाई को गंभीर रूप से घायल कर दिया था।पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या के पीछे

उधारी के पैसों को लेकर विवाद, व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा और मृतक की बढ़ती आर्थिक स्थिति को लेकर आरोपियों में द्वेष और जलन की भावना थी। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक पिस्टल, मैगजीन, एक खाली मैगजीन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत कुमार बघेल (23), भूषण बघेल (23) और अमित टंडन (28) सभी निवासी ग्राम करही शामिल हैं। घटना 23-24 अप्रैल 2026 की रात की है, जब तीन नकाबपोश बदमाशों ने पहले घर के ष्ट्टञ्जङ्क कैमरे तोड़े और फिर घर में घुसकर फायरिंग की। आरोपियों ने पहले मृतक के पिता के कमरे को बंद किया और बाद में आयुष कश्यप पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की। बीच-बचाव करने आए भाई को भी गोली लगी थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार गिरे, 1 युवक की मौत

जांजगीर/नवप्रदेश। जिले के हसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत हसौद-परसदा मार्ग में गुरुवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। परसदा रोड स्थित कश्यप ढाबा के पास तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, लीवो होंडा बाइक गाड़ी में सवार दो युवक हसौद से अपने गांव डोटमा लौट रहे थे। इसी दौरान परसदा रोड पर कश्यप ढाबा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दिलेश्वर पटेल पिता रेशम लाल पटेल निवासी ग्राम डोटमा (बरेकेल) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक में पीछे बैठे किशन पटेल पिता जगदीश पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए जैजैपुर अस्पताल रेफर किया है।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर सरगुजा वनमंडल का आयोजन

'स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव' थीम पर संरक्षण का संदेश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर सरगुजा वनमंडल द्वारा काष्ठागार अम्बिकापुर (टिम्बर डिपो) में वनमंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण हेतु सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह रहीं। विशेष अतिथि के रूप में सभापति हरमिंदर सिंह उपस्थित रहे। पार्षद नगर निगम अम्बिकापुर शैलेष सिंह भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वनमंडलाधिकारी सरगुजा अम्बिकापुर अभिषेक जोगावत द्वारा की गई। मुख्य अतिथि निरुपा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जैव विविधता हमारी प्राकृतिक धरोहर है और इसके संरक्षण के बिना सतत विकास संभव नहीं है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। विशेष अतिथि हरमिंदर सिंह ने कहा कि जंगल, वन्यजीव एवं जल स्रोत केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि मानव जीवन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की भी आधारशिला हैं। उन्होंने जनसहभागिता के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण को और मजबूत बनाने पर बल दिया। वनमंडलाधिकारी अभिषेक जोगावत ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 की थीम 'स्थानीय स्तर पर कार्य, वैश्विक प्रभाव' पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण, स्थानीय प्रजातियों का संरक्षण तथा सामुदायिक वन संरक्षण जैसे छोटे-छोटे प्रयास भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सुशासन तिहार — विभागीय अधिकारियों के माध्यम से ग्रामीणों को मिली योजनाओं की जानकारी

विधायक और कलेक्टर ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, सुनीं समस्याएं

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार संचालित सुशासन तिहार अंतर्गत जिले के लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत बिल्हमा क्लस्टर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 19 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित मांग के 361 एवं शिकायतों के 21 कुल 382 आवेदन प्राप्त हुए, प्राप्त आवेदनों में से 23 मांग आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष लंबित आवेदनों को संबंधित विभागों को प्रेषित कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की।जन समस्या निवारण शिविर में विधायक श्री मिंज एवं कलेक्टर श्री वसंत ने ग्रामीणों से संवाद कर मांग एवं शिकायतें सुनीं, इस दौरान उन्होंने संबंधित विभाग अधिकारियों को ग्रामीणों की मांग एवं शिकायतें नोट कर तय समय-सीमा में निराकरण कर आवेदकों को सूचित करने के निर्देश दिए। विधायक श्री मिंज ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए

कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर आम जनता को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दे रहा है तथा मांगों एवं शिकायतों का नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी समस्याओं को खुलकर प्रशासन के समक्ष रखने की अपील की, ताकि समय पर समस्याओं का समाधान एवं योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी क्षेत्र की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विष्णु के सुशासन की सरकार में स्वीकृत कार्य एवं क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा की।कलेक्टर अजीत वसंत ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार शासन की ऐसी पहल है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण कर उन्हें योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री वसंत ने जनप्रतिनिधियों एवं सरपंचों से कहा कि गांवों में संचालित शिक्षा, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी एवं अन्य शासकीय संस्थाओं के विकास एवं सुधार के लिए जनसहभागिता आवश्यक है। सभी के सामूहिक प्रयास एवं समन्वय से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की सुशासन तिहार आप की मांग और शिकायतों के निराकरण सशक्त माध्यम है। शिविर में राजस्व विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग सहित कुल 29 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे।

दाऊपारा चौक से लोरमी मार्ग तक हटे अवैध कब्जे, सड़कें हुईं चौड़ी और साफ

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर में आज दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। अभियान के दूसरे चरण में आज दाऊपारा चौक से लेकर लोरमी मार्ग और सर्किट हाउस चौक तक जेसीबी के माध्यम से ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई।वही दूसरे दिन इस अभियान की कमान एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने संभाली वही उनके साथ एसडीएम अजय शतरंज, तहसीलदार कुणाल पाण्डेय, नगर पालिका सीएमओ होरी सिंह ठाकुर सहित अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

दूसरे दिन चले इस अभियान में प्रशासन की सख्ती को देखते हुए व्यापारियों और आम नागरिकों ने भी अपनी जिम्मेदारी समझी और स्वेच्छा से सहयोग किया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात था। पूरी कार्रवाई बिना किसी विवाद के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। प्रशासनिक अमला जैसे ही दलबल के साथ दाऊपारा चौक पहुंचा, दुकानदारों और मकान मालिकों ने अपने अतिरिक्त निर्माण, अवैध रूप से बढ़ाए गए टीन शेड, काउंटर और अन्य सामानों को खुद ही हटाना शुरू कर दिया। सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाने के बाद लोरमी मार्ग की सड़कें काफी चौड़ी और साफ नजर आने लगी हैं, जिससे आने-जाने वाले राहगीरों ने राहत की सांस ली है। इस संयुक्त कार्रवाई में राजस्व विभाग, नजूल विभाग और नगर पालिका की टीम मुस्तैद रही। अपर कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने कहा कि शहर का विकास और आम जनता को

सुगम यातायात देना हमारी पहली प्राथमिकता है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार यह अभियान चलाया जा रहा है। सबसे अच्छी बात यह रही कि शहर के प्रबुद्ध नागरिकों और व्यापारियों ने प्रशासन का पूरा सहयोग किया। एसडीएम अजय शतरंज ने कहा कि यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सड़कों का चौड़ा होना बेहद जरूरी है। दाऊपारा से लोरमी मार्ग तक जो कार्रवाई हुई है, उससे जाम की समस्या काफी हद तक कम होगी। नजूल और राजस्व विभाग की टीम लगातार जमीनी पैमाइश कर रही है। किसी भी वैध निर्माण को नुकसान नहीं पहुंचाया जा रहा है, केवल सरकारी जमीन और सड़क को बाधित करने वाले अवैध ढांचों को ही हटाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी होरीसिंह ठाकुर ने कहा कि नगर पालिका की टीम सफाई और मलबे को हटाने के काम में लगी हुई है। हमारा उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि शहर को सुंदर बनाना भी है। व्यापारियों से अपील है कि वे दोबारा सड़कों पर सामान न फैलाएं। यह अभियान अभी थमेगा नहीं, बल्कि आगे भी सतत जारी रहेगा। जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यह कार्रवाई किसी एक दिन या दो दिन के लिए नहीं है।

न्यूज गैलरी

उत्कर्ष योजना: कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु 20 जून तक आवेदन आमंत्रित

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजनांतर्गत प्राक्चयन परीक्षा के माध्यम से 2026-27 में कक्षा 06वीं में प्रवेश हेतु 20 जून तक आवेदन आमंत्रित किया गया है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि विद्यार्थी अपने स्कूल में 20 जून तक आवेदन जमा कर सकते है। प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन 26 जुलाई को दोपहर 12 से 02 बजे तक किया जाएगा। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

प्राक्चयन परीक्षा: अभ्यर्थी 30 मई तक दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 09वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का मॉडल उत्तर जारी किया गया है, जिस पर दावा-आपत्ति 30 मई तक आमंत्रित किया गया है। सहायक आयुक्त ने बताया कि जिला कलेक्टोरेट स्थित कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग में 30 मई तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ दावा-आपत्ति किया जा सकता है।

फल पौध रोपण को बढ़ावा, किसानों को मिलेगा 25 प्रतिशत तक अनुदान

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले में बहुवर्षीय फल-पौधों के रोपण के लिए प्रोत्साहित करने राज्य पोषित समेकित उद्यानिकी विकास योजना का संचालन किया जा रहा है। उद्यानिकी विभाग की सहायक संचालक बताया कि योजना के अंतर्गत फल पौध रोपण हेतु विभिन्न घटकों में अनुदान का प्रावधान किया गया है। फल पौध रोपण के लिए प्रति इकाई लागत राशि 43 हजार 750 रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें 25 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाएगा। वहीं जिन किसानों के खेतों में सुरक्षा हेतु फेंसिंग कार्य के लिए 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। योजना के तहत सिंचाई सुविधा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में किसानों को बोरवेल खनन एवं पंप प्रतिस्थापन के लिए भी आर्थिक सहायता मिलेगी। सामान्य वर्ग के किसानों को 25 हजार रुपये, अन्य पिछड़ा वर्ग को 35 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के किसानों को 43 हजार रुपये तक अनुदान देने का प्रावधान रखा गया है। इसी तरह अंतरवर्तीय फसल के रूप में सब्जी फसलों के रोपण को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए प्रति हेक्टेयर 30 हजार रुपये की इकाई लागत पर शत-प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। जिले के इच्छुक किसान योजना का लाभ लेने उद्यान अधीक्षक शासकीय उद्यान रोपणी बाघामुड़ा, सारधा एवं सेन्दरी तथा 9406126321, 8085589883 एवं 8269257316 में संपर्क कर आवेदन जमा कर सकते है।

स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन की समीक्षा

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर ने जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल 2026 के व्यापक पालन एवं जनजागरूकता पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के दौरान गीले और सूखे कचरे, सेनेटरी वेस्ट और स्पेशल केयर वेस्ट को पृथक-पृथक रखने के लिए आमजन को लगातार जागरूक किया जाए। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा स्थापित केंद्रों के बेहतर संचालन के निर्देश दिए। साथ ही बल्क वेस्ट जनरेटरों का चिन्हांकन कर उन्हें एसडब्ल्यूएम रूल 2026 के तहत नियमों के पालन के लिए जागरूक करने को कहा। बैठक में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने निर्देशित किया कि प्रत्येक ब्लॉक में 5-5 ग्राम पंचायतों को मॉडल पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर सीसीटीवी के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि व्यवस्थाओं की सतत निगरानी हो सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसडब्ल्यूएम रूल 2026 के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए।

बामपारा में सिंटेक्स टैंकों से दूर हुई पेयजल समस्या

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट से जूझ रहे मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम बामपारा में अब राहत की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। जिला प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की पहल से गांव में लगाए गए सिंटेक्स टैंकों ने ग्रामीणों की बड़ी समस्या दूर कर दी है। अब लोगों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना नहीं पड़ रहा है और गांव में नियमित रूप से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। दरअसल, गर्मी के मौसम में भू-जल स्तर गिरने के कारण गांवों में लगे हैंडपंप सूख जाते थे, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस स्थिति की गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल संकट प्रभावित गांवों का सर्वे कर सूची तैयार करने के निर्देश दिए थे। सर्वे में मुंगेली ब्लॉक के 87 गांव चिन्हित किए गए, जिनमें ग्राम पंचायत करूपान का आश्रित ग्राम बामपारा भी शामिल था।कार्यपालन अभियंता ने बताया कि लगभग 804 आबादी वाले बामपारा में पहले 11 हैंडपंप एवं पावर पंपों के माध्यम से जलापूर्ति होती थी, लेकिन गर्मी में अधिकांश स्रोत सूख जाने से गांव में गंभीर जल संकट की स्थिति बन जाती थी। इसके बाद विभाग द्वारा ऐसे स्थानों का चयन किया गया।

सुशासन तिहार के जरिए गांव गांव पहुंच रही योजनाएं: मोहले

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जनसमस्याओं के निराकरण और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड मुंगेली के ग्राम ठकुरीकापा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे और विभिन्न विभागों के माध्यम से अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की सामग्री का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पुन्नूलाल मोहले शामिल हुए। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, जनपद अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार, नगर पंचायत बरेला के अध्यक्ष नरेश पाटले, अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा

पांडेय तिवारी, जनपद पंचायत सदस्य पवन पांडेय तथा मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मोहले ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि शासन की प्रत्येक योजना का लाभ गांव-गांव तक पहुंचे और लोगों की समस्याओं का समाधान समय पर हो। उन्होंने कहा कि जमीन सीमांकन, विद्युत पोल, राशन कार्ड, स्वास्थ्य, श्रम एवं कृषि विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारी गांव के लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री की सुशासन की परिकल्पना को धरातल पर उतारते हुए योजनाओं को सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों के निराकरण में जिला प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर रहा है, जो जिले के लिए गर्व की बात है। विधायक मोहले ने ग्रामीणों से 10 जून तक इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में मुंगेली को अव्वल दर्जा दिलाने के लिए प्रशासन और जनता दोनों की सहभागिता आवश्यक है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार लगातार सुशासन तिहार के माध्यम से गांव-गांव पहुंचकर लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य कर रही है। पहले लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दूर-दराज कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब गांव में ही शिविर लगाकर समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को भी मंच के माध्यम से अधिकारियों के समक्ष रखा और उनके त्वरित निराकरण की बात कही। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष मुंगेली ने भी आमजनों को योजनाओं का लाभ उठाने प्रेरित किया। एडीएम ने बताया कि सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले में कुल 24 शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुंगेली जनपद क्षेत्र में पांच शिविर प्रस्तावित हैं, जिनमें यह चौथा शिविर था। इस शिविर में लगभग 300 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनका निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सभी आवेदनों का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए।

अब एक कॉल में दर्ज होगी शिकायत

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण के लिए ÷समस्या तुंहर, समाधान हमर÷ थीम पर सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली सेवा जल्द प्रारंभ की जाएगी। इस नई व्यवस्था के माध्यम से जिले के नागरिक अब केवल एक फोन कॉल के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे और उसकी निरंतर मॉनिटरिंग भी कर पाएंगे।

जिला प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार हेल्पलाइन सेवा प्रारंभ होने के बाद नागरिक राज्य के भीतर 1076 नंबर तथा राज्य के बाहर से 1800-233-3300 नंबर पर कॉल कर शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इसके अलावा शिकायतें वेब पोर्टल, मोबाइल एप, व्हाट्सएप एवं भौतिक पत्र के माध्यम से भी दर्ज की जा सकेंगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में सीएम हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन हेतु प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सुशासन एवं अभिसरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अशोक चौबे एवं पवन तिवारी ने अधिकारियों को शिकायत पंजीयन, ट्रैकिंग एवं निराकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही पोर्टल संचालन एवं तकनीकी प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। नई शिकायत प्रबंधन प्रणाली के तहत प्रत्येक शिकायत को एक विशेष टोकन नंबर दिया जाएगा, जिससे शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति हर स्तर पर ट्रैक कर सकेंगे। शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा समाधान के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाएगा। शासन स्तर पर अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की नियमित समीक्षा भी की जाएगी, जिससे जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सूचना का अधिकार से संबंधित प्रकरण, न्यायालय में विचाराधीन मामले, मांग संबंधी आवेदन, विभागीय स्थापना संबंधी प्रकरण तथा केंद्र सरकार से जुड़े मामलों में शिकायत स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिले के 73 हाई रिस्क गांवों में चला विशेष जांच अभियान

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान के तहत जिले में टीबी उन्मूलन की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. गिरीश कुर्रे तथा जिला क्षय कुष्ठ उन्मूलन अधिकारी डॉ. सुदेश राते के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाई रिस्क ग्रामों में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर टीबी मरीजों की पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के

अंतर्गत इस अभियान में उच्च जोखिम समूहों को चिन्हित कर उनकी एक्स-रे जांच की जा रही है। अभियान के तहत विकासखण्ड लोरमी एवं पथरिया को हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराई गई है, जिससे दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी त्वरित और सटीक जांच संभव हो सकी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि इन आधुनिक हैंड-हेल्ड एक्स-रे मशीनों के माध्यम से जिले के 73 हाई रिस्क ग्रामों में व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 05 हजार 736 ओपीडी मरीजों एवं उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों की जांच की गई, जिनमें 02 हजार 924 लोगों का एक्स-रे परीक्षण किया गया। जांच के दौरान 127 टीबी मरीजों की पहचान कर उनका उपचार तत्काल प्रारंभ किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि समय पर जांच और उपचार से टीबी जैसी गंभीर बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है।

ड्रीप सिंचाई, बोरवेल और रखरखाव पर भी मिलेगी सहायता

मुंगेली/नवप्रदेश। किसानों की आय बढ़ाने और वैकल्पिक लाभकारी खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल पॉम योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए जिला मुंगेली को 50 हेक्टेयर का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उद्यानिकी विभाग द्वारा किसानों को ऑयल पॉम की व्यावसायिक खेती अपनाने के लिए आकर्षक अनुदान और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह योजना किसानों को परंपरागत खेती के साथ-साथ अधिक लाभकारी और आधुनिक कृषि पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। उद्यानिकी विभाग की सहायक संचालक ने बताया कि ऑयल पॉम का रोपण त्रिकोणीय आधार पर 9मी9 मीटर दूरी में किया जाता है, जिसमें प्रति हेक्टेयर 143 इम्पोर्टेड टेनेरा किस्म के पौधे लगाए जाते हैं। केंद्र शासन द्वारा ऑयल पॉम पौध रोपण के लिए विभिन्न मदों में अनुदान का प्रावधान किया गया है। इसके तहत पौध रोपण के लिए प्रति हेक्टेयर 29 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। वहीं पौधों के रखरखाव, खाद, दवा, उर्वरक एवं सिंचाई कार्यों के लिए चार वर्षों तक प्रति हेक्टेयर 05 हजार 250 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा अंतरवर्तीय फसल लगाने हेतु भी चार वर्षों तक प्रति हेक्टेयर 5 हजार 250 रुपये का अनुदान मिलेगा। ड्रीप सिंचाई स्थापना के लिए प्रति हेक्टेयर 31 हजार 399 रुपये की इकाई लागत पर लघु एवं सीमांत कृषकों को 55 प्रतिशत तथा अन्य कृषकों को 45 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। योजना अंतर्गत 2 हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्र में ऑयल पॉम लगाने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, लघु, सीमांत एवं महिला कृषकों को डीजल अथवा इलेक्ट्रिक पंप हेतु 10 हजार रुपये तथा अन्य कृषकों को 8 हजार रुपये तक की सहायता मिलेगी।

रोजगार मेले में 109 अभ्यर्थी हुए शामिल

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का अवसर प्राप्त किया। रोजगार मेले में जिले भर से 109 आवेदक उपस्थित हुए और विभिन्न पदों के लिए साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया में शामिल हुए। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि चयन प्रक्रिया के बाद 65 आवेदकों का प्रारंभिक चयन किया गया, जबकि 38 आवेदकों का अंतिम रूप से चयन हुआ। चयनित युवाओं ने रोजगार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय के प्रति आभार जताया।

राहुल गांधी के बयान के विरोध में भाजयुमो ने फूंका पुतला, किया प्रदर्शन

मुंगेली/नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा भगवान परशुराम चौक पुराना बस स्टैण्ड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन करते हुए उनका पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने कहा कि कांग्रेस लगातार लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-

तार कर झूठ, भ्रम और नफरत की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अपमान को हम किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राकेश साहू ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा की गई अमर्यादित, गैर-जिम्मेदार एवं स्तरहीन टिप्पणी निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बयानबाजी देश की लोकतांत्रिक परंपराओं और जनभावनाओं का अपमान है।

पेज 1 का शेष...

सूरज के तेवर तल्ख: छत्तीसगढ़...

राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि ये मौतें 7 अलग-अलग जिलों में हुई हैं। इसके बाद राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को ?4-4 लाख की सहायता देने का एलान किया है। देश में सबसे ज्यादा तापमान यूपी के बांदा में 47 डिग्री और एमपी के नौगांव में 46.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

झुलसा रहा है 'लूट', रायपुर समेत कई जिलों में अलर्ट

छत्तीसगढ़ में नौतपा की आहट से पहले ही सूरज की तपिश ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, और रायगढ़ जैसे मैदानी इलाकों में दोपहर 12 बजे से पहले ही पारा 42 से 44 डिग्री के बीच पहुंच गया। गर्म हवाओं (लू) के थपेड़ों के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है।

मौसम विभाग के अनुसार: छत्तीसगढ़ के मध्य और मैदानी इलाकों में अगले 48 घंटों तक हीटवेव (लू) की स्थिति गंभीर बनी रह सकती है। हालांकि, राहत की बात यह है कि राज्य के कुछ हिस्सों में स्थानीय प्रभाव के कारण 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान चलने की भी संभावना जताई गई है, जिससे शाम को हल्की राहत मिल सकती है।

आगामी दो दिनों का मौसम पूर्वानुमान (देश और राज्य)

24 मई (आज): छत्तीसगढ़, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और तेलंगाना में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी? आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और झारखंड के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान चलने की चेतावनी (येलो अलर्ट) भी दी गई है। दूसरी तरफ केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है।

25 मई (कल): दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में गर्मी का असर बरकरार रहेगा; आसमान साफ और धूप तेज रहेगी। वहीं, केरल, कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों और असम, मेघालय में बारिश और बिजली के साथ तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

डॉक्टरों की सलाह: छत्तीसगढ़ में बढ़ रही गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवायजरी जारी की है। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। धूप में निकलते समय सिर और कान को कपड़े से ढंककर रखें और अत्यधिक मात्रा में पानी, ओआरएस या नींबू पानी का सेवन करें।

चीन की कोयला खदान...

किया गया था। इसके कुछ समय बाद जोरदार विस्फोट हुआ। जिस समय धमाका हुआ, उस वक्त खदान के अंदर 247 मजदूर काम कर रहे थे। अभी यह साफ नहीं है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है।

अमरनाथ यात्रा 2026: गुफा में...

लिए इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह आधुनिक फाइबर और प्री-फैब्रिकेटेड इमारतें बनाई गई हैं। हर इमारत में 48 कमरे हैं, जिनमें अटैच्ड वॉशरूम और गर्म-ठंडे पानी की सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों का...

एवं देखभाल के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान आयोजित गोदभराई कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गर्भवती महिलाओं को उपहार भेंट कर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में श्रीमती संतोषी निषाद, श्रीमती पूर्णिमा परेल, श्रीमती ममता पटेल, श्रीमती जयंती बंजारे एवं श्रीमती रुखमणी पाल शामिल रहीं।

पहाड़ों की गोद में बस्तर...

नेतृत्व के गुर सीखे। 20 मई को अनुभवों का अनमोल खजाना समेटकर यह दल सुरक्षित जगदलपुर लौट आया है, जो अब बस्तर में सकारात्मक बदलाव के वाहक बनेंगे।

इनके मार्गदर्शन में सफल रहा सफर

बस्तर के युवाओं का यह प्रेरणादायक और कौशल विकास से भरपूर अध्ययन भ्रमण प्रशासनिक अधिकारियों की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य रूप से शामिल रहे:

-आकाश छिकारा (कलेक्टर, बस्तर)

-प्रतीक जैन (सीईओ, जिला पंचायत)

-बी.आर. बघेल (जिला शिक्षा अधिकारी)

-मनीष कुमार अहीर (व्याख्याता, शा.उ.मा.वि. बड़ेमुरमा)

रोमांच और संस्कृति का संगम: युवाओं ने देश की राजधानी दिल्ली में ऐतिहासिक इंडिया गेट का दीदार किया, तो वहीं हिमाचल प्रदेश के बीर में विश्व प्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग साइट, डियर पार्क और भगवान बुद्ध स्थल का अवलोकन कर वहां की प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत को समझा।

पुस्तकों से आगे की सीख: इस भ्रमण के बाद बस्तर के युवाओं ने यह अनुभव किया कि वास्तविक शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि चुनौतियों, संवाद और जीवन के अनुभवों से सीखना भी उतना ही जरूरी है।

'सिस्टम' का ग्रहण 4 साल से श्मशान...

निर्माण किया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि घटिया निर्माण सामग्री के कारण कुछ ही वर्षों बाद पुल बाढ़ में बह गया, जिसके अवशेष आज भी भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर रहे हैं।

खेतों की संकरी मेड़ का सहारा: श्मशान तक जाने का कोई पक्का रास्ता नहीं है। किसानों ने इंसानियत के नाते खेतों की मेड़ से एक बेहद संकरा और कठिन कच्चा रास्ता दिया है, जहाँ से अर्थी लेकर गुजरना भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

बारिश में भयावह हालात: बरसात के दिनों में जब तेरगी नाला उफान पर होता है, तब श्मशान जाने के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। मजबूरी में ग्रामीणों को नाले के किनारे या खेतों के पास ही अस्थायी रूप से अंतिम संस्कार करना पड़ता है।

भावनाओं को ठेस: जगह की कमी के कारण कई बार अंतिम संस्कार के दौरान पुराने शवों के अवशेष बाहर निकल आते हैं। इससे न केवल मृतकों का अनादर हो रहा है, बल्कि पूरे गांव में भारी आक्रोश और असहजता का माहौल है।

द्रोणिका सक्रिय, मौसम रहेगा शुष्क, महीने के आखिरी में बारिश की संभावना

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में मौसम का मिजाज फिलहाल स्थिर बना हुआ है। हालांकि वातावरण में विभिन्न मौसमी तंत्र सक्रिय हैं। मौसम विभाग के अनुसार एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण अंदरूनी उड़ीसा और उसके आसपास समुद्र तल से लगभग 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके साथ ही एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से अंदरूनी उड़ीसा होते हुए छत्तीसगढ़ तक फैली हुई है, जो 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक सक्रिय बनी हुई है। वहीं एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान और उसके आसपास 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इन मौसमी प्रणालियों का असर आने वाले दिनों में प्रदेश के मौसम पर दिखाई देने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 24 मई को प्रदेश में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। अधिकांश जिलों में आसमान साफ रहेगा तथा कहीं-कहीं हल्के बादल छा सकते हैं, लेकिन वर्षा की संभावना फिलहाल कम है। गर्म हवाओं और तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि दर्ज की जाएगी। विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में लगभग दो डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इससे लोगों को गर्मी और उमस का अधिक सामना करना पड़ सकता है।विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश के दक्षिणी हिस्से यानी बस्तर संभाग में मौसम सबसे पहले करवट ले सकता है। अनुमान के अनुसार 26 मई से संभाग में वर्षा की गतिविधियां प्रारंभ होने की संभावना बन रही है। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इसके अलावा तेज हवाएं चलने और बादलों की आवाजाही भी बढ़ सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य क्षेत्र में 29 मई से वर्षा गतिविधियां शुरू होने की संभावना है। प्री-मानसून गतिविधियों के चलते बादल छाने, गरज-चमक और हल्की बारिश की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय तेज धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से सावधानी बरतने की सलाह दी है। किसानों को भी बदलते मौसम को देखते हुए कृषि कार्यों की योजना मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बनाने की सलाह दी गई है।

मौसम के सक्रिय सिस्टम

- अंदरूनी उड़ीसा के आसपास ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय
- द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ होते हुए उड़ीसा तक विस्तारित
- पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान क्षेत्र में सक्रिय
- 23 मई को प्रदेश में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना
- अगले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में लगभग 2 डिग्री वृद्धि संभव
- बस्तर संभाग में 26 मई से बारिश के संकेत
- मध्य छत्तीसगढ़ में 29 मई से बढ़ सकती है वर्षा गतिविधि

लोगों और किसानों के लिए सलाह

मौसम विभाग ने प्रदेशवासियों को तेज गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है। दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है। वहीं किसानों को आगामी प्री-मानसून गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए खेतों की तैयारी करने की सलाह दी गई है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जन समस्या निवारण शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

आमजनों के हितों को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : अरुण साव

बिलासपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री तथा बेमेतरा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव आज बेरला विकासखण्ड के आनंदगांव में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, मांगों एवं शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने जन समस्या निवारण शिविर में कहा कि लोगों को अपने जायज कार्यों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, यह प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशीलता एवं सुशासन सरकार की कार्यशैली का प्रमुख आधार है तथा आमजनों के हितों की रक्षा के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने राजस्व, पेयजल, सड़क, बिजली तथा विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर आवेदन को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निराकरण किया जाए। उप मुख्यमंत्री साव ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए बीज पुंसवन अभियान का शुभारंभ किया। इस विशेष बीज पुंसवन को मिट्टी, गोबर एवं गोमूत्र के मिश्रण से तैयार किया गया है, जिसके भीतर बीज रखा गया है। बरसात के मौसम में इसे लगाने पर पौधा अंकुरित होगा। इस पहल से व्यापक स्तर पर पौधारोपण को बढ़ावा मिलेगा। बेमेतरा की कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, एसएसपी रामकृष्ण साहू, छत्तीसगढ़ विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक और जिला पंचायत की अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान गोश्वारा क्षेत्र में विभिन्न विभागों के अंतर्गत कुल 18 करोड़ 65 लाख 07 हजार रुपए की लागत के 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए समर्पित है सरकार

शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में चौमुखी विकास हो रहा है। सरकार द्वारा जनता के हित में लगातार बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सरकार जनता के बीच पहुंचकर समस्याओं का कर रही समाधान

विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सरकार जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनका निराकरण करने का कार्य कर रही है। शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शिविर में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत नोनी सुरक्षा योजना के तहत 5 बालिकाओं को पंजीयन पत्र प्रदान किए गए। इसके अलावा 8 गर्भवती माताओं की गोदभराई तथा 5 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 3 हितग्राहियों को सुपोषण किट वितरित की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर 5 हितग्राहियों को उनके नए घरों की चाबियां सौंपी गईं। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हाई स्कूल उपकेंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के दौर में पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है तथा यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से पौधारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

सुशासन शिविर को मिल रहा लोगों का अच्छा प्रतिसाद: धरमलाल कौशिक

2 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत 20-20 हजार का चेक वितरण

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले के बिल्हा विकासखण्ड के हिर्री में आयोजित सुशासन शिविर में मुख्य अतिथि बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक द्वारा हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कार्ड, चेक, सामग्री आदि का वितरण कर लाभान्वित किया गया। उन्होंने अलग-अलग विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर उपस्थित नागरिकों से चर्चा की और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने की अपील की। शिविर में मांग एवं समस्याओं से संबंधित कुल 558 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 259 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया।

मुख्य अतिथि बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू हुए सुशासन तिहार का आमजनों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। शहर से लेकर दूरस्थ अंचलों तक सभी की समस्याओं का त्वरित रूप से समाधान किया जा रहा है। निश्चित तौर पर ग्रामीणों ने योजनाओं के बारे में जाना है और उनका लाभ लेने आगे आ रहे है। इन शिविरों में जिला प्रशासन एवं विभागीय अधिकारियों का सहयोग भी सराहनीय है। शिविर में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही हो रहा है। हमारा कर्तव्य है कि योजनाओं का लाभ जन-जन को मिले। हिर्री शिविर में आज 3 हितग्राहियों को केसीसी ऋण वितरण, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत कु. चांदनी और पूजा साहू को 20-20 की राशि का चेक वितरण, 2 हितग्राहियों को श्रम कार्ड का वितरण, 7 हितग्राहियों को विभिन्न पेंशन योजनांतर्गत स्वीकृति आदेश, 18 कृषक हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख का वितरण, 4 शिशुओं का अन्नप्राशन एवं 1 महिला का गोदभराई रस्म संपन्न कराया गया।

महुआ शराब सहित एक आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। देशी महुआ शराब की अवैध बिक्री करने ले जा रहे एक आरोपी को सिरगिट्टी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 40 नग देशी प्लेन कीमत 3200 रुपये व मोटर सायकल कीमत 80000 रुपए जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2),59(क)आबकारी एक्ट के तहत अपराध कायम कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध कार्यवाही हेतु निंदेश प्राप्त होने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) एवं नगर पुलिस अधीक्षक (सिविल लाईन) के आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर थाना प्रभारी सिरगिट्टी निरीक्षक अभय सिंह बैस द्वारा टीम गठित थाना क्षेत्र मे निगाह रखी जा रही थी कि 23 मई को मुखबिर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति मोटर सायकल से भारी मात्रा मे शराब रखकर बिक्री करने तारबाहर फाटक के पास से गणेश नगर की ओर ले जा रहा है सूचना पर सिरगिटटी पुलिस टीम द्वारा झोपडापारा मस्जिद के सामने मेन रोड पहुचकर घेराबंदी दौरान एक व्यक्ति मोटर सायकल के सामने एक काला रंग का थैला रखकर आते मिला जिसे रोकवाकर चेक करने पर उक्त थैला के अंदर 40 पाव देशी प्लेन शराब रखा मिला जिसे पुछताछ करने पर बिक्री हेतु शराब ले जाना स्वीकार करने पर आरोपी के कब्जे से 40 पाव देशी प्लेन शराब कीमती 3200 रुपये एवं मोटर सायकल क्रमांक सीजी 10 बी वाय 4256 कीमती 80000 हजार रुपये जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2),59(क)आबकारी एक्ट कायम कर आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया आगे भी कार्यवाही जारी है।

9 लीटर महुआ शराब जब्त

घर में कच्ची शराब की अवैध बिक्री करने वाले एक आरोपी को हिर्री पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 9 लीटर हाथ भट्ठी का बना कच्ची महुआ शराब जब्त की है। आरोपी को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया। पुलिस के एसएसपी रजनेश सिंह, एएसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा डी.आर. टण्डन से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर थाना प्रभारी हिर्री के नेतृत्व में अवैध शराब रेड कार्यवाही हेतु टीम बनाई गई है। 23 मई को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम मेड़पार-बाजार निवासी कैलाश प्रजापति अपने घर के पास भारी मात्रा में हाथ भट्ठी का बना कच्ची महुआ शराब रखा है कि सूचना पर रेड कार्रवाई की। आरोपी के कब्जे से एक पीले रंग का प्लास्टिक डिब्बा 10 लीटर वाला में 9 लीटर हाथ भट्ठी का बना कच्ची महुआ शराब भरा हुआ कीमती 1800 रूपये को जप्त किया गया। आरोपी कैलाश प्रजापति पिता स्व. बहोरन प्रजापति उम्र 28 साल ग्राम मेड़पार-बाजार थाना हिरी के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है।

रोजगार मेला में 250 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से देशभर के 51 हजार अभ्यर्थियों को किया संबोधित

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज 23 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 19वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नव नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए । इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किए एवं उन्हें नई भूमिका हेतु शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने इस मौके को देश भर के हज़ारों युवाओं के लिए बहुत अहम दिन बताया। सरकारी नौकरी में नए लोगों का स्वागत करते हुए, उन्होंने रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, हेल्थ और एजुकेशन जैसे सेक्टर में भारत के विकास में उनके आने वाले योगदान पर ज़ोर दिया। उन्होने कहा, 'आने वाले सालों में, आप सभी विकासशील भारत के विज़न को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे।' नियुक्त लोगों के डेडिकेशन और कड़ी तैयारी को सम्मान देते हुए, जिसने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया, प्रधानमंत्री ने उनमें से हर एक को दिल से बधाई दी। यह मानते हुए कि कोई भी एक उपलब्धि अकेली नहीं होती, उन्होंने उन परिवारों और माता-पिता को भी शुभकामनाएं दीं जिनका सपोर्ट इस रास्ते में बहुत ज़रूरी रहा। इसी क्रम में रोजगार मेला के 19वें चरण के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल के नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट ऑडिटोरियम में, रोजगार मेलों का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों में चयनित कुल 250 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। बिलासपुर के नॉर्थ ईस्ट इंस्टिट्यूट ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तोखन साहू, केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा प्रारम्भिक 25 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। शेष नियुक्ति पत्र विभागीय अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। इसमें 230 अभ्यर्थी रेलवे विभाग से तथा 20 अभ्यर्थी अन्य विभागों (केंद्रीय वित्त विभाग एवं डाक विभाग) से थे। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2022 से दूरदर्शी सोच के साथ पारदर्शिता पूर्ण सरकारी नौकरी प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किए गए रोजगार मेला अभियान की तारीफ करते हुये सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएँ दी। इस कार्यक्रम में विधायक धरम लाल कौशिक, विधायक धर्मजीत सिंह, विधायक सुशांत शुक्ला, विधायक दिलीप लहरिया, महापौर पूजा विधानी, महाप्रबंधक तरुण प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन, मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

निरीक्षण: नगरीय प्रशासन व विकास विभाग की सचिव आर.संगीता ने किया बिलासपुर का दौरा

मिलकर सब काम करें, शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाएं: आर. संगीता

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की नवनियुक्त सचिव आर. संगीता अपने पहले दौरे में बिलासपुर पहुंची। इस दौरान सचिव आर.संगीता ने सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक तीन घंटे तक कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में नगर निगम के कार्यों कि समीक्षा की उसके बाद दोपहर 3.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया।

तारबाहर स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में नगर निगम के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में सचिव श्रीमती संगीता ने बिंदुवार योजना तथा विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सचिव आर.संगीता ने कहा कि राजस्व किसी भी निकाय की आधारशिला है,इसे प्राथमिकता में रखें और शत प्रतिशत वसूली करें,पिछले वित्तीय वर्ष के बकाया राशि 15 करोड़ की वसूली के लिए उन्होंने नगर निगम को दिसंबर 2026 तक डेडलाइन दिया है। उन्होंने कहा कि नियमित और प्लेसमेंट समेत सभी कर्मचारियों का वेतन किसी भी सूरत में माह के प्रथम सप्ताह में हो जाना चाहिए। समीक्षा के दौरान उन्होंने विकास कार्यों के लिए जारी किए जाने वाले टेंडर प्रक्रिया की देरी पर भी अधिकारियों से सवाल पूछें,सचिव ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया में अनावश्यक देरी ना हों और टेंडर जारी करने के बाद मियाद खत्म होते ही ठेका पाने वाले ठेकेदार से अनुबंध कर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराएं ताकि प्रोजेक्ट में देरी ना हो।

कछार प्लांट, डब्ल्यूटीपी और पीएम आवास पहुंचीं सचिव

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव श्रीमती संगीता ने समीक्षा बैठक के बाद दोपहर 3.30 बजे से निगम के प्रोजेक्ट समेत शहर का दौरा शुरू किया जो 6.30 बजे तक चला। सबसे पहले सचिव श्रीमती संगीता स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंची और वहां संचालित स्पोर्ट्स के विभिन्न एक्टिविटी को जायजा लिया। उसके बाद सचिव ने कोनी में निर्माणाधीन सिटी बस चार्जिंग स्टेशन का निरीक्षण कर एक माह के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। बस डिपो के बाजू में स्थित आकांक्षीय शौचालय को देखने पहुंची सचिव श्रीमती आर.संगीता ने शौचालय में खामियों की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जल्द सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सचिव ने कछार स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया। इस दौरान में कचरा निपटान प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए कहा कि कोई भी घर ना छूंटे सभी घरों से कचरा एकत्रित करें और जो नहीं देता उन्हें समझाएं। उसके बाद अमृत मिशन के बिरकोना स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी सचिव ने जायजा लिया। खमतराई स्थित पीएम आवास का सचिव आर.संगीता ने निरीक्षण किया।

प्रतिबंध के बावजूद बोर खनन जारी चार बोर मशीन और 4 हाइवा जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। गर्मी में भूजल स्तर गिरने को देखते हुए जिला प्रशासन ने बोर खनन पर रोक लगाया है। प्रशासन के निर्देश का पालन नहीं किया जा रहा। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने इसे गंभीरता से लेते हुए जिले में अवैध खनन और बिना अनुमति बोर खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। इस क्रम में तहसीलदार प्रकाश साहू के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने पिछले दो दिनों में अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध गतिविधियों में संलिप्त 8 वाहनों को जब्त किया।तहसीलदार प्रकाश साहू के। नेतृत्व में बुधवार देर रात लगभग 11 बजे ग्राम बसिया क्षेत्र में बिना अनुमति बोर खनन किए जाने की सूचना पर राजस्व अमले ने दबिश दी। मौके पर अवैध रूप से बोर खनन करते पाए जाने पर दो वाहनों को जब्त कर थाना प्रभारी सिरगिट्टी की सुपुर्दगी में सौंपा गया। इसी प्रकार तिफरा क्षेत्र में अवैध बोर खनन की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो अन्य बोर मशीनों को जब्त किया। सभी जब्त वाहनों को नियमानुसार सिरगिट्टी थाना के सुपुर्द किया गया है।

जगदलपुर तपिश से तपा: 42.4 डिग्री ने तोड़ा सीजन का रिकॉर्ड, सड़कों पर पसरा सन्नाटा

- **पहली बार 42 डिग्री के पार पहुंचा तापमान, चेहरा ढंककर घरों से निकले लोग, बाजारों में शीतल पेय की बढ़ी मांग**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर मुख्यालय जगदलपुर ने शनिवार को इस ग्रीष्म सीजन का सबसे तपता दिन देखा, जब अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस वर्ष अब तक जहां अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, वहीं पहली बार पारा 42 डिग्री के पार पहुंच गया। भीषण गर्मी और झुलसाती हवाओं के कारण दोपहर में शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आया और आमजन धूप से बचने के लिए चेहरे को पूरी तरह कपड़े से ढंककर निकलते दिखे।सुबह से ही तेज धूप और उमस भरी गर्मी का असर दिखने लगा था, लेकिन दोपहर तक हालात और विकट हो गए। बाजारों, चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में लोगों की आवाजाही कम रही। दोपहिया वाहन चालकों से लेकर पैदल चलने वाले लोग सिर, चेहरा और हाथ कपड़ों से ढंककर गर्म हवाओं से बचने का प्रयास करते दिखाई दिए। कई स्थानों पर लोग पेड़ों की छांव और ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों के पास राहत तलाशते नजर आए।

गर्मी का असर सीधे बाजारों पर भी देखने को मिला। सड़क किनारे लगने वाले गन्ना रस, आमरस, जलजीरा, नारियल पानी, नींबू-पुदीना शर्बत और ककड़ी बेचने वालों की दुकानों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ गई। शीतल पेयजल और ठंडक देने वाले प्राकृतिक पेय पदार्थों की मांग अचानक बढ़ने से कारोबारियों के चेहरे खिले नजर आए। कई जगह लोगों को बार-बार पानी पीते और गर्मी से राहत पाने के लिए ठंडे पेय का सहारा लेते देखा गया।

कब मानी जाती है ग्रीष्म लहर, क्या बरतें सावधानी

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार यदि अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक बढ़ जाए अथवा तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाए तो उस स्थिति को ग्रीष्म लहर माना जाता है। ऐसे हालात में भारत मौसम विज्ञान विभाग लोगों को पर्याप्त पानी पीने,अनावश्यक धूप से बचने, सिर व शरीर को ढंककर निकलने तथा अधिक समय तक खुले में काम न करने की सलाह देता है। नगर निगम,नगर पालिका और पंचायतों को सार्वजनिक स्थानों पर साफ,शुद्ध और ठंडे पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जरूरत बताई गई है ताकि लोग निर्जलीकरण से बच सकें।दोपहर 2:30 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार रायपुर में 43.8, बिलासपुर में 44.0, पेंड्रा में 41.4, अंबिकापुर में 41.0 तथा जगदलपुर में 42.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार दिन ढलने तक अधिकतम तापमान में एक से दो डिग्री तक और वृद्धि संभव है।

नई ट्रेन को केवल कोरापुट से शुरू करने पर आपत्ति, बस्तर को सीधे रेल संपर्क से जोड़ने की मांग

जगदलपुर से जोड़ो ट्रेन, नहीं तो फिर उठेगी आवाज कोरापुट-पुरी एक्सप्रेस पर जैपुर का दबाव तेज

- **रेलवे के फैसले पर जैपुर में बढ़ी हलचल,दिल्ली से भुवनेश्वर तक पहुंची मांग**

जगदलपुर/नवप्रदेश। कोरापुट और पुरी के बीच प्रस्तावित नई यात्री ट्रेन को लेकर पड़ोसी राज्य ओडिशा के जैपुर क्षेत्र में एक बार फिर रेल कनेक्टिविटी का मुद्दा गर्माने लगा है। स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधियों ने दो टूक कहा है कि प्रस्तावित कोरापुटङ्कपुरी एक्सप्रेस केवल कोरापुट से नहीं,बल्कि जगदलपुर से संचालित की जाए ताकि बस्तर और दक्षिण ओडिशा के यात्रियों को सीधा लाभ मिल सके। रेलवे बोर्ड द्वारा 13 मई को कोरापुटङ्कपुरी के बीच सप्ताह में तीन दिन नई ट्रेन की मंजूरी दिए जाने के बाद यह मांग तेज हो गई है।

जानकारी के अनुसार जून के प्रथम सप्ताह में इस ट्रेन का परिचालन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। एक जून को रायगढ़ा रेलमंडल और दक्षिण तट रेल जोन विशाखापट्टनम के वर्चुअल उद्घाटन की तैयारियों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि इसी अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई जा सकती है। ऐसे में जैपुर क्षेत्र के लोग ट्रेन के प्रारंभिक स्टेशन को लेकर सक्रिय हो गए हैं। उनका तर्क है कि किरंदुल-कोत्तावालसा रेललाइन पर स्थित जैपुर स्टेशन जगदलपुर और कोरापुट के बीच रणनीतिक स्थिति में है, इसलिए ट्रेन को जगदलपुर से जोड़ने पर बस्तर के यात्रियों को पुरी, भुवनेश्वर और ओडिशा के अन्य शहरों तक सीधा संपर्क मिलेगा।

रेलवे की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को राजनीतिक और जनहित के सवाल के रूप में उठाना शुरू कर दिया है। स्थानीय विधायक के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में रेलमंत्री और भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर साफ कहा है कि यदि ट्रेन को जगदलपुर तक विस्तारित नहीं किया गया तो आंदोलन की राह भी अपनाई जा सकती है। जैपुर में इस मुद्दे को जनभावना से जोड़कर देखा जा रहा है और इसका असर बस्तर में भी दिखाई देने लगा है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी हीराखंड एक्सप्रेस और समलेश्वरी एक्सप्रेस के जगदलपुर विस्तार को लेकर जैपुरवासियों ने आंदोलन का रास्ता अपनाया था। अब कोरापुटङ्कपुरी एक्सप्रेस को लेकर भी वही स्वर दोबारा सुनाई देने लगे हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बस्तर में भी इस मांग को लेकर दबाव और तेज हो सकता है।

ट्रेन शुरू होने से पहले ही रूट, स्टापेज और समय को लेकर चर्चा तेज

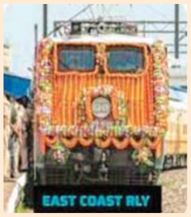

प्रस्तावित कोरापुटङ्कपुरी एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन संचालित होगी। पुरी से गाड़ी संख्या 18407 सोमवार,गुरुवार और शनिवार को सुबह सात बजे रवाना होकर रात लगभग 11:30 बजे कोरापुट पहुंचेगी,जबकि कोरापुट से गाड़ी संख्या 18408 मंगलवार, शुक्रवार और रविवार की रात 10:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह पुरी पहुंचेगी। ट्रेन के प्रमुख ठहरावों में खुर्दा रोड,भुवनेश्वर,संबलपुर,टिटलागढ़,केसिंगा और रायगढ़ा शामिल रहेंगे। इसके अलावा कई मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी स्टापेज प्रस्तावित है। इस ट्रेन में कुल 18 कोच लगाए जाने की तैयारी है, जिनमें सामान्य, स्लीपर और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बे शामिल होंगे।

छग के बस्तर सीमा से सटे कोरापुट के जैपुर विधानसभा के कांग्रेस विधायक ताराप्रसाद बहिनीपति के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव तथा मुख्यमंत्री मोहन माझी से मुलाकात कर मांग रखी है।

राहुल गांधी के बयान पर भाजयुमो का उग्र विरोध

- **आसना चौक में पुतला दहन,कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मर्यादा तोड़ने का आरोप**
- **भाजयुमो ने कहा- देश की जनता असभ्य राजनीतिक भाषा को स्वीकार नहीं करेगी**

जगदलपुर/नवप्रदेश। कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधीद्व द्वारा देश के शीर्ष नेतृत्व को लेकर दिए गए कथित अमर्यादित बयान के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को आसना चौक में जोरदार प्रदर्शन किया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया और कांग्रेस पर लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक मर्यादाओं का अपमान करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए भाजयुमो जिला अध्यक्ष अभिलाष यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुए राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रति की गई टिप्पणी निंदनीय और अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार राजनीतिक शिष्टाचार और लोकतांत्रिक गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम कर रही है।अभिलाष यादव ने कहा कि जिस पद की गरिमा बनाए रखने की जिम्मेदारी नेता प्रतिपक्ष की होती है, उसी पद की मर्यादा को राहुल गांधी ने अपनी भाषा से तार-तार किया है।

ऐसे बयानों के खिलाफ आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी

भाजयुमो के प्रदर्शन के दौरान आसना चौक राजनीतिक नारों से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन करते हुए कहा कि देश के संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं के खिलाफअभद्र भाषा का प्रयोग लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदर्शन में भाजयुमो पदाधिकारियों और भाजपा नेताओं की बड़ी संख्या मौजूद रही तथा संगठन ने भविष्य में भी ऐसे बयानों के खिलाफआंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

बस्तर मिशन के बाद नई जिम्मेदारी?

आईजी सुंदरराज के दिल्ली जाने की चर्चाओं ने पकड़ी रफ्तार

- **नक्सल मोर्चे पर लंबी पारी के बाद केंद्रीय प्रतिनियुक्ति की अटकलें तेज, एनआईए में पोस्टिंग की चर्चा**
- **बस्तर में सुरक्षा रणनीति के प्रमुख चेहरे रहे सुंदरराज, बदलते हालात के बीच नई भूमिका की संभावनाएं**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर में नक्सल उन्मूलन अभियान के प्रमुख चेहरों में शामिल आईजी सुंदरराज पी. को लेकर प्रशासनिक और सुरक्षा हलकों में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। चर्चा है कि नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है और उनकी संभावित पोस्टिंग राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी में हो सकती है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

वर्ष 2003 बैच के आईपीएस अधिकारी सुंदरराज पी. बस्तर में सबसे लंबे समय तक काम करने वाले वरिष्ठ अफसरों में गिने जाते हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा अभियानों की रणनीति तैयार करने, लगातार ऑपरेशन चलाने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है। बस्तर में बदले सुरक्षा वातावरण के पीछे उनकी कार्यशैली और नेतृत्व को भी अहम कारणों में शुमार किया जाता रहा है।

हाल के दिनों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जगदलपुर में सौजन्य मुलाकात के बाद केंद्रीय प्रतिनियुत्ति जोर पकड़ लिया है।

क्यों खास माने जाते हैं सुंदरराज पी.?

बस्तर में लंबे समय तक पदस्थ रहते हुए सुंदरराज पी. ने नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा अभियानों की निगरानी, फोर्स समन्वय और जमीनी रणनीति के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। सुरक्षा विशेषज्ञों के बीच उन्हें ऐसे अधिकारी के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने केवल ऑपरेशन आधारित रणनीति ही नहीं अपनाई, बल्कि प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस उपस्थिति मजबूत करने और लगातार दबाव बनाए रखने की नीति पर काम किया। नक्सल मोर्चे पर मिले परिणामों के बाद अब उनकी केंद्रीय भूमिका को लेकर चर्चाएं प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ की तत्परता से यात्री का खोया बैग मिला, सामान सुरक्षित लौटाया

- **प्लेटफॉर्म पर छूटा बैग गलती से दूसरे परिवार ने उठा लिया, सीसीटीवी जांच से खुला मामला**

जगदलपुर/नवप्रदेश। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट जगदलपुर द्वारा शुक्रवार को 'ऑपरेशन अमानत' के तहत सराहनीय कार्य करते हुए एक यात्री का खोया हुआ बैग खोजकर सुरक्षित वापस लौटाया गया। त्वरित कार्रवाई, तकनीकी जांच और सतर्कता के चलते यात्री को उसका सामान सही सलामत मिल गया, जिससे उसने राहत महसूस करते हुए आरपीएफ टीम का आभार जताया।

जानकारी के अनुसार, 23 मई 2026 को सुबह लगभग 9:15 बजे एक यात्री आरपीएफ पोस्ट जगदलपुर पहुंचा और प्लेटफॉर्म नंबर-1 से उसका काले रंग का पिठ्ठू बैग गायब होने की सूचना दी। यात्री ने बताया कि वह टिकट बनवाने के लिए पीआरएस काउंटर गया था और इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर रखा बैग लापता हो गया। बैग में कपड़े, पहचान पत्र और अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था, जिससे यात्री चिंतित हो गया।

सूचना मिलते ही ड्यूटी पर मौजूद आरपीएफ अधिकारी एवं स्टाफने मामले को गंभीरता से लेते हुए रेलवे स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान सामने आया कि एक परिवार गलतीवश उक्त बैग उठाकर अपने साथ ले गया है। फुटेज की बारीकी से पड़ताल करने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि संबंधित परिवार एक चार पहिया वाहन से स्टेशन से रवाना हुआ था।

इसके बाद आरपीएफ टीम ने वाहन संबंधी जानकारी जुटाई और कैब चालक से संपर्क स्थापित कर बैग सहित तत्काल रेलवे स्टेशन वापस आने के निर्देश दिए।

कंठी धारण के साथ राम मय हुआ मर्दापाल, शंकर दास महाराज ने दिलाई दीक्षा

- **ग्रामीण अंचल में गूंजा हरे राम-हरे कृष्ण का संकीर्तन**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले के मर्दापाल क्षेत्र में बुधवार को भक्ति और आध्यात्म का अद्भुत संगम देखने को मिला। रामपुर आश्रम चपका के पूज्य बाबा बिहारी दास महाराज के सुपुत्र शंकर दास महाराज द्वारा ग्रामीण अंचल के बड़ी संख्या में लोगों को तुलसी एवं कंठी माला धारण कराकर दीक्षा दी गई। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु ÷हरे रामा हरे रामा, रामा रामा हरे हरे, हरे कृष्णा हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे÷ का अखंड जाप करते रहे।

मर्दापाल में आयोजित भजन-कीर्तन, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में आसपास के गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धार्मिक आयोजन के चलते पूरा क्षेत्र राममय वातावरण में डूबा नजर आया। ग्रामीणों ने सात्विक जीवन, धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया।

बस्तर के चपका स्थित श्रीरामपुर आश्रम का क्षेत्र में विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। 1970 के दशक में कंठी वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध बाबा बिहारी दास महाराज ने बस्तर के लाखों आदिवासियों को मांस-मदिरा त्यागकर सात्विक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया था।

धर्मांतरण, आरक्षण और 'डिलिस्टिंग' पर आदिवासी समाज का बड़ा विस्फोट!

- **क्या अब बदलेगा आरक्षण का चेहरा? देशभर में छिड़ सकती है नई बहस**
- **दिल्ली में डिलिस्टिंग आंदोलन को लेकर बस्तर से तेज हुई आवाज, धर्मांतरण के बाद आरक्षण पर उठे सवाल**

जगदलपुर/नवप्रदेश। देशभर में अनुसूचित जनजाति समुदाय के भीतर डिलिस्टिंग, धर्मांतरण और आरक्षण को लेकर नई बहस तेज होती दिखाई दे रही है। बस्तर के चर्चित और बड़े आदिवासी चेहरे, वरिष्ठ आदिवासी नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने धर्मांतरण कर चुके अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को आरक्षण लाभ दिए जाने पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे लोगों को आरक्षण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल किसी राज्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की गंभीर सामाजिक और संवैधानिक बहस का विषय बन चुका है।

शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में डिलिस्टिंग आंदोलन को लेकर आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि देशभर से आदिवासी समाज के लोग राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने के उद्देश्य से दिल्ली में एकत्र हो रहे हैं। आंदोलन का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर करने की मांग है, जिन्होंने धर्म परिवर्तन कर लिया है, लेकिन वे अब भी आरक्षण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि इससे मूल आदिवासी परंपराएं, संस्कृति और सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

प्रेसवार्ता में अरविंद नेताम ने कहा कि वे 24 मई को दिल्ली में आयोजित डिलिस्टिंग आंदोलन में शामिल होने वाले थे, किंतु स्वास्थ्यगत कारणों से नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन आदिवासी अस्मिता, अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़ा विषय है, जिस पर व्यापक राष्ट्रीय विमर्श होना चाहिए। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष राजाराम तोडेंम ने भी स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दिल्ली नहीं जा पाने की बात कही, लेकिन आंदोलन के मुद्दों को महत्वपूर्ण बताते हुए समाज के समर्थन की बात दोहराई।

प्रेसवार्ता में नेताओं ने आरोप लगाया कि धर्मांतरण के बाद भी कुछ लोग दोहरी व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं—एक ओर वे अलग धार्मिक पहचान ग्रहण कर रहे हैं और दूसरी ओर अनुसूचित जनजाति वर्ग को मिलने वाले आरक्षण व सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। उनका कहना था कि इस विषय पर केंद्र सरकार को स्पष्ट नीति बनानी चाहिए और वास्तविक लाभार्थियों तक योजनाओं का फायदा पहुंचाने के लिए समीक्षा आवश्यक है।

आरक्षण व्यवस्था को लेकर उठ रहे नए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए अरविंद नेताम ने सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी का समर्थन किया, जिसमें उच्च पदस्थ अधिकारियों अथवा सक्षम वर्ग के बच्चों को आरक्षण दिए जाने पर प्रश्न उठे हैं। उन्होंने कहा कि आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित तबकों को अवसर उपलब्ध कराना है, इसलिए इस पर गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है। उनका कहना था कि जो परिवार सक्षम हो चुके हैं, उनके बजाय अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद समुदायों तक अवसर पहुंचना चाहिए।

वहीं आदिवासी समाज में क्रीमी लेयर लागू करने अथवा सक्षम परिवारों के बच्चों को आरक्षण जारी रखने के सवाल पर राजाराम तोडेंम ने कहा कि यह विषय व्यापक सामाजिक चर्चा का है। उन्होंने कहा कि लगभग 80 वर्षों से आदिवासी वर्ग को आरक्षण का लाभ मिल रहा है, लेकिन आज भी अंतिम छोर पर बसे अनेक आदिवासी परिवार विकास और बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

क्या अब आदिवासी आरक्षण व्यवस्था में होगा बड़ा बदलाव?

डिलिस्टिंग आंदोलन के बहाने आदिवासी समाज के भीतर कई पुराने सवाल फिर उभरने लगे हैं। धर्मांतरण के बाद आरक्षण जारी रहना चाहिए या नहीं, सक्षम व उच्च पदस्थ परिवारों के बच्चों को आरक्षण मिले अथवा अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंदों को प्राथमिकता दी जाए,क्रीमी लेयर जैसी व्यवस्था अनुसूचित जनजाति वर्ग में लागू होनी चाहिए या नहीं—इन सवालों ने सामाजिक और राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। आदिवासी समाज के नेताओं का मानना है कि यदि इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर नीति आधारित विमर्श नहीं हुआ, तो भविष्य में यह बहस और व्यापक रूप ले सकती है।

चीन की कोयला खदान में भीषण गैस धमाका!

मरने वालों की संख्या बढ़कर 82 हुई, 9 लोग लापता

शिन्हुआ के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों से घायलों के इलाज और खोज व बचाव अभियान में 'कोई कसर न छोड़ने' का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच और कानून के अनुसार सख्त जवाबदेही तय करने का भी आदेश दिया। उत्तरी चीन के प्रमुख कोयला खनन क्षेत्र शानक्सी (Shan&i) प्रांत से एक बेहद दर्दनाक और बड़ा औद्योगिक हादसा सामने आया है। प्रांत की एक कोयला खदान में शुक्रवार देर रात हुए भीषण गैस विस्फोट (Gas E&plosion) में मरने वाले मजदूरों की संख्या शनिवार (23 मई 2026) को बढ़कर कम से कम 82 हो गई है। चीनी सरकारी मीडिया 'शिन्हुआ' (Xinhua) ने इस दुखद आंकड़े की पुष्टि करते हुए बताया कि मलबे में दबे 9 अन्य मजदूर अब भी लापता हैं, जिनकी तलाश में युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह हादसा किनयुआन (Qinyuan) काउंटी स्थित लियुशेन्यु (Liushenyu) कोयला खदान में हुआ। जिस वक्त यह जोरदार धमाका हुआ, उस समय खदान के भीतर कुल 247 मजदूर काम कर रहे थे। शिन्हुआ के अनुसार, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अधिकारियों से घायलों के इलाज और खोज व बचाव अभियान में कोई कसर न छोड़ने\ का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच और कानून के अनुसार सख्त जवाबदेही तय करने का भी आदेश दिया। प्रधानमंत्री ली कियांग ने भी इन निर्देशों को दोहराते हुए समय पर और सटीक जानकारी जारी करने तथा सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात कही।

किनयुआन के स्थानीय आपातकालीन प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बचाव अभियान जारी थे और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही थी। चीन ने 2000 के दशक की शुरुआत से ही, अधिक सख्त नियमों और सुरक्षित कार्यप्रणालियों के माध्यम से कोयला खदानों में होने वाली मौतों (जो अक्सर गैस धमाकों या बाढ़ के कारण होती हैं) में काफी कमी लाई है। हालांकि, लियुशेन्यु की यह घटना पिछले एक दशक में चीन में रिपोर्ट की गई सबसे घातक घटनाओं में से एक थी।

बिहार सरकार जल्द ही लाने जा रही है एआई पॉलिसी

■ *एआई तकनीक शासन-प्रशासन के लिए काफी सहायक साबित हो रही*

पटना/ए.। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एलान किया है कि बिहार सरकार जल्द ही एआई पॉलिसी लाने जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए बिहार को देश के अग्रणी विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल किया जाएगा। पटना के ऊर्जा स्टेडियम में आयोजित 'बिहार एआई समिट-2026' का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभागों में एआई का अधिक से अधिक उपयोग किया जाएगा, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता आएगी और आम लोगों की समस्याओं का तेजी से समाधान हो सकेगा। सम्राट चौधरी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक बिहार के विकास की नई दिशा तय करेंगे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि एआई के माध्यम से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि बिहार अब तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आने वाले समय में राज्य देश के अग्रणी विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में मोबाइल और इंटरनेट का तेजी से विस्तार हुआ है और एआई तकनीक शासन-प्रशासन के लिए बड़ा सहायक साबित हो रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास ने राज्य को नई पहचान दी है। अब तकनीक के जरिए बिहार को नई ऊंचाई पर पहुंचाने का समय है। उन्होंने कहा कि विक्रमशिला विश्वविद्यालय को फाइनेंशियल हब के रूप में विकसित किया जाएगा और राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। सम्राट चौधरी ने पंचायत स्तर पर आयोजित हो रहे सहयोग शिविरों का जिक्र करते हुए कहा कि तकनीक के इस्तेमाल से लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी आवेदन पर तीन दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं होती है तो संबंधित अधिकारी पर जवाबदेही तय की जाएगी।

ट्रंप की धमकी के बीच ईरानी मंत्री अराघची और मुनीर की बैठक

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जारी टकराव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार देर रात तक बातचीत चली, जिसमें पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति, ईरान संघर्ष और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। हालांकि, अराघची ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान युद्धविराम और शांति वार्ता में शामिल बना हुआ है। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने किसी भी देश की संप्रभुता के खिलाफ बल प्रयोग का विरोध करते हुए क्षेत्र में स्थिरता बहाल करने के लिए कूटनीति पर जोर दिया। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की तैयारी में जुटा हुआ है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर रणनीति तैयार कर रहा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने दोनों देशों के बीच गहरे मतभेदों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान ने अमेरिका को पहले ही 14 सूत्रीय प्रस्ताव सौंपा है। उन्होंने कहा कि परमाणु मुद्दों पर बातचीत की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि पहले भी अमेरिका की ÷लालच÷ के कारण हालात युद्ध तक पहुंच गए थे। बघाई ने कहा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का सदस्य है और उसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा इस्तेमाल करने का अधिकार है। उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि उन्होंने नाटो सहयोगियों के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री आवाजाही बहाल करने की संभावित परिस्थितियों पर चर्चा की है। स्वीडन के हेलसिंगबोर्ग में आयोजित मंत्रिस्तरीय शिखर सम्मेलन में रूबियो ने कहा कि यदि जलडमरूमध्य में कोई हमला होता है, तो उसके लिए वैकल्पिक योजना तैयार रखना जरूरी है।

रुबियो ने कहा कि उम्मीद है कि ईरान भविष्य में जलडमरूमध्य को खोल देगा, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका और उसके सहयोगियों को प्लान बी तैयार रखना होगा। गौरतलब है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम समुद्री मार्ग माना जाता है और यहां तनाव बढ़ने से पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार पर असर पड़ सकता है।

अराघची ने गुटेरेस से की बात

इसी बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी फोन पर बातचीत की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने कहा कि अमेरिका की अत्यधिक मांगें शांति वार्ता में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वॉशिंगटन ने बार-बार अपने वादे तोड़े, विरोधाभासी रुख अपनाया और सैन्य आक्रामकता दिखाई, जिससे कूटनीतिक प्रक्रिया कमजोर हुई।

बैठक में किन-किन मुद्दों पर चर्चा हुई?

ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम की रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में क्षेत्र में तनाव बढ़ने से रोकने के लिए जारी कूटनीतिक प्रयासों और नई पहलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने पश्चिम एशिया में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। हालांकि इस पाकिस्तान पहले भी ऐसी चर्चा के साथ सुलह की कोशिशे कर चुका है लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला है।

सपा नेता आजम खां की सजा तीन साल बढ़ी

■ *अब 10 साल की जेल, अब्दुल्ला की सात वर्ष की सजा बरकरार*

रामपुर। सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला आजम से जुड़े दो पैन कार्ड मामले में एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सरकार की अपील मंजूर करते हुए आजम खां की सजा सात वर्ष से बढ़ाकर 10 साल कर दी है। साथ ही उन पर लगाया गया 50 हजार रुपये का जुर्माना बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया गया है। हालांकि अब्दुल्ला आजम को राहत मिली है। उनकी सात साल की सजा बरकरार रखी गई है लेकिन जुर्माने की राशि बढ़ा दी गई। पहले उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। जिसे बढ़ाकर चार लाख रुपये कर दिया गया है। यानी जुर्माने में साढ़े तीन लाख रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस मामले में नवंबर 2025 में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने आजम खां और अब्दुल्ला आजम दोनों को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद बचाव पक्ष ने सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी, जबकि अभियोजन पक्ष ने सजा बढ़ाने की मांग को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील की थी। सजा बढ़ाने संबंधी अपील पर दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने शनिवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष की दलीलों को स्वीकार करते हुए आजम खां की सजा और जुर्माना दोनों बढ़ा दिए। इससे पहले शनिवार यानि 16 मई को साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रामपुर के डीएम को तनखैया बोलते हुए उनसे जूते साफकराने का बयान देने पर दर्ज केस में अदालत ने सपा नेता आजम खां को दो साल कैद की सजा सुनाई थी। आजम पर 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया। बेटे के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा के बाद आजम खां और अब्दुल्ला आजम नवंबर 2025 से जेल में हैं। तत्कालीन डीएम पर बयान के मामले में सजा सुनाए जाने के दौरान पर आजम जेल से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट की कार्यवाही से जुड़े रहे। सपा नेता आजम खां के खिलाफ यह मामला भोट थाना क्षेत्र में दर्ज कराया गया था।

राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने राघव चड्ढा

■ **सभापति सीपी राधाकृष्णन ने किया मनोनीत**

नई दिल्ली/ए.। आप पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राघव चड्ढा को उच्च सदन यानी राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। राघव चड्ढा की यह नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।

समिति में कौन-कौन शामिल?

इस 10 सदस्यीय समिति में राघव चड्ढा के अलावा देश के कई अन्य प्रमुख सांसदों को शामिल किया गया है। इस समिति के अन्य सदस्य हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रोंगवरा नारजारी और संदोष कुमार पी हैं। यह समिति राज्यसभा में आने वाली विभिन्न याचिकाओं और जनहित के मामलों पर विचार करती है।

राज्यसभा सचिवालय ने जारी की अधिसूचना

राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में इस नियुक्ति की पुष्टि की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि सभापति सीपी राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन किया है, जो 20 मई से प्रभावी हो गया है। राघव चड्ढा को इस महत्वपूर्ण समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राघव चड्ढा पिछले कुछ समय से अपनी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं।

डा. मेनका गुरुस्वामी को भी मिली जिम्मेदारी

एक अन्य अधिसूचना में राज्यसभा सचिवालय ने जानकारी दी कि सभापति ने 20 मई, 2026 को राज्यसभा सदस्य डा. मेनका गुरुस्वामी को भी एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें कॉपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 की संयुक्त समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह विधेयक कॉपोरेट जगत से जुड़े नियमों में सुधार से संबंधित है।

जनता की कमाई को किश्तों में लूटा जा रहा

नई दिल्ली/ए.। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर सियासत तेज हो गई है। लगातार आठ दिनों में तीसरी बार ईंधन के दाम बढ़ने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जनता की कमाई किस्तों में लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें कम होने के बावजूद सरकार ने लोगों को राहत नहीं दी, बल्कि टैक्स बढ़ाकर जनता पर बोझ डाला। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए कहा कि देश में नेतृत्व का संकट है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति बनी और दुनिया के कई देशों ने अपने नागरिकों को राहत दी, तब भारत में भाजपा सरकार लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाकर आम लोगों की जेब पर चोट कर रही है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल अब कई जगहों पर 100 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच चुका है और सरकार किस्तों में जनता की कमाई लूट रही है। खरगे ने दावा किया कि पेट्रोल-डीजल पर केंद्र सरकार रोजाना लगभग 1,000 करोड़ रुपये का टैक्स वसूल रही है। उन्होंने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम थीं, तब सरकार ने उसका फायदा जनता तक नहीं पहुंचाया। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि संकट के समय भाजपा नेतृत्व चुनावों में व्यस्त रहा और चुनाव खत्म होते ही लोगों को "त्याग" का संदेश दिया जाने लगा।

इंडियन ऑयल का बड़ा बयान

पेट्रोल-डीजल की कोई किल्लत नहीं

नई दिल्ली/ए.। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने शनिवार को देश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी होने से इन्कार किया है। कंपनी ने कुछ खुदरा दुकानों पर ईंधन की आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को ÷अत्यधिक स्थानीयकृत÷ और अस्थायी बताया। यह क्षेत्रीय मांग-आपूर्ति असंतुलन और बिक्री पैटर्न में बदलाव के कारण हो रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस ईंधन विक्रेता कंपनी ने कहा कि कुछ दुकानों पर अधिक मांग कटाई के मौसम में डीजल की खपत में मौसमी वृद्धि के कारण है। निजी पंपों पर खुदरा मूल्य अपेक्षाकृत अधिक होने से ग्राहक वहां से सरकारी पंपों पर आ गए हैं। थोक ईंधन आपूर्ति अंतरराष्ट्रीय दरों के अनुरूप होने के कारण संस्थागत खरीद भी सार्वजनिक क्षेत्र की दुकानों पर बढ़ी है। इंडियन ऑयल ने बताया कि 1 मई से 22 मई तक पेट्रोल की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 14 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में डीजल की बिक्री में लगभग 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। यह मांग में लगातार और असाधारण वृद्धि को दर्शाता है, जिसे कंपनी पूरे देश में पूरा कर रही है। कंपनी ने ग्राहकों और आम जनता को आश्वस्त किया कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई समग्र कमी नहीं है। उसके 42,000 से अधिक ईंधन स्टेशनों के नेटवर्क में से केवल बहुत कम संख्या में दुकानों पर आपूर्ति बाधित हुई है। कुछ स्थानों पर अधिक मांग कटाई के मौजूदा मौसम में डीजल की मांग में मौसमी वृद्धि से जुड़ी है। कुछ निजी खुदरा दुकानों पर अपेक्षाकृत अधिक खुदरा मूल्यों के कारण ग्राहकों का अस्थायी रूप से वहां से सरकारी दुकानों पर आना भी एक कारण है। थोक और संस्थागत आपूर्ति वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्यों के अनुरूप काफी अधिक कीमत पर होने से संस्थागत और वाणिज्यिक मांग भी सरकारी खुदरा दुकानों की ओर बढ़ी है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि ये सभी कारक मिलकर कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में मांग-आपूर्ति असंतुलन पैदा कर रहे हैं। इंडियन ऑयल ने कहा कि राज्य के स्वामित्व वाली तेल विपणन कंपनियां पूरे देश में पर्याप्त ईंधन भंडार बनाए हुए हैं। वे अलग-थलग पड़ी बाधाओं को दूर करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही हैं।

मलेशिया मास्टर्स से अशिमता चालिहा बाहर, भारत की चुनौती समाप्त

नई दिल्ली/ए.। भारतीय शटलर अशिमता चालिहा का मलेशिया मास्टर्स में अभियान शुक्रवार को हार के साथ समाप्त हो गया। अशिमता को महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क की पूर्व यूरोपियन गेम्स चैंपियन लाइन केयर्सफेल्ड के खिलाफहार का सामना करना पड़ा।

अशिमता के बाहर होने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी खत्म हो गई। बैडमिंटन रैंकिंग में 71वें नंबर पर मौजूद अशिमता ने पहला गेम जीता, लेकिन आखिर में 23वें नंबर की विरोधी खिलाड़ी से 61 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 18-21, 11-21 से हार गईं।

भारतीय युवा खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की और गेम के बीच में 11-6 की बढ़त बना ली। 23वीं रैंक वाली केयर्सफेल्ड की जबरदस्त वापसी की और स्कोर को 17-17 से बराबर कर दिया। हालांकि, अशिमता ने अपना दमखम दिखाया और पहला गेम 23-21 से जीत लिया।

दूसरे गेम की शुरुआत में 10-5 की बढ़त बनाने के बाद अशिमता लगातार गेम जीतने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, केयर्सफेल्ड ने मैच का मोमेंटम बदल दिया, और ब्रेक तक अंतर 11-10 कर दिया। दोबारा गेम शुरू होने पर, केयर्सफेल्ड ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। फिर उन्होंने चार पॉइंट की स्ट्रीक के साथ 18-15 की बढ़त बनाई और आखिर में गेम 21-18 से जीतकर अशिमता को निर्णायक गेम खेलने पर मजबूर कर दिया। आखिरी गेम 4-4 से बराबरी पर शुरू हुआ, फिर केयर्सफेल्ड ने मैच में पूरा कंट्रोल कर लिया, और 13-6 की बढ़त बना ली। अशिमता संभल नहीं पाई, और केयर्सफेल्ड ने आराम से मैच जीतकर निर्णायक सेट 21-11 से अपने नाम कर लिया, जिससे कुआलालंपुर में भारत का अभियान खत्म हो गया।

वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर हुआ रिलीज

मुंबई। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर आज जारी कर दिया गया है। पहले इस ट्रेलर को 21 मई को ही रिलीज किया जाना था, लेकिन तब किन्हीं कारणों से ऐसा नहीं हो सका। फिलहाल आज फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज किया है। ट्रेलर में वरुण मृणाल और पूजा के बीच फंसे नजर आ रहे हैं। जानिए कैसा है ट्रेलर?

3 मिनट 15 सेकंड के इस ट्रेलर से फिल्म की पूरी कहानी के बारे में काफी कुछ स्पष्ट हो जाता है। ट्रेलर की शुरुआत में मृणाल (बानी) और वरुण तलाक के लिए कोर्ट में खड़े हैं। मृणाल वरुण की पत्नी के किरदार में हैं। वरुण को बच्चा चाहिए है। इसके बाद एंट्री होती है पूजा हेगड़े (प्रीत) की, जिनसे वरुण की लव इंटरेस्ट बनी हैं। जब वरुण पूरी तरह से पूजा के इश्क में पड़ जाते हैं, तभी मृणाल आकर बताती हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं और ये बच्चा वरुण का ही है। वहीं पूजा भी वरुण को ये ही बताती हैं कि वो प्रेग्नेंट है। इसके बाद शुरू होती है कहानी में असली अफरा-तफरी, जिसमें एक ओर वरुण का कैरेक्टर मृणाल (बानी) और उसके होने वाले बच्चे की देखभाल करता है। वहीं दूसरी ओर पूजा हेगड़े (प्रीत) और उसके होने वाले बच्चे की देखभाल करना है। ट्रेलर में फिल्म की बाकी कास्ट की भी झलक दिखती है, जिसमें मौनी रॉय, जिम्मी शेरगिल, मनीष पॉल, चंकी पांडे, राकेश बेदी और अली असगर जैसे सितारे शामिल हैं। जिम्मी शेरगिल ने पूजा हेगड़े के किरदार के भाई का रोल निभाया है। जबकि चौंकाने वाली बात ये है कि मौनी रॉय वरुण धवन की नकली मां बनी हैं। मनीष पॉल एक बार फिर वरुण धवन के दोस्त के किरदार में हैं।

कांग्रेस का आंतरिक लोकतंत्र: कठिन है डगर पनघट की

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस बाबा के बीच चल रहे जुबानी जमाखर्च का लब्बोलुआब यह है कि कांग्रेस का आंतरिक लोकतंत्र अभी जिंदा है। यहां पर अभिव्यक्ति की आजादी का आलम यह है कि जो भी बोला और किया जाता है, वह डंके की चोट पर होता है; फिर चाहे सत्ता से बाहर क्यों न होना पड़े। छत्तीसगढ़ कांग्रेस का जब भी राजनीतिक इतिहास लिखा जाएगा, उसमें इस बात का उल्लेख जरूर होगा कि एक बार विरासत में मिली सत्ता को तीन साल में कैसे गंवाया जा सकता है। 15 साल तक पार्टी को सत्ता से बाहर कैसे रखा जा सकता है। बार-बार जनादेश की सत्ता कैसे गंवाई जाती है। और फिर, मैं नहीं तो कोई और भी नहीं÷ की तर्ज पर पार्टी के अंदरूनी मसलों को कैसे तमाशा बनाया जा सकता है। हालांकि इसमें कांग्रेस की मौजूदा पीढ़ी का कोई खास रोल नहीं है, लेकिन राज्य बनने के बाद उभरी राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने इतना उथलापन ला दिया कि राजनीतिक शर्मिंदगी भी शर्मा जाए। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक इसे कांग्रेस के आंतरिक लोकतंत्र की खूबसूरती मानते हैं। बहरहाल अभी चुनाव को समय है, लेकिन उससे पहले लिखी जाने वाली पटकथा बता रही है कि–कठिन है डगर पनघट की।

विष्णु देव जब बनते हैं देवों के देव महादेव

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वैसे तो अपने नाम के अनुरूप शांत और सौम्य स्वभाव के हैं। उनकी सरलता और सहजता के उनके विरोधी भी कायल हैं। किंतु जब बात सुशासन की आती है तो इसमें कोताही बरतने वाले दुशासनों के लिए वे देवों के देव महादेव बनकर अपना त्रिनेत्र खोल देते हैं। प्रदेश में इन दिनों सुशासन तिहार चल रहा है। इस भीषण गर्मी में मुख्यमंत्री खुद कभी भी किसी जनसमस्या निवारण शिविर में पहुंच जाते हैं। चिलचिलाती धूप में किसी पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर लोगों की फरियाद सुनते हैं। शासकीय योजनाओं के धरातल पर क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति से अवगत होते हैं और जैसे ही किसी अधिकारी या कर्मचारी की कोताही की शिकायत सामने आती है, तत्काल उसके खिलाफ कार्रवाई करते हैं। प्रदेश में खाद संकट को लेकर मिली शिकायतों पर उन्होंने रौद्र रूप दिखाया और हाथ के हाथ दो अधिकारियों को निलंबित कर नौकरशाही को यह संदेश दे दिया कि वे स्वभाव से जितने सरल, सहज और सौम्य हैं, उतने ही सख्त प्रशासक भी हैं। जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वालों को कतई नहीं बख्शने वाले हैं। सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के तीखे तेवर देखकर नौकरशाहों के होश फाख्ता हैं।

गजब फरमान.. किस चक्की का आटा खाते हैं आला अफसर?

शिक्षा विभाग ने फरमान जारी कर दिया है कि कक्षा 9 से 12 के स्टूडेंट्स अब घर-घर जाकर असाक्षरों को ढूंढने का काम भी करेंगे। सर्वे कार्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ छात्रों की ड्यूटी भी लगाई जाएगी। यह फरमान उस दौर में जारी हुआ है, जब खराब रिजल्ट वाले स्कूलों के प्राचार्यों पर लगातार कार्रवाई चल रही है। समीक्षा बैठकों में रिजल्ट खराब होने के कारणों पर चिंतन किया जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए नई रणनीति और पूरे साल भर की एक्टिविटी की योजना बन रही है। शिक्षा विभाग के जानकारों का कहना है कि हाई स्कूल के स्टूडेंट्स अगर घर-घर जाकर असाक्षरों की तलाश और सर्वे फॉर्म भरने का काम करेंगे तो रिजल्ट कैसा आएगा, अंदाजा लगाया जा सकता है। जानकार यह सवाल भी कर रहे हैं कि शिक्षा विभाग के अफसर आखिर किस चक्की का आटा खाकर ऐसे शिक्षा विरोधी फरमान जारी करते हैं?

सदस्यता शुल्क डेढ़ गुना... महंगाई का असर या संगठन का बंटाधार करने की एक और कड़ी...

युवा कांग्रेस के चुनाव का ऐलान हो गया है। युवा कांग्रेस चुनाव से पहले सदस्यता अभियान चलेगा। युवा कांग्रेस के सदस्यता शुल्क में भी महंगाई का असर दिखने लगा है। कांग्रेस ने युवा कांग्रेसियों से 50 की बजाय अब 75 रुपए का शुल्क लेने का ऐलान कर दिया है। सदस्यता शुल्क डेढ़ गुना करने की वजह भले ही कांग्रेस पार्टी का ज्यादा से ज्यादा फंड जुटाने का रहा हो, लेकिन जानकारों का कहना है कि इससे पार्टी का बंटाधार हो रहा है। दरअसल, सभी को पता है कि कांग्रेस हो या युवा कांग्रेस, सदस्यता पर्ची घर में बैठकर ही भरी जाती है। शुल्क भी चुनाव लड़ने वाला ही भरता है। शहर, जिला और ब्लॉक के साथ प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव लड़ने वाले युवा कांग्रेसी लाखों रुपए का शुल्क जमा करते हैं। इसके साथ ही युवाओं को साधने में बीयर-चिकन पार्टी से लेकर तमाम प्रपंच करने में भी रोकड़ा खर्च करना पड़ता है। चुनाव जीतने या हारने के बाद युवा कांग्रेस के पदाधिकारी खर्च किए गए रोकड़े से दोगुना वसूलने के लिए दिन-रात जोड़-तोड़ में जुटे रहते हैं। इससे संगठन के कामकाज का बंटाधार हो जाता है। फंड जुटाने के फेर में संगठन की बैंड बजाने वाले ऐसे फैसले लेने वाले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को लोकसभा या विधानसभा चुनाव हारने पर कोई मलाल नहीं होता, क्योंकि जब तक ईवीएम है तब तक चुनाव हारने पर वजह तलाशने की जरूरत ही नहीं है। कांग्रेस नेताओं के पास ईवीएम हैकिंग का रेडीमेड बहाना पहले से है।

सिर्फ 52 फीसदी काम... फिर भी शर्म से पानी-पानी नहीं हुए अफसर

सड़कों के खस्ताहाल होने पर कई महीने पहले हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया और विभाग के अफसरों से रिपोर्ट मांग ली। हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद भी अफसरों ने अक्लमंदी नहीं दिखाई। कोर्ट की फटकार के बाद भी काम में चुस्ती या फुर्ती नहीं दिखी। सालाना रिपोर्ट में पीडब्ल्यूडी का रिपोर्ट कार्ड 52 फीसदी रहा। यानी पिछले साल विभाग को मिले बजट का सिर्फ 52 फीसदी काम ही कर पाए विभागीय अफसर। आंकड़े बता रहे हैं कि पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के अफसरों ने पब्लिक को बेहतर सड़क देने में कोताही बरती है। लेकिन, 52 फीसदी रिपोर्ट के बावजूद पीडब्ल्यूडी के अफसर शर्म से पानी-पानी नहीं हो रहे हैं; क्योंकि पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग यानी पीएचई के अफसरों ने पब्लिक को पानी पिलाने के टारगेट का सिर्फ 19 फीसदी काम पूरा किया है। पीडब्ल्यूडी के अफसर छाती चौड़ी कर घूम रहे हैं और पानी वाले अफसर (पीएचई) पानी-पानी हो रहे हैं।

झपटमार ने पुलिस कमिश्नरी की चूलें हिला दीं

एक वीआईपी से मोबाइल लूटने वाले एक छोटे बदमाश ने पूरी पुलिस कमिश्नरी की चूलें हिला दी हैं। मॉर्निंग वॉक के दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष का मोबाइल लूटकर भागने वाले बदमाश को भले ही पुलिस ने 8 घंटे के भीतर दबोच लिया हो, लेकिन इस घटना ने पूरे पुलिस सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। राजधानी में कमिश्नर प्रणाली लागू किए जाने के बाद उम्मीद की जा रही थी कि क्राइम रेट घटेगा, लेकिन अभी तक पुलिस कमिश्नरी के तेवरों का कोई भी असर बदमाशों और लुटेरों पर नहीं दिख रहा है। हालत यह है कि अब वीआईपी सुरक्षा का नए सिरे से ऑडिट किया जा रहा है। सभी थाना प्रभारी बदमाशों की क्लास लेकर रासुका में अंदर करने की चेतावनी दे रहे हैं। जगह-जगह पुलिस तैनात की जा रही है। वैसे, पुलिस कमिश्नरी लागू होने के बाद करीब चार माह के अरसे में राजधानी में झपटमारी और लूट के कुल 24 केस में से 20 मामलों के झपटमार पकड़े जा चुके हैं, लेकिन चार मामलों के लुटेरे आज तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। पब्लिक सवाल कर रही है कि वीवीआईपी से मोबाइल लूटने पर 8 घंटे के भीतर दबोचने वाली पुलिस की तत्परता आम आदमी से झपटमारी होने पर क्यों नहीं दिखती? अपराधी तो अपराधी है। सवाल यह भी है कि क्या अपराधियों को पकड़ने के मामले में भी अब वीआईपी कल्चर का ट्रेंड चलेगा?

शासकीय भूमि पर अवैध प्लाटिंग बढ़ी, राजस्व अमले पर उठे सवाल, नहर-नाले और चारागाह जमीनों पर अतिक्रमण

शासकीय जमीनों पर अवैध प्लाटिंग का खेल जारी, नहर-नाले तक नहीं बचे : आकाश

कबीरधाम/नवप्रदेश। जिले में अवैध प्लाटिंग का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस आकाश केशरवानी ने जिलाधीश को किया शिकायत कवर्धा शहर सहित कवर्धा विकास योजना (पुनर्विलोकन) 2031 में शामिल ग्रामों में शासकीय जमीनों पर कब्जा कर अवैध प्लाटिंग का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, नहर, नालों, घास भूमि (चारागाह) एवं अन्य राजस्व भूमि पर अतिक्रमण कर प्लॉट काटे जा रहे हैं। इस अवैध गतिविधि के चलते न केवल शासन को राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि भविष्य में जल निकासी व्यवस्था और पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई जगहों पर खुलेआम शासकीय जमीनों को निजी संपत्ति बताकर बेचा जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रशासन की निष्क्रियता के कारण यह अवैध कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में अव्यवस्थित विकास और आम जनता के साथ धोखाधड़ी की स्थिति बन रही है।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के कृषि भूमि पर हो रही है प्लाटिंग : जिले में अवैध प्लाटिंग का मामला अब गंभीर कानूनी उल्लंघन का रूप ले चुका है। कवर्धा शहर सहित शहरी क्षेत्रों में नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 292(ग) के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद बिना अनुमति कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है।नियमों के अनुसार किसी भी भूमि का विकास (प्लाटिंग) करने से पहले टीएनसीपी की अनुमति, रेरा पंजीयन तथा भूमि का विधिवत डायवर्जन (कृषि से आवासीय) अनिवार्य होता है। इसके बावजूद इन प्रक्रियाओं की अनदेखी कर बड़े पैमाने पर प्लॉट काटे जा रहे हैं।वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक है। ग्राम पंचायत स्तर पर छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 तथा छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (कालोनाइजर का रजिस्ट्रेशन, नियंत्रण तथा शर्तें) नियम 2013 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। जानकारों के मुताबिक, बिना अनुमति की जा रही इस प्लाटिंग से न केवल शासन को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है, बल्कि भविष्य में सड़क, नाली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं की गंभीर समस्या भी खड़ी हो सकती है।

शासकीय भूमि पर कब्ज़ा : नगर पालिका क्षेत्र एवं आसपास के ग्रामों में शासकीय खसरा भूमि से संबंधित एक गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कवर्धा नगर पालिका अंतर्गत गुरूनाला सेतु क्षेत्र में खसरा क्रमांक 1049 दर्ज है।इसी क्रम में ग्राम तालपुर में खसरा क्रमांक 109 एवं 78 नाले (पानी के नीचे) की श्रेणी में दर्ज हैं। ग्राम घोठिया में खसरा क्रमांक 137 भी नाले के अंतर्गत आता है, जो वर्तमान में पानी के नीचे स्थित है। वहीं ग्राम छिरहा में शासकीय खसरा क्रमांक 2 दर्ज किया गया है।चौंकाने वाली बात यह है कि इन शासकीय एवं जल निकाय से संबंधित भूमि पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग किया जा रहा है।

विभाग की लापरवाही से फल-फूल रहा अवैध प्लाटिंग का कारोबार

प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस आकाश केशरवानी ने कहा की कवर्धा शहर के चारों दिशाओं में राजस्व विभाग की गंभीर लापरवाही के चलते अवैध प्लाटिंग का कारोबार तेजी से फैल रहा है। भूमाफिया शासकीय भूमि पर खुलेआम कब्जा कर उसे प्लॉट के रूप में बेच रहे हैं, जिससे सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे मामले में विभागीय अधिकारियों–पटवारी, आरआई, तहसीलदार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)–की भूमिका संदेह के घेरे में है। इन अधिकारियों के संज्ञान में होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। आरोप है कि कुछ पटवारियों की भूमाफियाओं के साथ सांठगांठ के चलते यह अवैध गतिविधियां बेखौफ जारी हैं। प्रशासनिक निष्क्रियता के कारण भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार शासकीय भूमि पर कब्जा कर अवैध प्लाटिंग कर रहे हैं। जिलाधीश से शिकायत कर इस पर कठोर कार्यवाही की मांग किया गया है।

स्कूल में बड़ी चोरी: सीसीटीवी तार काटकर प्रोजेक्टर, बैटरी और लैब सामग्री पार

■ फागुन्दाह हायर सेकेंडरी स्कूल में देर रात वारदात, पुलिस जांच में जुटी

बालोद/नवप्रदेश। गुरुर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फगुन्दाह में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने स्कूल परिसर में घुसकर कम्प्यूटर कक्ष और अन्य कमरों का ताला तोड़ते हुए लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है।

प्राचार्य लवन सिंह रावटे द्वारा पुरूर थाना में दी गई शिकायत के अनुसार, वे 21 मई को दोपहर करीब 1 बजे स्कूल से घर चले गए थे। अगले दिन 22 मई की सुबह लगभग 8 बजे स्कूल पहुंचे तो देखा कि स्कूल के पीछे लगे सीसीटीवी कैमरा और माइक के तार कटे हुए थे। इसके बाद जब कम्प्यूटर कक्षों की जांच की गई तो वहां से तीन प्रोजेक्टर, दो इन्वर्टर बैटरी, माइक यूनिट और भौतिकी प्रयोगशाला की सामग्री गायब मिली।

सीसीटीवी का तार काटकर दिया वारदात को अंजाम: चोरों ने बेहद शातिर तरीके से पहले स्कूल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों का वायर काटा और फिर मुख्य गेट का ताला खोलकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद विभिन्न कमरों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया।

पुलिस जांच में जुटी: प्राचार्य लवन सिंह रावटे ने पुरूर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के संदिग्धों एवं गतिविधियों की जानकारी खंगाली जा रही है।

डेढ़ लाख रुपये से अधिक के सामान की चोरी

- ■ 3 नग प्रोजेक्टर – लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये
- ■ 2 नग इन्वर्टर बैटरी – लगभग 10 हजार रुपये
- ■ भौतिकी प्रयोगशाला सामग्री – लगभग 20 हजार रुपये
- ■ माइक यूनिट एवं अन्य सामग्री, कुल मिलाकर लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये के सामान की चोरी हुई है।

ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन में आक्रोश

घटना की जानकारी मिलने पर शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष गिरीश कुमार हिरवानी, तोषण मरकाम और ग्राम कोतवाल खिलावनदास मानिकपुरी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने स्कूल जैसी शैक्षणिक संस्था में चोरी की घटना पर नाराजगी जताई है।

प्रदेश के युवा खिलाड़ी अवि मानिकपुरी का भारतीय हॉकी टीम में हुआ चयन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवा हॉकी खिलाड़ी अवि मानिकपुरी का जापान में आयोजित होने वाले अंडर-18 जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है।

अवि मानिकपुरी के भारतीय टीम में चयन पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अवि मानिकपुरी की यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर प्रदेश के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि अवि का भारतीय टीम में चयन न केवल उनके परिवार और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह राज्य की समृद्ध खेल परंपरा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला प्रेरक उदाहरण भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अवि मानिकपुरी जापान में आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे तथा आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।

■ **जापान में दिखाएंगे दमखम, अंडर-18 जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं**

अभियान: कोंडागांव के 150 गांवों में गूंजा आधुनिक खेती का मंत्र

■ **वैज्ञानिकों ने दिया रासायनिक खादों को घटाने और जैविक खेती को बढ़ाने पर जोर**

फरसगांव/नवप्रदेश। जिले में किसानों को आधुनिक, वैज्ञानिक और अधिक मुनाफे वाली खेती से जोड़ने के लिए चलाया गया 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। खरीफ 2026 के अंतर्गत संचालित इस विशेष अभियान के जरिए जिले के पांचों विकासखंडों के चयनित 150 ग्रामों तक आधुनिक कृषि तकनीक की अलख जगाई गई।

05 मई से शुरू होकर 20 मई तक चरणबद्ध तरीके से चले इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़ाकर टिकाऊ और उन्नत कृषि पद्धतियों के प्रति प्रेरित करना रहा।

नील-हरित काई, जैव उर्वरक को अपनाने दिलाया गया संकल्प: इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोरगांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र कोंडागांव, कृषि महाविद्यालय और कृषि विभाग के वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने सीधे गांवों में पहुंचकर किसानों से संवाद किया। अभियान के दौरान वैज्ञानिकों ने रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे मिट्टी की उपजाऊ क्षमता नष्ट हो रही है। इसके विकल्प के रूप में किसानों को नील-हरित काई, जैव उर्वरक और हरी खाद जैसी प्राकृतिक पद्धतियों को अपनाने का संकल्प दिलाया गया। वैज्ञानिकों ने 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड' के आधार पर संतुलित खाद डालने की सलाह दी, जिससे खेती की लागत कम हो और उत्पादन बेहतर हो सके।

स्मार्ट खेती और मशीनीकरण पर जोर: इस अभियान का सबसे बड़ा आकर्षण कृषि के आधुनिक तौर-तरीकों का जीवंत प्रदर्शन रहा। खेतों में कृषि ड्रोन का प्रदर्शन किया गया, जिसके जरिए कम समय और कम लागत में छिड़काव की बारीकियों को किसानों ने समझा। इसके साथ ही धान की सीधी बुवाई (डीएसआर पद्धति), सोयाबीन की खेती में मशीनीकरण, रेज्ड एंड फरो पद्धति और बीबीएफ तकनीक की तकनीकी जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों को सिर्फ धान पर निर्भर न रहकर दलहन, तिलहन और नकदी फसलों को अपनाने यानी फसल विविधीकरण की समझाइश दी। अधिकारियों ने 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' और 'फसल बीमा योजना' का लाभ उठाने की अपील की। साथ ही, पराली जलाने के नुकसान बताते हुए 'मल्चर' मशीन का प्रदर्शन किया गया, जो पराली को खेत में ही खाद में तब्दील कर देती है। क्षेत्र के किसानों ने इस अभियान को बेहद उपयोगी और खेती को मुनाफेदार बनाने में मील का पत्थर बताया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com